**Al-Bagara (2:268)** शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है. जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बडी समाईवाला, सर्वज्ञ है Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.): whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures needs. All-Knower. Bakaasura, Takaasura Takasuru, Bakasur, Basmasur, तकासुर,बकासुर,बस्मासुर,తకాసుర, బకాసుర్,బస్మాసుర(2),ూర్లు.doc 

QuakeUp, > WakeUp Call Series From

\*\*\* Khadija Kerimah, Kristina MariaJemila \*\*\*

Dtp..by ShahPagaLunatic, Keratitic DominiqueDancho... Folio.1

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह अल्लाह वड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures needs, All-Knower.

## محتویات-Contents

≼≽≼≽ Purpose of Human Existence

≼≽≼≽ Run fast towards Forgivance.

≼≽≼≽ Worldly Life is made Attractive

≼≽≼≽ Shirk, Hypocrisy, Nusub, Idolatry

≼≽≼≽≼≽ Riba\_Usury

≼≽≼≽ Fawaahisha\_Zina\_Fornication,ExtraMaritals\_Obscenities

```
Al-Baqara (2:268)
शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता
है, जबिक अल्लाहॐ अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है।

अल्लाहॐ बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.);
whereas Allahॐ promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allahॐ is All-Sufficient for His creatures' needs,

All-Knower.

⇒⇒⇒⇒ Alcohol,Khamr,Mysar,Gambling,Nusub,Idolatry

⇒⇒⇒⇒ Consequences of Takaasur.
```

<><> Heraphery\_Calenders,Kalandhars,Manghadath
PanchangaJantris,etc.....

 $\leq > \leq > \leq >$  ZeenathudDunyaa,Attractive world.

Infanticide.Abortion.Foeticide.BhroonaHatva

≼≽≼≽ Satan\_Shytan Enticingly Mesmerizes

<><> WatabaarakAllaahu,Ahsanul Khaliqeena.///.The Sole
Creator Par Excellence ///

≼≽≼≽ MalhmaMahatmamen, Multicellular, Carnivore Canines,
Bipedes, Tridents, Quadrupedes,

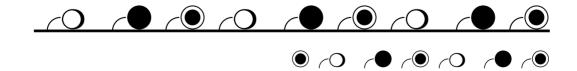
शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कार्मो पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

**Monocyte Epidemical Bacterias, Vectors, Viruses, Viroids, etc** 

<a href="#">
<

≼≽≼≽≼≽ Maa Enda Allaahi Baaqin\_యెన్నటికీ మిగిలి"బాకీ"గానిలిచేవి సిర్ఫుఔర్ సిర్పు అల్లాహు,సుబహాన వారివద్దనున్నవేనని ముస్లిములు గ్రహించాలి.

 $\leq > \leq > \leq >$  Certainly, the "Aakhirah" is the best and everlasting. (than this world)



शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बडी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

## Khuliganaa\_Purpose of Our Existance

Adh-Dhaariyat (51:56)



# وَمَا خَلَقْتُ ٱلجِنَّ وَٱلْإِنسَ إِلَّا لِيَعْبُدُونِ

**₹**الله

અને મેં જિન્નાતો તથા ઇન્સાનોને પેદા નથી કર્યા સિવાય કે મારી ઇબાદત કરે.

मैंने तो जिन्नों और मनुष्यों को केवल इसलिए पैदा किया है कि वे मेरी बन्दगी करे

**جَلا**الله

আমার এবাদত করার জন্যই আমি মানব ও জিন জাতি সৃষ্টি করেছি।

And I (Allahall) created not the jinns and humans except they should worship Me (Alone).

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बडी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

O •

An-Nisaa (4:1)



يَّأْيُهَا ٱلنَّاسُ ٱتقُواْ رَبَّكُمُ ٱلذِى خَلَقَكُم مِّن تَقْسِ وَحِدَةٍ وَخَلَقَ مِنْهَا زَوْجَهَا وَبَثَ مِنْهُمَا رِجَالًا كَثِيرًا وَنِسَآءً وَٱتقُواْ ٱللهَ ٱلذِى تَسَآءَلُونَ بِهِ وَٱللَّرْحَامَ إِنَّ ٱللهَ كَانَ عَلَيْكُمْ رَقِيبًا

અય લોકો ! તમે તમારા પરવરદિગાર(ની નાફરમાની)થી બચતા રહો કે જેણે તમને એક જ નફસમાંથી પેદા કર્યા છે તથા તેમાંથી જ તેના જીવનસાથીને બનાવ્યા અને તે બંનેમાંથી ઘણા મર્દો અને ઔરતોને (દુનિયામાં) ફેલાવ્યા, અને અલ્લાહ થી ડરો જેનો વાસ્તો આપી એકબીજાથી (પોતાના હક્કોની) માંગણી કરો છો અને ખૂનના રિશ્તેદારો(થી સંબંધ તોડવા) બાબતે ડરતા રહો\* કારણકે અલ્લાહ તમો સર્વો ઉપર નજર રાખનાર છે.

ऐ लोगों! अपने रब का डर रखों, जिसने तुमको एक जीव से पैदा किया और

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह अल्लाह वडी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

उसी जाति का उसके लिए जोड़ा पैदा किया और उन दोनों से बहुत-से पुरुष और स्त्रियाँ फैला दी। अल्लाह का डर रखो, जिसका वास्ता देकर तुम एक-दूसरे के सामने माँगें रखते हो। और नाते-रिश्तों का भी तुम्हें ख़याल रखना हैं। निश्चय ही अल्लाह तुम्हारी निगरानी कर रहा हैं

হে মানব সমাজ! তোমরা তোমাদের পালনকর্তাকে ভয় কর, যিনি তোমাদেরকে এক ব্যক্তি থেকে সৃষ্টি করেছেন এবং যিনি তার থেকে তার সঙ্গীনীকে সৃষ্টি করেছেন; আর বিস্তার করেছেন তাদের দু'জন থেকে অগণিত পুরুষ ও নারী। আর আল্লাহঞ্চিকে ভয় কর, যাঁর নামে তোমরা একে অপরের নিকট যাচঞ্জা করে থাক এবং আত্মীয় জ্ঞাতিদের ব্যাপারে সতর্কতা অবলম্বন কর। নিশ্চয় আল্লাহঞ্চি তোমাদের ব্যাপারে সচেতন রয়েছেন।

O mankind! Be dutiful to your Lord, Who created you from a single person (Adam), and from him (Adam) He created his wife [Hawwa (Eve)], and from them both He created many men and women and fear Allah through Whom you demand your mutual (rights), and

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह अल्लाह वड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures needs, All-Knower.

(do not cut the relations of) the wombs (kinship). Surely, Allah is Ever an All-Watcher over you.

Al-Hujuraat (49:13)



يَّأَيُهَا ٱلنَّاسُ إِنَّا خَلَقْنَكُم مِّن ذَكَرٍ وَأُنثَى ٰ وَجَعَلَنَّكُمْ شُعُوبًا وَقُبَآئِلَ لِتَعَارَقُوآ إِنَّ أَكْرَمَكُمْ عِندَ ٱللهِ أَتْقَاكُمْ إِنَّ أَكْرَمَكُمْ عِندَ ٱللهِ أَتْقَاكُمْ إِنَّ ٱللهَ عَلِيمٌ خَبِيرٌ

અય લોકો ! બેશક અમોએ તમને મર્દ અને ઔરતમાંથી પેદા કર્યા છે, અને તમને જુદી જુદી કોમો તથા કબીલાઓમાં રાખ્યા કે જેથી તમે એક બીજાને ઓળખી શકો; બેશક અલ્લાહ મી નઝદીક તમારામાંથી વધારે મોહતરમ એ જ છે કે જે વધારે પરહેઝગાર છે; બેશક અલ્લાહ ખબર રાખનાર જાણકાર છે.

ऐ लोगो! हमनें तुम्हें एक पुरुष और एक स्त्री से पैदा किया और तुम्हें बिरादिरयों और क़बिलों का रूप दिया, ताकि तुम एक-दूसरे को पहचानो। वास्तव में

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures needs, All-Knower.

अल्लाह के यहाँ तुममें सबसे अधिक प्रतिष्ठित वह है, जो तुममे सबसे अधिक डर रखता है। निश्चय ही अल्लाह सबकुछ जाननेवाला, ख़बर रखनेवाला है

হে মানব, আমি তোমাদেরকে এক পুরুষ ও এক নারী থেকে সৃষ্টি করেছি
এবং তোমাদেরকে বিভিন্ন জাতি ও গোত্রে বিভক্ত করেছি, যাতে তোমরা
পরস্পরে পরিচিতি হও। নিশ্চয় আল্লাহ∰র কাছে সে-ই সর্বাধিক সম্ভ্রান্ত
যে সর্বাধিক পরহেযগার। নিশ্চয় আল্লাহ∰ সর্বজ্ঞ, সবকিছুর খবর
রাখেন।

O mankind! We have created you from a male and a female, and made you into nations and tribes, that you may know one another.

Verily, the most honourable of you with Allah is that (believer) who has At-Taqwa [i.e. one of the Muttaqun (pious - see V. 2:2).

Verily, Allah is All-Knowing, All-Aware.

Luqman (31:20)

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह अल्लाह वड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures needs, All-Knower.

بس<u>ارالله</u>م اللحمان

أَلَمْ تَرَوْا أَنَ ٱللهَ سَخَرَ لَكُم مَا فِى ٱلسَّمُوَّتِ وَمَا فِى ٱلسَّمُوَّتِ وَمَا فِى ٱلأَرْضِ وَأَسْبَغَ عَلَيْكُمْ نِعَمَهُ طُهِرَةً وَبَاطِنَةً وَمِنَ اللهِ مِن يُجِّدِلُ فِى ٱللهِ بِغَيْرِ عِلْمٍ وَلَا هُدًى وَلَا كُتِّبٍ مُنِيرٍ

શું તમોએ નથી જોયું કે અલ્લાહે ઝમીન અને આસમાનની બધી વસ્તુઓને તમારા કબજામાં મૂકી છે, અને તમારા માટે જાહેરી અને છુપી નેઅમતો વરસાવે છે અને લોકોમાંથી અમુક એવા પણ છે કે જે ઇલ્મ હિદાયત અને વાઝેહ કિતાબ વગર ખુદાના બારામાં તકરાર કરે છે.

क्या तुमने देखा नहीं कि अल्लाह ने, जो कुछ आकाशों में और जो कुछ धरती में है, सबको तुम्हारे काम में लगा रखा है और उसने तुमपर अपनी प्रकट और अप्रकट अनुकम्पाएँ पूर्ण कर दी है? इसपर भी कुछ लोग ऐसे है जो अल्लाह के विषय में बिना किसी ज्ञान, बिना किसी मार्गदर्शन और बिना किसी प्रकाशमान किताब के झगड़ते है

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबकि अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह अल्लाह वडी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

তোমরা কি দেখ না আল্লাহৠ নভোমন্ডল ও ভূ-মন্ডলে যাকিছু আছে, সবই তোমাদের কাজে নিয়োজিত করে দিয়েছেন এবং তোমাদের প্রতি তাঁর প্রকাশ্য ও অপ্রকাশ্য নেয়ামতসমূহ পরিপূর্ন করে দিয়েছেন? এমন লোক ও আছে; যারা জ্ঞান, পথনির্দেশ ও উজ্জল কিতাব ছাড়াই আল্লাহৠ সম্পর্কে বাকবিতন্ডা করে।

See you not (O men) that Allah has subjected for you whatsoever is in the heavens and whatsoever is in the earth, and has completed and perfected His Graces upon you, (both) apparent (i.e. Islamic Monotheism, and the lawful pleasures of this world, including health, good looks, etc.) and hidden [i.e. One's Faith in Allah (of Islamic Monotheism) knowledge, wisdom, guidance for doing righteous deeds, and also the pleasures and delights of the Hereafter in Paradise, etc.]? Yet of mankind is he who disputes about Allah without knowledge or guidance or a Book giving light!



शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह अल्लाह वड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures needs, All-Knower.

Al-Hadid (57:19)



وَٱلذِينَ ءَامَنُوا بِٱللهِ وَرُسُلِهِۦٓ أُولَّئِكَ هُمُ ٱلصِّدِّيقُونَ وَٱلشُهَدَآءُ عِندَ رَبِّهِمْ لَهُمْ أَجْرُهُمْ وَتُورُهُمْ وَٱلذِينَ كَفَرُوا ْ وَكَذَّبُوا ْ بِـِّايِّتِنَآ أُولَٰئِكَ أَصْحَبُ ٱلجَحِيمِ

અને જેઓ અલ્લાહ અને રસૂલ પર ઇમાન લાવ્યા, તેઓ જ અલ્લાહની નજીક સાચા અને શહીદોનો દરજ્જો ધરાવે છે અને તેઓ માટે બદલો અને રોશની છે, અને જેઓએ ઇન્કાર કર્યો અને અમારી નિશાનીઓને જૂઠલાવી, તેઓ જહન્નમવાસી છે.

जो लोग अल्लाह और उसके रसूल पर ईमान लाए, वही अपने रब के यहाण सिद्दीक और शहीद है। उनके लिए उनका प्रतिदान और उनका प्रकाश है। किन्तु जिन लोगों ने इनकार किया और हमारी आयतों को झुठलाया, वही भड़कती आगवाले हैं

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार क्पा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures needs, All-Knower.

আর যারা আল্লাহ ও তাঁর রসূলের প্রতি বিশ্বাস স্থাপন করে তারাই তাদের পালনকর্তার কাছে সিদ্দীক ও শহীদ বলে বিবেচিত। তাদের জন্যের রয়েছে পুরস্কার ও জ্যোতি এবং যারা কাফের ও আমার নিদর্শন অস্বীকারকারী তারাই জাহান্নামের অধিবাসী হবে।

And those who believe in (the Oneness of) Allah and His Messengers, they are the Siddiqun (i.e. those followers of the Prophets who were first and foremost to believe in them), and the martyrs with their Lord, they shall have their reward and their light.

But those who disbelieve (in the Oneness of Allah - Islamic Monotheism) and deny Our Ayat (proofs, evidences, verses, lessons, signs, revelations, etc.), they shall be the dwellers of the blazing Fire.

O •

Al-Hadid (57:20)



शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

أَعْلَمُوا أَتَمَا ٱلْحَيَواةُ ٱلدُّنْيَا لَعِبٌ وَلَهُو وَزِينَةٌ وَتَقَاخُرُ لَيْنَكُمْ وَتَكَاثُرُ فِى ٱلْأَمْوَٰلِ وَٱلْأُوْلِدِ كَمَثَلِ غَيْثٍ لَيْنَكُمْ وَتَكَاثُرُ فِى ٱلْأَمْوَٰلِ وَٱلْأُوْلِدِ كَمَثَلِ غَيْثٍ لَعْجَبَ ٱلكُقَارَ نَبَاتُهُ أَنُم يَهِيجُ فَتَرَىٰهُ مُصْفَرًا ثُم يَكُونُ حُطَمًا وَفِى ٱلْءَاخِرَةِ عَدَابٌ شَدِيدٌ وَمَعْفِرَةٌ يَكُونُ حُطَمًا وَفِى ٱلْءَاخِرَةِ عَدَابٌ شَدِيدٌ وَمَعْفِرَةٌ مِنْ اللهِ وَرضُوْنُ وَمَا ٱلْحَيَواةُ ٱلدُنْيَآ إِلَّا مَتَعُ ٱلْعُرُورِ مِنْ اللهِ وَرضُوْنُ وَمَا ٱلْحَيَواةُ ٱلدُنْيَآ إِلَّا مَتَعُ ٱلْعُرُورِ

જાણી લો કે દુનિયાનું જીવન ફકત એક રમત-ગમત, ઝીનત (શોભા) આપસમાં કૃપ્ય કરવું અને માલ અને ઔલાદમાં વધારો કરવાની ચાહત છે, તેની મિસાલ વરસાદ જેવી છે કે જેની ઉપજ ખેડૂતને ખુશ કરી દે છે, અને ત્યારબાદ તે કરમાઇ જાય છે અને તું તેને પીળી પડી ગયેલી જૂએ છે, અને અંતમાં તે સૂક ાઇને ખડ થઇ જાય છે; અને આખેરતમાં સખત અઝાબ છે અથવા મગફેરત અને અલ્લાહ ∰ની ખુશનુદી છે; અને દુનિયાનું જીવન છેતરામણી મૂડી સિવાય કશું જ નથી.

जान लो, सांसारिक जीवन तो बस एक खेल और तमाशा है और एक साज-सज्जा, और तुम्हारा आपस में एक-दूसरे पर बड़ाई जताना, और धन और सन्तान में परस्पर एक-दूसरे से बढ़ा हुआ प्रदर्शित करना। वर्षा का मिसाल की तरह

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.);

whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

जिसकी वनस्पति ने किसान का दिल मोह लिया। फिर वह पक जाती है; फिर तुम उसे देखते हो कि वह पीली हो गई। फिर वह चूर्ण-विचूर्ण होकर रह जाती है, जबकि आख़िरत में कठोर यातना भी है और अल्लाह की क्षमा और

प्रसन्नता भी। सांसारिक जीवन तो केवल धोखे की सुख-सामग्री है

সন্তুষ্টি। পার্থিব জীবন প্রতারণার উপকরণ বৈ কিছু নয়।

তোমরা জেনে রাখ, পার্থিব জীবন ক্রীড়া-কৌতুক, সাজ-সজ্জা, পারস্পরিক অহমিকা এবং ধন ও জনের প্রাচুর্য ব্যতীত আর কিছু নয়, যেমন এক বৃষ্টির অবস্থা, যার সবুজ ফসল কৃষকদেরকে চমৎকৃত করে, এরপর তা শুকিয়ে যায়, ফলে তুমি তাকে পীতবর্ণ দেখতে পাও, এরপর তা খড়কুটা হয়ে যায়। আর পরকালে আছে কঠিন শাস্তি এবং আল্লাহঞ্জির ক্ষমা ও

Know that the life of this world is only play and amusement, pomp and mutual boasting among you, and rivalry in respect of wealth and children, as the likeness of vegetation after rain, thereof the growth is pleasing to the tiller; afterwards it dries up and you see it turning yellow; then it becomes straw. But in the Hereafter (there

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह अल्लाह वड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

is) a severe torment (for the disbelievers, evil-doers), and (there is)

Forgiveness from Allah and (His) Good Pleasure (for the believers, good-doers), whereas the life of this world is only a deceiving enjoyment.

- - O ( )

### Saariooooo-Run fast towards Forgivance.

- O •

Al-Anfaal (8:24)



يَّأَيُّهَا ٱلذِينَ ءَامَنُوا ٱسْتَجِيبُوا لِلهِ وَلِلرَّسُولِ إِذَا دَعَاكُمْ لِمَا يُحْيِيكُمْ وَٱعْلَمُوا أَنَّ ٱللهَ يَحُولُ بَيْنَ اللهَ يَحُولُ بَيْنَ اللهَ يَحُولُ بَيْنَ اللهَ رَحُولُ بَيْنَ اللهَ رَحُولُ بَيْنَ اللهَ مَوْقُلْبِهِ وَقُلْبِهِ وَقُلْبِهِ وَأَنَّهُۥ ٓ إِلَيْهِ تُحْشَرُونَ

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

અય ઇમાન લાવનારાઓ ! અલ્લાહ અને રસૂલને જવાબ આપો જ્યારે તમને એવી ચીઝ તરફ બોલાવે છે કે જે તમને ઝિંદગી આપે છે અને જાણી લો કે અલ્લાહ ઇન્સાન અને તેના દિલના વચ્ચે હાએલ (આડ) છે, અને એ કે તમે સર્વે તેની તરફ મહેશૂર કરવામાં આવશો.

ऐ ईमान लानेवाले! अल्लाह और रसूल की बात मानो, जब वह तुम्हें उस चीज़ की ओर बुलाए जो तुम्हें जीवन प्रदान करनेवाली है, और जान रखो कि अल्लाह आदमी और उसके दिल के बीच आड़े आ जाता है और यह कि वही है जिसकी ओर (पलटकर) तुम एकत्र होगे

হে ঈমানদারগণ, আল্লাহ ও তাঁর রসূলের নির্দেশ মান্য কর, যখন তোমাদের সে কাজের প্রতি আহবান করা হয়, যাতে রয়েছে তোমাদের জীবন। জেনে রেখো, আল্লাহ মানুষের এবং তার অন্তরের মাঝে অন্তরায় হয়ে যান। বস্তুতঃ তোমরা সবাই তাঁরই নিকট সমবেত হবে।

O you who believe! Answer Allah (by obeying Him) and (His)

<u> Al-Bagara (2:268)</u>

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार क्पा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह अल्लाह वड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures needs, All-Knower.

Messenger when he (SAW) calls you to that which will give you life, and know that Allah comes in between a person and his heart (i.e. He prevents an evil person to decide anything). And verily to Him you shall (all) be gathered.

Al-Anfaal (8:25)



وَٱتقُوا ْ فِتْنَةً لَا تُصِيبَنَ ٱلذِينَ ظَلَمُوا ْ مِنكُمْ خَآصَةً وَٱعْلَمُوٓا ۚ أَنَّ ٱللّٰهَ شَدِيدُ ٱلْعِقَابِ

અને તે ફિત્ના (ગુનાહની અસરો)થી બચતા રહો કે જે ફકત ઝુલમગારો સુધી નહી પહોંચે (બલ્કે બધાને ઘેરી લેશે), અને એ જાણી લો કે બેશક અલ્લાહ સખ્ત અઝાબ કરનાર છે.

बचो उस फ़ितने से जो अपनी लपेट में विशेष रूप से केवल अत्याचारियों को ही नहीं लेगा, जान लो अल्लाह कठोर दंड देनेवाला है

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures needs, All-Knower.

আর তোমরা এমন ফাসাদ থেকে বেঁচে থাক যা বিশেষতঃ শুধু তাদের উপর পতিত হবে না যারা তোমাদের মধ্যে জালেম এবং জেনে রেখ যে, আল্লাহঞ্জর আয়াব অত্যন্ত কঠোর।

And fear the Fitnah (affliction and trial, etc.) which affects not in particular (only) those of you who do wrong (but it may afflict all the good and the bad people), and know that Allah is Severe in punishment.

O •

Al-Kahf (18:28)



وَٱصْبِرْ نَقْسَكَ مَعَ ٱلذِينَ يَدْعُونَ رَبِّهُم بِٱلْعَدَوٰةِ
وَٱلْعَشِىِّ يُرِيدُونَ وَجْهَهُۥ وَلَا تَعْدُ عَيْنَاكَ عَنْهُمْ تُرِيدُ
زِينَةَ ٱلْحَيَوٰةِ ٱلدُنْيَا وَلَا تُطِعْ مَنْ أَغْقَلْنَا قُلْبَهُۥ عَن
ذِكُرِنَا وَٱتّبَعَ هَوَلَهُ وَكَانَ أَمْرُهُۥ قُرُطًا

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बडी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures needs, All-Knower.

**جَلا**هُ الله

અને તે લોકોનો સાથ આપ કે જેઓ સવાર સાંજ પોતાના પરવરિદગારને પોકારે છે, અને તે (અલ્લાહ)ની જ ખુશીના તલબગાર છે, અને દુનિયાની ઝિંદગીની ઝીનતના તલબગાર બની તેઓથી તારી નજર ફેરવી ન લેજે, અને તે શખ્સની ઇતાઅત ન કર કે જેના દિલને અમે અમારી યાદથી ગાફિલ બનાવી દીધું છે અને જે પોતાની ખ્વાહીશાતોની તાબેદારી કરે છે અને જેનું કામ હદ ઓળંગી જવાનુ છે.

**۱** 

अपने आपको उन लोगों के साथ थाम रखो, जो प्रातःकाल और सायंकाल अपने रब को उसकी प्रसन्नता चाहते हुए पुकारते हैं और सांसारिक जीवन की शोभा की चाह में तुम्हारी आँखें उनसे न फिरें। और ऐसे व्यक्ति की बात न मानना जिसके दिल को हम्या के अपनी याद से ग़ाफ़िल पाया है और वह अपनी इच्छा और वासना के पीछे लगा हुआ है और उसका मामला हद से आगे बढ़ गया है

**₹**الله

আপনি নিজেকে তাদের সংসর্গে আবদ্ধ রাখুন যারা সকাল ও সন্ধ্যায় তাদের পালনকর্তাকে তাঁর সন্তুষ্টি অর্জনের উদ্দেশ্যে আহবান করে এবং

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह अल्लाह वड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures needs, All-Knower.

আপনি পার্থিব জীবনের সৌন্দর্য কামনা করে তাদের থেকে নিজের দৃষ্টি ফিরিয়ে নেবেন না। যার মনকে আমার স্ক্র স্মরণ থেকে গাফেল করে দিয়েছি, যে, নিজের প্রবৃত্তির অনুসরণ করে এবং যার কার্য কলাপ হচ্ছে সীমা অতিক্রম করা, আপনি তার অনুগত্য করবেন না।

And keep yourself (O Muhammad SAW) patiently with those who call on their Lord (i.e. your companions who remember their Lord with glorification, praising in prayers, etc., and other righteous deeds, etc.) morning and afternoon, seeking His Face, and let not your eyes overlook them, desiring the pomp and glitter of the life of the world; and obey not him whose heart Wedles have made heedless of Our Remembrance, one who follows his own lusts and whose affair (deeds) has been lost.

O ( )

Al-Hadid (57:21)



शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह अल्लाह वडी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures needs, All-Knower.

سَابِقُوٓا إِلَىٰ مَعْفِرَةٍ مِّن رَبَّكُمْ وَجَنَةٍ عَرْضُهَا كَعَرْضِ السَّمَاءِ وَٱللَّهِ وَرُسُلِهِ۔ السَّمَاءِ وَٱللَّهِ وَرُسُلِهِ۔ دُلِكَ فَضْلُ اللهِ يُؤْتِيهِ مَن يَشَاءُ وَٱللهُ دُو ٱلفَضْلِ الْعَظِيمِ

તમે તમારા પરવરિદગારની મગફેરત અને તે જન્નત તરફ પહેલ કરો જેની વિશાળતા ઝમીન અને આસમાનની બરાબર છે અને જેને તે લોકો માટે બનાવી છે કે જેઓ અલ્લાહ અને રસૂલ પર ઇમાન લાવ્યા, આ અલ્લાહ નો ફઝલ છે તે જેને ચાહે છે આપે છે અને અલ્લાહ અઝીમ ફઝલનો માલિક છે.

अपने रब की क्षमा और उस जन्नत की ओर अग्रसर होने में एक-दूसरे से बाज़ी ले जाओ, जिसका विस्तार आकाश और धरती के विस्तार जैसा है, जो उन लोगों के लिए तैयार की गई है जो अल्लाह और उसके रसूलों पर ईमान लाए हों। यह अल्लाह का उदार अनुग्रह है, जिसे चाहता है प्रदान करता है। अल्लाह बड़े उदार अनुग्रह का मालिक है

তোমরা অগ্রে ধাবিত হও তোমাদের পালনকর্তার ক্ষমা ও সেই জান্নাতের

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures needs, All-Knower.

দিকে, যা আকাশ ও পৃথিবীর মত প্রশস্ত। এটা প্রস্তুত করা হয়েছে আল্লাহ ্রু ও তাঁর রসূলগণের প্রতি বিশ্বাসস্থাপনকারীদের জন্যে। এটা আল্লাহ ্রুর কৃপা, তিনি যাকে ইচ্ছা, এটা দান করেন। আল্লাহ ্রু মহান কৃপার অধিকারী।

Race one with another in hastening towards Forgiveness from your Lord (Allah ), and towards Paradise, the width whereof is as the width of heaven and earth, prepared for those who believe in Allah and His Messengers. That is the Grace of Allah which He bestows on whom He pleases. And Allah is the Owner of Great Bounty.

O •

Al-Israa (17:57)



أُولَٰئِكَ ٱلذِينَ يَدْعُونَ يَبْتَغُونَ إِلَى ٰ رَبِّهِمُ ٱلْوَسِيلَةَ لَيُهُمْ أَلْوَسِيلَةَ أَيُهُمْ أَقْرَبُ وَيَرْجُونَ رَحْمَتَهُۥ وَيَخَاقُونَ عَدَابَهُۥٓ إِنَّ

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है।

अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.);

whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and

Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures needs,

All-Knower.

# عَدَابَ رَبِّكَ كَانَ مَحْدُورًا

તેઓ જે (માઅબૂદો)ને પોકારે છે તેઓ પોતે તેમના પરવરદિગાર સુધી પહોંચવા માટે વસીલો\* શોધે છે, એવો વસીલો કે જે વધુ નઝદીક હોય, અને તેની રહેમતની ઉમ્મીદ રાખે છે અને તેના અઝાબથી ડરે છે કારણકે તારા પરવરદિગારનો અઝાબ ડરવા જેવો છે.

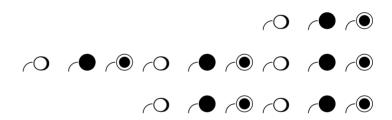
जिनको ये लोग पुकारते है वे तो स्वयं अपने रब का सामीप्य ढूँढते है कि कौन उनमें से सबसे अधिक निकटता प्राप्त कर ले। और वे उसकी दयालुता की आशा रखते है और उसकी यातना से डरते रहते है। तुम्हारे रब की यातना तो है ही डरने की चीज़!

যাদেরকে তারা আহবান করে, তারা নিজেরাই তো তাদের পালনকর্তার নৈকট্য লাভের জন্য মধ্যস্থ তালাশ করে যে, তাদের মধ্যে কে নৈকট্যশীল। তারা তাঁর রহমতের আশা করে এবং তাঁর শাস্তিকে ভয় করে। নিশ্চয় আপনার পালনকর্তার শাস্তি ভয়াবহ।

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures needs, All-Knower.

Those whom they call upon [like 'lesa (Jesus) - son of Maryam (Mary), 'Uzair (Ezra), angel, etc.] desire (for themselves) means of access to their Lord (Allah), as to which of them should be the nearest and they ['lesa (Jesus), 'Uzair (Ezra), angels, etc.] hope for His Mercy and fear His Torment. Verily, the Torment of your Lord is something to be afraid of!



### **Zuyyina\_Worldly Life is made Attractive**

Aal-i-Imraan (3:14)



رُبِّنَ لِلنَّاسِ حُبُ ٱلشَّهَوَاتِ مِنَ ٱلنِّسَآءِ وَٱلْبَنِينَ

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह अल्लाह वड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs,

وَٱلقَنَّطِيرِ ٱلمُقَنَظَرَةِ مِنَ ٱلدَّهَبِ وَٱلفِضَةِ وَٱلخَيْلِ ٱلمُسَوَّمَةِ وَٱلأَنْعُمِ وَٱلحَرْثِ دَٰلِكَ مَتَّعُ ٱلحَيَواةِ ٱلدُّنْيَا وَٱللهُ عِندَهُۥ حُسْنُ ٱلمَ-ًابِ

ઔરતો અને બાળકો તથા સોના ચાંદીનો ભેગો કરેલો ખજાનો, ચૂંટેલા ઘોડા, ઢોરઢાંખર અને ખેતીવાડીની ઈચ્છાઓ લોકોની નજરમાં સુશોભિત બનાવી દેવામાં આવી છે; (જો કે) આ વસ્તુઓ દુનિયાવી ઝિંદગીના સાધનો છે, અને (જીવનનો) બહેતરીન અંજામ તો અલ્લાહ #ની જ પાસે છે.

मनुष्यों को चाहत की चीजों से प्रेम शोभायमान प्रतीत होता है कि वे स्त्रिमयाँ, बेटे, सोने-चाँदी के ढेर और निशान लगे (चुने हुए) घोड़े हैं और चौपाए और खेती। यह सब सांसारिक जीवन की सामग्री है और अल्लाह के पास ही अच्छा ठिकाना है

মানবকূলকে মোহগ্রস্ত করেছে নারী, সন্তান-সন্ততি, রাশিকৃত স্বর্ণ-রৌপ্য, চিহ্নিত অশ্ব, গবাদি পশুরাজি এবং ক্ষেত-খামারের মত আকর্ষণীয় বস্তুসামগ্রী। এসবই হচ্ছে পার্থিব জীবনের ভোগ্য বস্তু। আল্লাহ∰র নিকটই

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है।
अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures needs, All-Knower.

হলো উত্তম আশ্রয়।

Beautified for men is the love of things they covet; women, children, much of gold and silver (wealth), branded beautiful horses, cattle and well-tilled land. This is the pleasure of the present world's life; but Allah has the excellent return (Paradise with flowing rivers, etc.) with Him.

O •

Al-Baqara (2:212)



رُيِّنَ لِلذِينَ كَفَرُوا ٱلْحَيَواةُ ٱلدُّنْيَا وَيَسْخَرُونَ مِنَ الْذِينَ ءَامَنُوا وَٱلذِينَ اتَقُوا فُوْقُهُمْ يَوْمَ ٱلقِيلْمَةِ وَٱللهُ يَرْرُقُ مَن يَشَآءُ بِغَيْرِ حِسَابٍ

દુનિયાની ઝિંદગી નાસ્તિકો માટે સુશોભીત બનાવવામાં આવી છે માટે તેઓ ઈમાન લાવનારાઓની મશ્કરી કરે છે; જો કે પરહેઝગારોનો દરજ્જો કયામતમાં તેઓ

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार क्पा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह अल्लाह वड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures needs, All-Knower.

કરતા ઘણો બલંદ હશે અને અલ્લાહ એક જેને ચાહે છે તેને બે હિસાબ રોજી અતા કરે છે.

इनकार करनेवाले सांसारिक जीवन पर रीझे हुए है और ईमानवालों का उपहास करते है, जबिक जो लोग अल्लाह का डर रखते है, वे क़ियामत के दिन उनसे ऊपर होंगे। अल्लाह जिस चाहता है बेहिसाब देता है

পার্থিব জীবনের উপর কাফেরদিগকে উম্মত্ত করে দেয়া হয়েছে। আর তারা ঈমানদারদের প্রতি লক্ষ্য করে হাসাহাসি করে। পক্ষান্তরে যারা পরহেযগার তারা সেই কাফেরদের তুলনায় কেয়ামতের দিন অত্যন্ত উচ্চমর্যাদায় থাকবে। আর আল্লাহ খাকে ইচ্ছা সীমাহীন রুযী দান

Beautified is the life of this world for those who disbelieve, and they mock at those who believe. But those who obey Allah's Orders and keep away from what He has forbidden, will be above them on the Day of Resurrection. And Allah gives (of His

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

Bounty, Blessings, Favours, Honours, etc. on the Day of Resurrection) to whom He wills without limit.

Muhammad (47:14)



أَفُمَن كَانَ عَلَى ٰ بَيِّنَةٍ مِّن رَبِّهِۦ كَمَن زُيِّنَ لَهُۥ سُوٓءُ عَمَلِهِۦ وَٱتّبَعُوٓا ۚ أَهْوَآءَهُم

તો શું જેની પાસે પરવરદિગાર તરફથી રોશન દલીલ મોજૂદ હોય તે તેના જેવો હોઇ શકે છે ? જેના માટે તેના બૂરા આમાલ સુશોભિત કરી દેવામાં આવ્યા હોય, અને પોતાની ખ્વાહીશાતોની તાબેદારી કરતો હોય?

तो क्या जो व्यक्ति अपने रब की ओर से एक स्पष्ट प्रमाण पर हो वह उन लोगों जैसा हो सकता है, जिन्हें उनका बुरा कर्म ही सुहाना लगता हो और वे अपनी इच्छाओं के पीछे ही चलने लग गए हो?

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

যে ব্যক্তি তার পালনকর্তার পক্ষ থেকে আগত নিদর্শন অনুসরণ করে, সে
কি তার সমান, যার কাছে তার মন্দ কর্ম শোভনীয় করা হয়েছে এবং যে
তার খেয়াল-খুশীর অনুসরণ করে।

Is he who is on a clear proof from his Lord, like those for whom their evil deeds that they do are beautified for them, while they follow their own lusts (evil desires)?

O •

Faatir (35:8)



أَفُمَن رُيِّنَ لَهُۥ سُوٓءُ عَمَلِهِۦ فَرَءَاهُ حَسَنًا فَإِنَّ ٱللهَ يُضِلُ مَن يَشَآءُ وَيَهْدِى مَن يَشَآءُ فَلَا تَذْهَبْ نَقْسُكَ عَلَيْهِمْ حَسَرَٰتٍ إِنَّ ٱللهَ عَلِيمٌ بِمَا يَصْنَعُون

શુ જેના ખરાબ કાર્યે સુશોભિત કરીને દેખાડવાના કારણે સારા જાણતો હોય (તે અલ્લાહે હિદાયત આપેલા જેવો થઇ શકે છે? ના) કારણકે અલ્લાહ જેને ચાહે

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बडी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures needs, All-Knower.

ગુમરાહ કરે અને જેને ચાહે હિદાયત આપે છે. માટે તમે અફસોસને લીધે તેની પાછળ તમારી જાન ન આપી દો, બેશક અલ્લાહ જે જે કાંઇ તેઓ કરે છે તેને જાણનાર છે.

फिर क्या वह व्यक्ति जिसके लिए उसका बुरा कर्म सुहाना बना दिया गया हो और वह उसे अच्छा दिख रहा हो (तो क्या वह बुराई को छोड़ेगा)? निश्चय ही अल्लाह जिसे चाहता है मार्ग से वंचित रखता है और जिसे चाहता है सीधा मार्ग दिखाता है। अतः उनपर अफ़सोस करते-करते तुम्हारी जान न जाती रहे। अल्लाह में भली-भाँति जानता है जो कुछ वे रच रहे है

যাকে মন্দকর্ম শোভনীয় করে দেখানো হয়, সে তাকে উত্তম মনে করে, সে
কি সমান যে মন্দকে মন্দ মনে করে। নিশ্চয় আল্লাহ যাকে ইচ্ছা
পথভ্রষ্ট করেন এবং যাকে ইচ্ছা সৎপথ প্রদর্শন করেন। সুতরাং আপনি
তাদের জন্যে অনুতাপ করে নিজেকে ধ্বংস করবেন না। নিশ্চয়ই
আল্লাহ জানেন তারা যা করে।

Is he, then, to whom the evil of his deeds made fairseeming, so

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह अल्लाह वड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures needs, All-Knower.

that he considers it as good (equal to one who is rightly guided)?

Verily, Allah sends astray whom He wills, and guides whom He wills. So destroy not yourself (O Muhammad SAW) in sorrow for them. Truly, Allah is the AllKnower of what they do!





Yunus (10:12)



وَإِدَا مَسَ ٱلْإِنسَٰنَ ٱلضُرُّ دَعَانا لِجَنبُهِۦٓ أَوْ قَاعِدًا أَوْ قَاعِدًا أَوْ قَاعِدًا أَوْ قَائِمًا فَلَمّا كَشَقْنَا عَنْهُ ضُرّهُۥ مَرّ كَأَن لَمْ يَدْعُنَآ إِلَىٰ ضُرّ مّسّهُۥ كَتْلِكَ رُبِّنَ لِلْمُسْرِفِينَ مَا كَاثُواْ يَعْمَلُونَ ضُرّ مّسّهُۥ كَتْلِكَ رُبِّنَ لِلْمُسْرِفِينَ مَا كَاثُواْ يَعْمَلُونَ

જ્યારે ઈન્સાન પર કોઇ મુસીબત આવી પડે છે ત્યારે અમને પડખાંભેર અથવા બેઠા બેઠા અથવા ઊભા ઊભા પોકારવા લાગે છે; પછી જ્યારે અમે કિ તેની મુસીબત દૂર કરી દઇએ છીએ ત્યારે એવી રીતે પસાર થઇ જાય છે જાણે કે તેણે પોતાના પર પડેલી મુસીબત દૂર કરવા માટે અમને પોકાર્યા જ ન હોય; આવી જ રીતે ઇસરાફ કરનારાઓ માટે તેઓ જે અમલ કર્યા કરે છે તે

All-Knower.

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs,

સુશોભિત બનાવી દેવામાં આવ્યા છે.

मनुष्य को जब कोई तकलीफ़ पहुँचती है, वह लेटे या बैठे या खड़े हमको पुकारने लग जाता है। किन्तु जब हमब्या उसकी तकलीफ़ उससे दूर कर देते है तो वह इस तरह चल देता है मानो कभी कोई तकलीफ़ पहुँचने पर उसने हमें पुकारा ही न था। इसी प्रकार मर्यादाहीन लोगों के लिए जो कुछ वे कर रहे है सुहावना बना दिया गया है

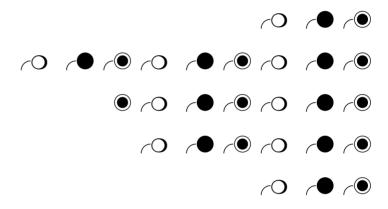
আর যখন মানুষ কষ্টের সম্মুখীন হয়, শুয়ে বসে, দাঁড়িয়ে আমাকে ডাকতে থাকে। তারপর আমিবা স্থিন তা থেকে মুক্ত করে দেই, সে কষ্ট যখন চলে যায় তখন মনে হয় কখনো কোন কষ্টেরই সম্মুখীন হয়ে যেন আমাকে ডাকেইনি। এমনিভাবে মনঃপুত হয়েছে নির্ভয় লোকদের যা তারা করেছে।

And when harm touches man, he invokes Us, lying down on his side, or sitting or standing. But when We have removed his harm from him, he passes on his way as if he had never invoked

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह अल्लाह वड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

Us for a harm that touched him! Thus it seems fair to the Musrifunthat which they used to do.



## Laa Tushrik!, Shirk, Hypocrisy, Nusub, Idolatry

An-Nisaa (4:48)



إِنَّ ٱللهَ لَا يَعْفِرُ أَن يُشْرَكَ بِهِۦ وَيَعْفِرُ مَا دُونَ دَٰلِكَ لِمَن يَشَآءُ وَمَن يُشْرِكْ بِٱللهِ فَقَدِ ٱقْتَرَى ۖ إِثْمًا عَظِيمًا

અલ્લાહ ાના સાથે કોઈને શરીક કરવામાં આવે તેને અલ્લાહ માફ કરતો નથી,

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बडी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures needs, All-Knower.

અને તે સિવાયના નાના ગુનાહ જેના ચાહે (ગુનાહ માફી લાયક જાણે) તેના (ગુનાહ) માફ કરી દે છે, અને જે અલ્લાહ િની સાથે બીજા કોઈને શરીક કરે છે ખરેજ તે ધણો મોટો ગુનોહ કરે છે.

अल्लाह इसके क्षमा नहीं करेगा कि उसका साझी ठहराया जाए। किन्तु उससे नीचे दर्जे के अपराध को जिसके लिए चाहेगा, क्षमा कर देगा और जिस किसी ने अल्लाह का साझी ठहराया, तो उसने एक बड़ा झूठ घड़ लिया

নিঃসন্দেহে আল্লাহ তাকে ক্ষমা করেন না, যে লোক তাঁর সাথে শরীক করে। তিনি ক্ষিক্ষমা করেন এর নিম্ন পর্যায়ের পাপ, যার জন্য তিনি ক্ষি ইচ্ছা করেন। আর যে লোক অংশীদার সাব্যস্ত করল আল্লাহ ক্ষর সাথে, সে যেন অপবাদ আরোপ করল।

Verily, Allah forgives not that partners should be set up with him in worship, but He forgives except that (anything else) to whom He pleases, and whoever sets up partners with Allah in worship, he has indeed invented a tremendous sin.

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार क्पा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

An-Nisaa (4:116)



إِنَّ ٱللهَ لَا يَعْفِرُ أَن يُشْرَكَ بِهِۦ وَيَعْفِرُ مَا دُونَ دَٰلِكَ لِمَن يَشَآءُ وَمَن يُشْرِكْ بِٱللهِ فَقَدْ ضَلَّ ضَلَّتُا بَعِيدًا

બેશક અલ્લાહ તેની સાથે કોઈને શરીક કરવાનો ગુનોહ હરગિઝ માફ નહી કરે અને એ સિવાયના ગુનાહ જેના ચાહશે તેને માફ કરી દેશે; અને જેણે અલ્લાહ ની ઝાતમાં શિર્ક કર્યું, તે ખરે જ ગુમરાહીમાં ઘણો દૂર ભટકી ગયો છે.

निस्संदेह अल्लाह-{ इस चीज़ को क्षमा नहीं करेगा कि उसके साथ किसी को शामिल किया जाए। हाँ, इससे नीचे दर्जे के अपराध को, जिसके लिए चाहेगा, क्षमा कर देगा। जो अल्लाह के साथ किसी को साझी ठहराता है, तो वह भटककर बहुत दूर जा पड़ा

নিশ্চয় আল্লাহ্ তাকে ক্ষমা করেন না, যে তাঁর সাথে কাউকে শরীক

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बडी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures needs, All-Knower.

করে। এছাড়া যাকে ইচ্ছা,ক্ষমা করেন। যে আল্লাহঞ্জর সাথে শরীক করে সে সুদূর ভ্রান্তিতে পতিত হয়।

Verily! Allah forgives not (the sin of) setting up partners in worship with Him, but He forgives whom he pleases sins other than that, and whoever sets up partners in worship with Allah, has indeed strayed far away.





Luqman (31:30)



َّذَلِكَ بِأَنَّ ٱللهَ هُوَ ٱلحَقُّ وَأَنَّ مَا يَدْعُونَ مِن دُونِهِ ٱلبِّطِلُ وَأَنَّ ٱللهَ هُوَ ٱلْعَلِىُ ٱلْكَبِيرُ

આ એ માટે છે (કે જાણી લો) કે અલ્લાહ હિંહ હક છે અને તેના સિવાય જેને તેઓ (ખુદા તરીકે) પોકારે છે તે બાતિલ છે અને અલ્લાહ બહાંદ અને મહાન છે.

All-Knower.

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है।

अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.);

whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs,

यह सब कुछ इस कारण से है कि अल्लाह ही सत्य है और यह कि उसे छोड़कर जिनको वे पुकारते है, वे असत्य है। और यह कि अल्लाह ही सर्वोच्च, महान है

এটাই প্রমাণ যে, আল্লাহঞ্চ-ই সত্য এবং আল্লাহঞ্চ ব্যতীত তারা যাদের পূজা করে সব মিথ্যা। আল্লাহঞ্চ সর্বোচ্চ, মহান।

That is because Allah, He is the Truth, and that which they invoke besides Him is Al-Batil (falsehood, Satan and all other false deities), and that Allah, He is the Most High, the Most Great.

O •

Al-Hadid (57:8)



وَمَا لَكُمْ لَا تُؤْمِنُونَ بِٱللهِ وَٱلرّسُولُ يَدْعُوكُمْ لِتُؤْمِنُوا ۚ بِرَبِّكُمْ وَقَدْ أَخَدَ مِيثَٰقَكُمْ إِن كُنتُم مُؤْمِنِينَ

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

અને તમોને શું થઇ ગયું છે કે તમે અલ્લાહ પર ઇમાન નથી લાવતા. જો કે રસૂલ તમને દાવત આપે છે કે તમારા પાલનહાર પર ઇમાન લાવો અને અલ્લાહે તમારાથી તેનું વચન પણ લીધું છે અગર તમે માનવાવાળા છો.

तुम्हें क्या हो गया है कि तुम अल्लाह पर ईमान नहीं लाते; जबिक रसूल तुम्हें निमंत्रण दे रहा है कि तुम अपने रब पर ईमान लाओ और वह तुमसे दृढ़ वचन भी ले चुका है, यदि तुम मोमिन हो

তোমাদের কি হল যে, তোমরা আল্লাহৠর প্রতি বিশ্বাস স্থাপন করছ না,
অথচ রসূল তোমাদেরকে তোমাদের পালনকর্তার প্রতি বিশ্বাস স্থাপন
করার দাওয়াত দিচ্ছেন? আল্লাহৠ তো পূর্বেই তোমাদের অঙ্গীকার
নিয়েছেন-যদি তোমরা বিশ্বাসী হও।

And what is the matter with you that you believe not in Allah!

While the Messenger (Muhammad SAW) invites you to believe in your Lord (Allah!), and He (Allah!) has indeed taken your

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

covenant, if you are real believers.

Al-Ahqaf (46:5)



وَمَنْ أَضَلُ مِمَّن يَدْعُواْ مِن دُونِ ٱللهِ مَن لَا يَسْتَجِيبُ لَهُۥٓ إِلَىٰ يَوْمِ ٱلقِيلْمَةِ وَهُمْ عَن دُعَالَهِمْ عَفِلُونَ

અને તેના કરતાં વધારે ગુમરાહ કોણ છે કે જે અલ્લાહ ાને છોડી એવાઓને પોકારે છે જે કયામત સુધી તેમને જવાબ નહિં આપે, અને તેમના પોકારવાથી ગાફિલ છે.

आख़िर उस व्यक्ति से बढ़कर पथभ्रष्ट और कौन होगा, जो अल्लाह से हटकर उन्हें पुकारता हो जो क़ियामत के दिन तक उसकी पुकार को स्वीकार नहीं कर सकते, बल्कि वे तो उनकी पुकार से भी बेख़बर है;

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह अल्लाह वड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

যে ব্যক্তি আল্লাহৠর পরিবর্তে এমন বস্তুর পূজা করে, যে কেয়ামত পর্যন্তও তার ডাকে সাড়া দেবে না, তার চেয়ে অধিক পথভ্রষ্ট আর কে? তারা তো তাদের পুজা সম্পর্কেও বেখবর।

And who is more astray than one who calls (invokes) besides Allah, such as will not answer him till the Day of Resurrection, and who are (even) unaware of their calls (invocations) to them?

O •

Faatir (35:6)



إِنَّ ٱلشَّيْطُنَ لَكُمْ عَدُوٌ فَٱتَّخِذُوهُ عَدُوًّا إِتَّمَا يَدْعُوا ۚ حِرْبَهُۥ لِيَكُوثُوا مِنْ أَصْحَٰبِ ٱلسَّعِيرِ

બેશક શયતાન તમારો દુશ્મન છે બસ તમે તેને દુશ્મન રાખો, તે પોતાના સમૂહને બોલાવે છે કે તેઓ બાળનારી આગવાળા થઇ જાય.

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह अल्लाह वड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures needs, All-Knower.

निश्चय ही शैतान तुम्हारा शत्रु है। अतः तुम उसे शत्रु ही समझो। वह तो अपने गिरोह को केवल इसी लिए बुला रहा है कि वे दहकती आगवालों में सिम्मिलित हो जाएँ

শয়তান তোমাদের শত্রু; অতএব তাকে শত্রু রূপেই গ্রহণ কর। সে তার দলবলকে আহবান করে যেন তারা জাহান্নামী হয়।

Surely, Shaitan (Satan) is an enemy to you, so take (treat) him as an enemy. He only invites his Hizb (followers) that they may become the dwellers of the blazing Fire.

Al-Hajj (22:73)



يَّأَيُهَا ٱلنَّاسُ ضُرِبَ مَثَلُ قُٱسْتَمِعُواْ لَهُۥٓ إِنَّ ٱلذِينَ تَدْعُونَ مِن دُونِ ٱللهِ لَن يَخْلُقُواْ دُبَابًا وَلُو ٱجْتَمَعُواْ لَهُۥ وَإِن يَسْلُبْهُمُ ٱلدُّبَابُ شَىْـًا لَا يَسْتَنقِدُوهُ مِنْهُ

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs,

# ضَعُفَ ٱلطالِبُ وٱلمَطلوبُ

અય લોકો ! તમારા માટે એક દાખલો બયાન કરવામાં આવ્યો છે તે ઘ્યાનથી સાંભળી લ્યો; એમાં શક નથી કે જેમને તમે અલ્લાહ મા સિવાય પોકારો છો તેઓ બધા ભેગા મળીને હરગિઝ એક માખી પણ પેદા કરી શકતા નથી; અને જો તેમની પાસેથી માખી કંઇ વસ્તુ છીનવી લે તો પણ તેઓ તેની પાસેથી તે (વસ્તુ) છોડાવી શકતા નથી; માંગનાર અને જેમની પાસે માંગવામાં આવે છે તેઓ બંને કમજોર છે.

ऐ लोगों! एक मिसाल पेश की जाती है। उसे ध्यान से सुनो, अल्लाहॐ से हटकर तुम जिन्हें पुकारते हो वे एक मक्खी भी पैदा नहीं कर सकते। यद्यपि इसके लिए वे सब इकट्ठे हो जाएँ और यदि मक्खी उनसे कोई चीज़ छीन ले जाए तो उससे वे उसको छुड़ा भी नहीं सकते। बेबस और असहाय रहा चाहनेवाला भी (उपासक) और उसका अभीष्ट (उपास्य) भी

হে লোক সকল! একটি উপমা বর্ণনা করা হলো, অতএব তোমরা তা মনোযোগ দিয়ে শোন; তোমরা আল্লাহঞ্জর পরিবর্তে যাদের পূজা কর,

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures needs, All-Knower.

তারা কখনও একটি মাছি সৃষ্টি করতে পারবে না, যদিও তারা সকলে একত্রিত হয়। আর মাছি যদি তাদের কাছ থেকে কোন কিছু ছিনিয়ে নেয়, তবে তারা তার কাছ থেকে তা উদ্ধার করতে পারবে না, প্রার্থনাকারী ও যার কাছে প্রার্থনা করা হয়, উভয়েই শক্তিহীন।

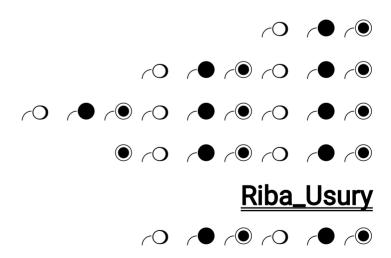
O mankind! A similitude has been coined, so listen to it (carefully):

Verily! Those on whom you call besides Allah, cannot create

(even) a fly, even though they combine together for the purpose.

And if the fly snatched away a thing from them, they would have
no power to release it from the fly. So weak are (both) the seeker

and the sought.



शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह अल्लाह वड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures needs, All-Knower.

Al-Baqara (2:276)



# يَمْحَقُ ٱللهُ ٱلرِّبَوا وَيُرْبِى ٱلصَّدَقَٰتِ وَٱللهُ لَا يُحِبُ كُلِّ كَقَارٍ أَثِيمٍ

અલ્લાહ વ્યાજને નાબૂદ કરી દે છે અને સદકાને વધારી દે છે; અને અલ્લાહ કોઈપણ નાશુક્રા ગુનેહગારને દોસ્ત રાખતો નથી.

अल्लाह ब्याज को घटाता और मिटाता है और सदक़ों को बढ़ाता है। और अल्लाह किसी अकृतज्ञ, हक़ मारनेवाले को पसन्द नहीं करता

আল্লাহ তা'আলা সুদকে নিশ্চিহ্ন করেন এবং দান খয়রাতকে বর্ধিত করেন। আল্লাহ পছন্দ করেন না কোন অবিশ্বাসী পাপীকে।

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह अल्लाह वड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

Allah will destroy Riba (usury) and will give increase for Sadaqat (deeds of charity, alms, etc.) And Allah likes not the disbelievers, sinners.

Al-Baqara (2:275)



ٱلذِينَ يَأْكُلُونَ ٱلرِّبُوا لَا يَقُومُونَ إِلَا كَمَا يَقُومُ ٱلذِي يَتَخَبَّطُهُ ٱلشَيْطُنُ مِنَ ٱلْمَسِ ذَلِكَ بِأَنَّهُمْ قَالُوَا إِنْمَا الْبَيْعُ مِثْلُ ٱلرِّبُوا وَأَحَلَ ٱللهُ ٱلْبَيْعَ وَحَرَّمَ ٱلرِّبُوا فَمَن عِظَةٌ مِن رَبِّهِ وَأَحَلَ ٱللهُ الْبَيْعَ وَحَرَّمَ ٱلرِّبُوا فَمَن عِظَةٌ مِن رَبِّهِ وَالْتَهَى فَلَهُ مَا سَلَفَ جَآءَهُ مَو وَأَمْرُهُ وَ إِلَى ٱللهِ وَمَن عَادَ فَأُولِلنَا أَصْحَبُ ٱلنّارِ هُمْ فِيهَا خَلِدُونَ فَيْهَا خَلِدُونَ

જે લોકો વ્યાજ ખાય છે તેઓ (કબરમાંથી નીકળી) ઊભા થશે નહિ પણ તેની જેમ કે જેને શેતાને અડકીને પાગલ કરી નાખ્યો હોય; આ (શિક્ષા) એ માટે કે તેઓ કહેતા હતા કે વેપારની મિસાલ વ્યાજ જેવી જ છે; જોકે અલ્લાહે

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

વેપારને હલાલ કર્યો છે અને વ્યાજ હરામ ઠરાવ્યો છે; અને જો કોઇ પાસે તેના વ્યા <del>મરવરદિગાર</del> તરફથી નસીહત આવી અને તે (વ્યાજ ખાતા) અટકી ગયો તો જે કાંઈ અગાઊ હાંસિલ કરેલ વ્યાજ તેના માટે (બક્ષી દેવામાં આવેલ) છે; અને તેનો મામલો અલ્લાહ <del>ૈ</del> ને હવાલે છે; અને જેઓ ફરીથી એ કામ અંજામ આપે, તો પછી તેઓ જહન્નમવાસી છે, જેમાં તેઓ હંમેશ ત્યાં રહેનાર છે.

और लोग ब्याज खाते हैं, वे बस इस प्रकार उठते हैं जिस प्रकार वह क्यक्ति उठता है जिसे शैतान ने छूकर बावला कर दिया हो और यह इसलिए कि उनका कहना है, "व्यापार भी तो ब्याज के सदृश है," जबिक अल्लाह में व्यापार को वैध और ब्याज को अवैध ठहराया है। अतः जिसको उसके रब की ओर से नसीहत पहुँची और वह बाज़ आ गया, तो जो कुछ पहले ले चुका वह उसी का रहा और मामला उसका अल्लाह के हवाले है। और जिसने फिर यही कर्म किया तो ऐसे ही लोग आग (जहन्नम) में पड़नेवाले है। उसमें वे सदैव रहेंगे

যারা সুদ খায়, তারা কিয়ামতে দন্ডায়মান হবে, যেভাবে দন্ডায়মান হয় ঐ ব্যক্তি, যাকে শয়তান আসর করে মোহাবিষ্ট করে দেয়। তাদের এ অবস্থার

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.);

whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs,

All-Knower.

কারণ এই যে, তারা বলেছেঃ ক্রয়-বিক্রয় ও তো সুদ নেয়ারই মত! অথচ আল্লা'হ তা'আলা ক্রয়-বিক্রয় বৈধ করেছেন এবং সুদ হারাম করেছেন। অতঃপর যার কাছে তার পালনকর্তার পক্ষ থেকে উপদেশ এসেছে এবং সে বিরত হয়েছে, পূর্বে যা হয়ে গেছে, তা তার। তার ব্যাপার আল্লাহ ক্রির নির্ভরশীল। আর যারা পুনরায় সুদ নেয়, তারাই দোযখে যাবে। তারা সেখানে চিরকাল অবস্থান করবে।

Those who eat Riba (usury) will not stand (on the Day of Resurrection) except like the standing of a person beaten by Shaitan (Satan) leading him to insanity. That is because they say:

"Trading is only like Riba (usury)," whereas Allah has permitted trading and forbidden Riba (usury). So whosoever receives an admonition from his Lord and stops eating Riba (usury) shall not be punished for the past; his case is for Allah (to judge); but whoever returns [to Riba (usury)], such are the dwellers of the Firethey will abide therein.



शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह अल्लाह वड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures needs, All-Knower.

# <u>Fawaahisha\_Zina\_Fornication,ExtraMaritals\_</u> Obscenities

Al-A'raaf (7:33)



قُلْ إِتَمَا حَرَّمَ رَبِّىَ ٱلْقَوَّحِشَ مَا ظَهَرَ مِنْهَا وَمَا بَطَنَ وَٱلْإِثْمَ وَٱلْبَعْىَ بِغَيْرِ ٱلْحَقِّ وَأَن تَشْرِكُوا بِٱللهِ مَا لَمْ يُنَزِّلْ بِهِۦ سُلُطنًا وَأَن تَقُولُوا عَلَى ٱللهِ مَا لَا يَعْلَمُونَ تَعْلَمُونَ

તું કહે કે મારા પરવરદિગારે બદકારીના કાર્યો કે જે ખુલ્લા હોય અથવા છુપા હોય તેને હરામ કર્યા છે તથા ગુનાહો અને નાહક ઝુલ્મ અને એ વાતને કે તમે

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बडी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures needs, All-Knower.

(કોઇને) અલ્લાહનો શરીક બનાવી લો કે જેના વિશે અલ્લાહે ક કોઇ દલીલ નાઝિલ ન કરી હોય, અને જાણ્યા વગર કોઇ વાતને અલ્લાહ તરફ નિસ્બત આપવી હરામ કરી છે.

कह दो, "मेरे रब ने केवल अश्लील कर्मों को हराम किया है - जो उनमें से प्रकट हो उन्हें भी और जो छिपे हो उन्हें भी - और हक़ मारना, नाहक़ ज़्यादती और इस बात को कि तुम अल्लाहॐ का साझीदार ठहराओ, जिसके लिए उसने कोई प्रमाण नहीं उतारा और इस बात को भी कि तुम अल्लाहॐ पर थोपकर ऐसी बात कहो जिसका तुम्हें ज्ञान न हो।"

আপনি বলে দিনঃ আমার পালনকর্তা কেবলমাত্র অশ্লীল বিষয়সমূহ হারাম করেছেন যা প্রকাশ্য ও অপ্রকাশ্য এবং হারাম করেছেন গোনাহ, অন্যায়-অত্যাচার আল্লাহঞ্জর সাথে এমন বস্তুকে অংশীদার করা, তিনি যার কোন, সনদ অবতীর্ণ করেননি এবং আল্লাহঞ্জর প্রতি এমন কথা আরোপ করা, যা তোমরা জান না।

Say (O Muhammad SAW): "(But) the things that my Lord has

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures needs, All-Knower.

indeed forbidden are Al-Fawahish (great evil sins, every kind of unlawful sexual intercourse, etc.) whether committed openly or secretly, sins (of all kinds), unrighteous oppression, joining partners (in worship) with Allah for which He has given no authority, and saying things about Allah of which you have no knowledge."

Al-An'aam (6:151)



قُلْ تَعَالُواْ أَتَلُ مَا حَرَّمَ رَبُكُمْ عَلَيْكُمْ أَلَا تُشْرِكُواْ بِهِ مَنْ إِمْلُقٍ شَيْـُا وَبِالُولِدَيْنِ إِحْسَنًا وَلَا تَقْتُلُواْ أُولُدَكُم مِّنْ إِمْلُقٍ تَحْنُ نَرْزُقُكُمْ وَإِيّاهُمْ وَلَا تَقْرَبُواْ الْفَوْحِشَ مَا ظَهَرَ اللّهُ النّوسَ وَلَا تَقْرَبُواْ الْفَوْحِشَ مَا ظَهَرَ اللّهُ إِلّا تَقْتُلُوا النّقْسَ الّتِي حَرَّمَ اللّهُ إِلّا مَنْهَا وَم بِالْحَقِ تَاكُمْ تَعْقِلُونَ اللّهُ وَصَلّهُم بِهِ لَعَلّهُمْ تَعْقِلُونَ اللّهُ اللّهُ وَصَلّهُم بِهِ لَعَلّهُمْ تَعْقِلُونَ

તું કહે કે આવો હું વાંચી સંભળાવું કે જે તમારા પરવરદિગારે તમારા પર હરામ

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

કર્યુ છે (તે આ) કે તમે કોઇને તેનો શરીક બનાવો નિહ, અને વાલેદૈન સાથે નેકી કરો, અને ગરીબાઇ(ના ડર)થી તમારી ઔલાદને મારી ન નાખો; અમે જ તમને રોજી આપીએ છીએ અને તેમને પણ; તેમજ બદકારી પાસે જાઓ નિહ, પછી તે ઝાહેરી હોય યા છૂપી, અને કોઇ નફસને કે જેનું મારી નાખવું, અલ્લાહે હિયા કર્યુ છે તેને તમે મારી ન નાખો, સિવાય કે તમને (કિસાસ વગેરેનો) હક હોય; આ છે કે જેની તેણે તમને નસીહત કરી છે જેથી તમે સમજો.

कह दो, "आओ, मैं तुम्हें सुनाऊँ कि तुम्हारे रब ने तुम्हारे ऊपर क्या पाबन्दियाँ लगाई है: यह कि किसी चीज़ को उसका साझीदार न ठहराओ और माँ-बाप के साथ सद्व्य वहार करो और निर्धनता के कारण अपनी सन्तान की हत्या न करो; हम तुम्हें भी रोज़ी देते है और उन्हें भी। और अशल्लील बातों के निकट न जाओ, चाहे वे खुली हुई हों या छिपी हुई हो। और किसी जीव की, जिसे अल्लाहॐ ने आदरणीय ठहराया है, हत्या न करो। यह और बात है कि हक़ के लिए ऐसा करना पड़े। ये बाते है, जिनकी ताकीद उसने तुम्हें की है, शायद कि तुम बुद्धि से काम लो।

আপনি বলুনঃ এস, আমি তোমাদেরকে ঐসব বিষয় পাঠ করে শুনাই,

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है।

अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures needs, All-Knower.

যেগুলো তোমাদের প্রতিপালক তোমাদের জন্যে হারাম করেছেন। তাএই যে, আল্লাহর সাথে কোন কিছুকে অংশীদার করো না, পিতা-মাতার সাথে সদয় ব্যবহার করো স্বীয় সন্তানদেরকে দারিদ্রে?480; কারণে হত্যা করো না, আমি তোমাদেরকে ও তাদেরকে আহার দেই, নির্লজ্জতার কাছেও যেয়ো না, প্রকাশ্য হোক কিংবা অপ্রকাশ্য, যাকে হত্যা করা আল্লাহঞ্জি হারাম করেছেন, তাকে হত্যা করো না; কিন্তু ন্যায়ভাবে। তোমাদেরকে এ নির্দেশ দিয়েছেন, যেন তোমরা বুঝ।

Say (O Muhammad SAW): "Come, I will recite what your Lord has prohibited you from: Join not anything in worship with Him; be good and dutiful to your parents; kill not your children because of poverty - We provide sustenance for you and for them; come not near to Al-Fawahish (shameful sins, illegal sexual intercourse, etc.) whether committed openly or secretly, and kill not anyone whom Allah has forbidden, except for a just cause (according to Islamic law). This He has commanded you that you may understand.

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह अल्लाह वड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

# <u>Alcohol, AlKhamr, wal Mysar, Gambling, Nusub, Id</u> <u>olatry</u>

An-Nisaa (4:117)



إِن يَدْعُونَ مِن دُونِهِۦٓ إِلآ إِتْثًا وَإِن يَدْعُونَ إِلَّا شَيْطْنًا مّريدًا

તેઓ અલ્લાહ એને મૂકી અને ફકત ઔરતો(ના બુતો)ની ઇબાદત કરે છે અને બળવાખોર શૈતાનોને પુકારે છે;

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

वे अल्लाह से हटकर बस कुछ देवियों को पुकारते है। और वे तो बस सरकश शैतान को पुकारते है;

তারা আল্লাহ∰কে পরিত্যাগ করে শুধু নারীর আরাধনা করে এবং শুধু অবাধ্য শয়তানের পূজা করে।

They (all those who worship others than Allah ) invoke nothing but female deities besides Him (Allah ), and they invoke nothing but Shaitan (Satan), a persistent rebel!

Yunus (10:66)



أَلْآ إِنَّ لِلَهِ مَن فِى ٱلسَّمَّوَٰتِ وَمَن فِى ٱلْأَرْضِ وَمَا يَتَبِعُ ٱلذِينَ يَدْعُونَ مِن دُونِ ٱللهِ شُرَكَآءَ إِن يَتَبِعُونَ إِلَّا ٱلظَّنَّ وَإِنْ هُمْ إِلَّا يَخْرُصُونَ

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

જાણી લો કે બેશક ! આકાશો તથા ઝમીનમાં જે કોઇ છે તે અલ્લાહ માટે છે; અને જેઓ અલ્લાહ સિવાય બીજાઓને શરીક તરીકે પૂકારે છે તેઓ પોતાના ગુમાન સિવાય બીજા કોઇની તાબેદારી કરતા નથી તેઓ ફકત ગુમાન જ કરે છે.

जान रखो! जो कोई भी आकाशों में है और जो कोई धरती में है, अल्लाह है ही का है। जो लोग अल्लाह को छोड़कर दूसरे साझीदारों को पुकारते है, वे आखिर किसका अनुसरण करते है? वे तो केवल अटकल पर चलते है और वे निरे अटकले दौड़ाते है

শুনছ, আসমানসমূহে ও যমীনে যা কিছু রয়েছে সবই আল্লাহঞ্জর। আর
এরা যারা আল্লাহঞ্জকে বাদ দিয়ে শরীকদের উপাসনার পেছনে পড়ে
আছে-তা আসলে কিছুই নয়। এরা নিজেরই কল্পনার পেছনে পড়ে
রয়েছে এবং এছাড়া আর কিছু নয় যে, এরা বুদ্ধি খাটাচ্ছে।

No doubt! Verily, to Allah belongs whosoever is in the heavens and whosoever is in the earth. And those who worship and invoke

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कार्मों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह अल्लाह वडी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

others besides Allah, in fact they follow not the (Allah 's so-called) partners, they follow only a conjecture and they only invent lies.

O •

Ar-Ra'd (13:14)

بس<u>االلهم</u> الرحيم

له؛ دَعْوَةُ ٱلحَقِّ وَٱلذِينَ يَدْعُونَ مِن دُونِهِۦ لَا يَسْتَجِيبُونَ لَهُم بِشَىْءٍ إِلَّا كَبْسِطِ كَقَيْهِ إِلَى ٱلْمَآءِ لِيَبْلُغَ فَاهُ وَمَا هُوَ بِبْلِغِهِۦ وَمَا دُعَآءُ ٱلكَفِرِينَ إِلَّا فِى ضَلَلٍ

**۱** 

દુઆ (કબૂલ કરવા)નો હક ફકત તેનો જ છે; અને જેઓ તેના સિવાય બીજાઓથી દુઆ માંગે છે તેઓ તેમને કાંઇજ જવાબ આપતા નથી પરંતુ તેઓ તેની જેમ છે કે જેણે પોતાના બન્ને હાથ (એવા હેતુથી) પાણી તરફ ફેલાવ્યા હોય કે તે પાણી તેના મોંઢામાં આવી જાય, પરંતુ તે પહોંચશે નહિ; અને નાસ્તિકોની

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

દુઆ નથી સિવાય ગુમરાહી.

उसी के लिए सच्ची पुकार है। उससे हटकर जिनको वे पुकारते है, वे उनकी पुकार का कुछ भी उत्तर नहीं देते। बस यह ऐसा ही होता है जैसे कोई अपने दोनों हाथ पानी की ओर इसलिए फैलाए कि वह उसके मुँह में पहुँच जाए, हालाँकि वह उसतक पहुँचनेवाला नहीं। कुफ़्र करनेवालों की पुकार तो बस भटकने ही के लिए होती है

সত্যের আহবান একমাত্র তাঁরইআা এবং তাকে ছাড়া যাদেরকে ডাকে, তারা তাদের কোন কাজে আসে না; ওদের দৃষ্টান্ত সেরূপ, যেমন কেউ দু' হাত পানির দিকে প্রসারিত করে যাতে পানি তার মুখে পোঁছে যায়। অথচ পানি কোন সময় পোঁছাবে না। কাফেরদের যত আহবান তার সবই

For Him (Alone) is the Word of Truth (i.e. none has the right to be worshipped but He). And those whom they (polytheists and disbelievers) invoke, answer them no more than one who stretches

## Al-Baqara (2:268) शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

forth his hand (at the edge of a deep well) for water to reach his mouth, but it reaches him not, and the invocation of the disbelievers is nothing but an error (i.e. of no use).

			$C \setminus$	
			C	
			C	
O C			C	
	<ul><li>CO</li></ul>		C	
	$\sim$ O		C	
			C	

# <u>Consequences of Takaasur</u> <u>Infanticide,Abortion,Foeticide,BhroonaHatya</u>

$\mathcal{O}$	

Al-An'aam (6:137)



وَكَدَّلِكَ زَيَّنَ لِكَثِيرٍ مِّنَ ٱلْمُشْرِكِينَ قَتْلَ أَوْلَدِهِمْ

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह अल्लाह वड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures needs, All-Knower.

شُرَكَآوُهُمْ لِيُرْدُوهُمْ وَلِيَلْبِسُوا عَلَيْهِمْ دِينَهُمْ وَلَوْ شَآءَ ٱللهُ مَا فَعَلُوهُ فَدَرْهُمْ وَمَا يَقْتَرُونَ

અને એવી રીતે મુશરિકોમાંથી ઘણા ખરાઓની નજરમાં તેઓના શરીકોએ ઔલાદને કત્લ કરવું સુશોભિત બનાવ્યું છે. જેના પરિણામે તેઓ હલાકતમાં પડી ગયા અને તેઓનો દીન તેઓ માટે શંકાશીલ બની ગયો અને અગર અલ્લાહ ચાહતે તો તેઓ આ મુજબ કરતે નહિ, માટે તું તેમને તેમની ઉપજાવી કાઢેલી વાતોમાં પડ્યા રહેવા દે.

इसी प्रकार बहुत-से बहुदेववादियों के लिए उनके लिए साझीदारों ने उनकी अपनी सन्तान की हत्या को सुहाना बना दिया है, तािक उन्हें विनष्ट कर दें और उनके लिए उनके धर्म को संदिग्ध बना दें। यदि अल्लाह चाहता तो वे ऐसा न करते; तो छोड़ दो उन्हें और उनके झूठ घड़ने को

এমনিভাবে অনেক মুশরেকের দৃষ্টিতে তাদের উপাস্যরা সন্তান হত্যাকে সুশোভিত করে দিয়েছে যেন তারা তাদেরকে বিনষ্ট করে দেয় এবং তাদের ধর্মমতকে তাদের কাছে বিভ্রান্ত করে দেয়। যদি আল্লাহ

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है।
अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

চাইতেন, তবে তারা এ কাজ করত না। অতএব, আপনি তাদেরকে এবং তাদের মনগড়া বুলিকে পরিত্যাগ করুন।

And so to many of the Mushrikun (polytheists - see V. 2:105) their (Allah's so-called) "partners" have made fair-seeming the killing of their children, in order to lead them to their own destruction and cause confusion in their religion. And if Allah had willed they would not have done so. So leave them alone with their fabrications.

O • •

 $\bigcirc$   $\bigcirc$ 

Al-An'aam (6:140)



قَدْ خَسِرَ ٱلذِينَ قَتَلُوٓا أُوْلدَهُمْ سَفَهًا بِغَيْرِ عِلمٍ وَحَرّمُوا مَا رَزَقَهُمُ ٱللهُ ٱقْتِرَآءً عَلَى ٱللهِ قَدْ ضَلُوا وَمَا كَاثُوا مُهْتَدِينَ

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बडी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures needs, All-Knower.

બેશક જેઓ જાણ્યા કર્યા વિના મૂર્ખાઇથી પોતાની ઔલાદને કત્લ કરી નાખે છે અને જે કાંઇ રોઝી અલ્લાહે તેમને આપી છે તે અલ્લાહ ઉપર તોહમત મૂકી હરામ કરે છે તેઓએ પોતાનું નુકસાન કર્યું છે; તેઓ ખરે જ ગુમરાહ થઇ ગયા છે અને હિદાયત પામેલા રહ્યા નથી.

वे लोग कुछ जाने-बूझे बिना घाटे में रहे, जिन्होंने मूर्खता के कारण अपनी सन्तान की हत्या की और जो कुछ अल्लाह ने उन्हें प्रदान किया था, उसे अल्लाह पर झूठ घड़कर हराम ठहरा दिया। वास्तव में वे भटक गए और वे सीधा मार्ग पानेवाले न हुए

নিশ্চয় তারা ক্ষতিগ্রস্ত হয়েছে, যারা নিজ সন্তানদেরকে নির্বুদ্ধিতাবশতঃ কোন প্রমাণ ছাড়াই হত্যা করেছে এবং আল্লাহ তাদেরকে যেসব দিয়েছিলেন, সেগুলোকে আল্লাহ করে প্রতি ভ্রান্ত ধারণা পোষণ করে হারাম করে নিয়েছে। নিশ্চিতই তারা পথভ্রষ্ট হয়েছে এবং সুপথগামী হয়নি।

Indeed lost are they who have killed their children, from folly, without knowledge, and have forbidden that which Allah has

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह अल्लाह वडी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

provided for them, inventing a lie against Allah. They have indeed gone astray and were not guided.

- Herapheraa\_Calenders,Kalandhars,
  ManghadathPanchangaJantris,

### <u>etc.....</u>

At-Tawba (9:37)



إِتَمَا ٱلنّسِىٓءُ زِيَادَةٌ فِى ٱلكُفْرِ يُضَلُ بِهِ ٱلذِينَ كَفَرُوا يُحِلُونَهُۥ عَامًا وَيُحَرِّمُونَهُۥ عَامًا لِيُوَاطِـُوا عِدَّةَ مَا حَرَّمَ ٱللهُ فَيُحِلُوا مَا حَرَّمَ ٱللهُ رُيِّنَ لَهُمْ سُوٓءُ أَعْمَلِهِمْ وَٱللهُ لَا يَهْدِى ٱلقَوْمَ ٱلكَفِرِينَ

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

હુરમતવાળા મહિનાઓને મુલતવી (રાખી તેમાં ફેરફાર) કરવા એ કુફ્રમાં વધારો કરવા જેવું છે, નાસ્તિકો તેના વડે ગુમરાહ થાય છે એક વર્ષે તે (અમુક મહિનાઓ)ને હલાલ કરે છે અને બીજા વર્ષે તે (જ મહિનાઓ)ને હરામ કરે છે જેથી અલ્લાહે હિંહ હરામ કરેલ મહિનાઓની સંખ્યા બરાબર થઇ જાય જેથી અલ્લાહે હિંહ હરામ કરેલ મહિનાઓને હલાલ કરી શકે, તેઓના આમાલની બૂરાઇ સુશોભિત કરી દેખાડવામાં આવે છે; અને અલ્લાહ કિંહ નાસ્તિકોની હિંદાયત કરતો નથી.

(आदर के महीनों का) हटाना तो बस कुफ़्र में एक बृद्धि है, जिससे इनकार करनेवाले गुमराही में पड़ते है। किसी वर्ष वे उसे हलाल (वैध) ठहरा लेते है और किसी वर्ष उसको हराम ठहरा लेते है, तािक अल्लाह के आदृत (महीनों) की संख्या पूरी कर लें, और इस प्रकार अल्लाह के हराम किए हुए को वैध ठहरा ले। उनके अपने बुरे कर्म उनके लिए सुहाने हो गए है और अल्लाह इनकार करनेवाले लोगों को सीधा मार्ग नहीं दिखाता

এই মাস পিছিয়ে দেয়ার কাজ কেবল কুফরীর মাত্রা বৃদ্ধি করে, যার

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.);

whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures needs,

All-Knower.

ফলে কাফেরগণ গোমরাহীতে পতিত হয়। এরা হালাল করে নেয় একে এক বছর এবং হারাম করে নেয় অন্য বছর, যাতে তারা গণনা পূর্ণ করে নেয় আল্লাহঞ্জর নিষিদ্ধ মাসগুলোর। অতঃপর হালাল করে নেয় আল্লাহঞ্জর হারামকৃত মাসগুলোকে। তাদের মন্দকাজগুলো তাদের জন্যে শোভনীয় করে দেয়া হল। আর আল্লাহঞ্জ কাফের সম্প্রদায়কে হেদায়েত করেন না।

The postponing (of a Sacred Month) is indeed an addition to disbelief: thereby the disbelievers are led astray, for they make it lawful one year and forbid it another year in order to adjust the number of months forbidden by Allah, and make such forbidden ones lawful. The evil of their deeds seems pleasing to them. And Allah quides not the people, who disbelieve.

O • •

At-Takaathur (102:1)



शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures needs, All-Knower.

ألهَاكُمُ ٱلتّكاثرُ

માલ અને ઔલાદના વધારાની હરિફાઇએ તમને મશગૂલ દીધા છે.

तुम्हें एक-दूसरे के मुक़ाबले में बहुतायत के प्रदर्शन और घमंड ने ग़फ़लत में डाल रखा है,

প্রাচুর্যের লালসা তোমাদেরকে গাফেল রাখে,

The mutual rivalry for piling up of worldly things diverts you,

O • •

At-Takaathur (102:2)

بس<u>ارالله</u>م الرحمان

حَتَّىٰ رُرْتُمُ ٱلْمَقَابِرَ

એટલે સુધી કે તમે કબરોની મુલાકાત કરી.

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

यहाँ तक कि तुम क़ब्रिस्तानों में पहुँच गए

এমনকি, তোমরা কবরস্থানে পৌছে যাও।

Until you visit the graves (i.e. till you die).





At-Takaathur (102:3)



كلا سَوْفَ تَعْلَمُونَ

એવુ નથી (જેવુ તમે ધારો છો)! તમે જલ્દી જાણી લેશો:

कुछ नहीं, तुम शीघ्र ही जान लोगे

এটা কখনও উচিত নয়। তোমরা সত্ত্বরই জেনে নেবে।

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बडी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures needs, All-Knower.

Nay! You shall come to know!

At-Takaathur (102:5)



كلا لوْ تعْلمُونَ عِلْمَ ٱلْيَقِينِ

અગર તમને યકીની ઇલ્મ હાંસિલ થઇ જાય.

कुछ नहीं, अगर तुम विश्वसनीय ज्ञान के रूप में जान लो! (तो तुम धन-दौलत के पुजारी न बनो) -

কখনই নয়; যদি তোমরা নিশ্চিত জানতে।

Nay! If you knew with a sure knowledge (the end result of piling up, you would not have occupied yourselves in worldly things)

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs,

All-Knower.

At-Takaathur (102:6)



لتَرَوُنَّ ٱلجَحِيمَ

તો ખરેખર તમે જહન્નમને જરૂર નિહાળશો:

अवश्य ही तुम भड़कती आग से दो-चार होगे

তোমরা অবশ্যই জাহান্নাম দেখবে,

Verily, You shall see the blazing Fire (Hell)!

At-Takaathur (102:7)



शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार क्पा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures needs,

## ثُمّ لتَرَوْتُهَا عَيْنَ ٱلْيَقِينِ

પછી તમે તેને યકીનની આંખે જરૂર નિહાળશો:

फिर सुनो, उसे अवश्य देखोगे इस दशा में कि वह यथावत विश्वास होगा

অতঃপর তোমরা তা অবশ্যই দেখবে দিব্য প্রত্যয়ে.

And again, you shall see it with certainty of sight!

O • •

 $\bigcirc$   $\bigcirc$ 

At-Takaathur (102:8)



## ثمّ لتُسْ لُنّ يَوْمَئِذٍ عَنِ ٱلنّعِيمِ

પછી તે દિવસે તમારાથી નેઅમતોની બાબતે જરૂર સવાલ કરવામાં આવશે.

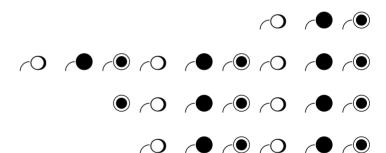
शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बडी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

फिर निश्चय ही उस दिन तुमसे नेमतों के बारे में पूछा जाएगा

এরপর অবশ্যই সেদিন তোমরা নেয়ামত সম্পর্কে জিজ্ঞাসিত হবে।

Then, on that Day, you shall be asked about the delight (you indulged in, in this world)!



## ZeenathudDunyaa, Attractive world.

Al-Kahf (18:7)



إِتَّا جَعَلْنَا مَا عَلَى ٱلأَرْضِ زِينَةً لَهَا لِنَبْلُوَهُمْ أَيُّهُمْ أَحْسَنُ عَمَلًا

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

ખરેખર અમોએ અમીન પર જે કાંઇ છે તેને સુશોભિત બનાવ્યું કે જેથી અમે તેઓને અજમાવીએ કે તેમનામાંથી સૌથી સારા કાર્ય કરનાર કોણ છે.

धरती पर जो कुछ है उसे तो हमने अ उसकी शोभा बनाई है, तािक हम उनकी परीक्षा लें कि उनमें कर्म की दृष्टि से कौन उत्तम है

আমি পৃথিবীস্থ সব কিছুকে পৃথিবীর জন্যে শোভা করেছি, যাতে লোকদের পরীক্ষা করি যে, তাদের মধ্যে কে ভাল কাজ করে।

Verily! We have made that which is on earth as an adornment for it, in order that We may test them (mankind) as to which of them are best in deeds. [i.e. those who do good deeds in the most perfect manner, that means to do them (deeds) totally for Allah sake and in accordance to the legal ways of the Prophet SAW].



शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

Al-Kahf (18:46)



ٱلمَالُ وَٱلبَنُونَ زِينَةُ ٱلحَيَواةِ ٱلدُنْيَا وَٱلبَّقِيَّتُ ٱلصَّلِحَتُ خَيْرٌ عَنِدَ رَبِّكَ تُوَابًا وَخَيْرٌ أَمَلًا

માલ અને અવલાદ દુનિયાવી જીવનની ઝીનત છે; અને હંમેશા બાકી રહેનાર સારા કાર્યો તારા પરવરદિગાર પાસે સવાબ રૂપે બહેતર છે, અને બહેતરીન ઉમ્મીદ આપનાર છે.

माल और बेटे तो केवल सांसारिक जीवन की शोभा है, जबिक बाक़ी रहनेवाली नेकियाँ ही तुम्हारे रब के यहाँ परिणाम की दृष्टि से भी उत्तम है और आशा की दृष्टि से भी वही उत्तम है

ধনৈশ্বর্য ও সন্তান-সন্ততি পার্থিব জীবনের সৌন্দর্য এবং স্থায়ী সৎকর্মসমূহ আপনার পালনকর্তার ্ঞ্জ কাছে প্রতিদান প্রাপ্তি ও আশা লাভের জন্যে উত্তম।

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

Wealth and children are the adornment of the life of this world. But the good righteous deeds (five compulsory prayers, deeds of Allah 's obedience, good and nice talk, remembrance of Allah with glorification, praises and thanks, etc.), that last, are better with your Lord for rewards and better in respect of hope.

O •

Al-Hadid (57:20)



أَعْلَمُوا أَتَمَا ٱلحَيَواةُ ٱلدُنْيَا لَعِبٌ وَلَهُو وَزِينَةٌ وَتَفَاخُرُ لَيَنْكُمْ وَتَكَاثُرُ فِى ٱلْأَمْوَلِ وَٱلْأُوْلَدِ كَمَثَلِ غَيْثِ لَيْنَكُمْ وَتَكَاثُرُ فِى ٱلْأَمْوَلِ وَٱلْأُوْلَدِ كَمَثَلِ غَيْثِ أَعْجَبَ ٱلكُقَارَ نَبَاتُهُ ثُمّ يَهِيجُ فُتَرَنَّهُ مُصْفَرًا ثُمّ يَكُونُ حُطَمًا وَفِى ٱلْءَاخِرَةِ عَدَابٌ شَدِيدٌ وَمَعْفِرَة يَكُونُ حُطَمًا وَفِى ٱلْءَاخِرَةِ عَدَابٌ شَدِيدٌ وَمَعْفِرَة مِنْ اللهِ وَرضُونُ وَمَا ٱلحَيَواةُ ٱلدُنْيَآ إِلَّا مَتَعُ ٱلْعُرُورِ مِنْ أَللهِ وَرضُونُ وَمَا ٱلحَيَواةُ ٱلدُنْيَآ إِلَا مَتَعُ ٱلعُرُورِ

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures needs, All-Knower.

જાણી લો કે દુનિયાનું જીવન ફકત એક રમત-ગમત, ઝીનત (શોભા) આપસમાં ફખ્ર કરવું અને માલ અને ઔલાદમાં વધારો કરવાની ચાહત છે, તેની મિસાલ વરસાદ જેવી છે કે જેની ઉપજ ખેડૂતને ખુશ કરી દે છે, અને ત્યારબાદ તે કરમાઇ જાય છે અને તું તેને પીળી પડી ગયેલી જૂએ છે, અને અંતમાં તે સૂક ઇને ખડ થઇ જાય છે; અને આખેરતમાં સખત અઝાબ છે અથવા મગફેરત અને અલ્લાહ ∰ની ખુશનુદી છે; અને દુનિયાનું જીવન છેતરામણી મૂડી સિવાય કશું જ નથી.

जान लो, सांसारिक जीवन तो बस एक खेल और तमाशा है और एक साज-सज्जा, और तुम्हारा आपस में एक-दूसरे पर बड़ाई जताना, और धन और सन्तान में परस्पर एक-दूसरे से बढ़ा हुआ प्रदर्शित करना। वर्षा का मिसाल की तरह जिसकी वनस्पति ने किसान का दिल मोह लिया। फिर वह पक जाती है; फिर तुम उसे देखते हो कि वह पीली हो गई। फिर वह चूर्ण-विचूर्ण होकर रह जाती है, जबकि आख़िरत में कठोर यातना भी है और अल्लाहॐ की क्षमा और प्रसन्नता भी। सांसारिक जीवन तो केवल धोखे की सुख-सामग्री है

তোমরা জেনে রাখ, পার্থিব জীবন ক্রীড়া-কৌতুক, সাজ-সজ্জা, পারস্পরিক

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह अल्लाह वडी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

অহমিকা এবং ধন ও জনের প্রাচুর্য ব্যতীত আর কিছু নয়, যেমন এক বৃষ্টির অবস্থা, যার সবুজ ফসল কৃষকদেরকে চমৎকৃত করে, এরপর তা শুকিয়ে যায়, ফলে তুমি তাকে পীতবর্ণ দেখতে পাও, এরপর তা খড়কুটা হয়ে যায়। আর পরকালে আছে কঠিন শাস্তি এবং আল্লাহঞ্জির ক্ষমা ও সন্তুষ্টি। পার্থিব জীবন প্রতারণার উপকরণ বৈ কিছু নয়।

Know that the life of this world is only play and amusement, pomp and mutual boasting among you, and rivalry in respect of wealth and children, as the likeness of vegetation after rain, thereof the growth is pleasing to the tiller; afterwards it dries up and you see it turning yellow; then it becomes straw. But in the Hereafter (there is) a severe torment (for the disbelievers, evil-doers), and (there is)

Forgiveness from Allah and (His) Good Pleasure (for the believers, good-doers), whereas the life of this world is only a deceiving enjoyment.

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार क्पा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures needs, All-Knower.

An-Naml (27:4)



إِنَّ ٱلذِينَ لَا يُؤْمِنُونَ بِٱلْءَاخِرَةِ زَيِّنَا لَهُمْ أَعْمَلُهُمْ فَهُمْ يَعْمَهُونَ

બેશક જેઓ આખેરત પર ઇમાન નથી રાખતા તેમના આમાલને અમોએ તેમના માટે શોભીતા કરી દીધા છે અને તેઓ તેમાં જ ભટકી રહ્યા છે.

रहे वे लोग जो आख़िरत को नहीं मानते, उनके लिए हमने उनकी करतूतों को शोभायमान बना दिया है। अतः वे भटकते फिरते है

যারা পরকালে বিশ্বাস করে না, আমি তাদের দৃষ্টিতে তাদের কর্মকান্ডকে সুশোভিত করে দিয়েছি। অতএব, তারা উদভ্রান্ত হয়ে ঘুরে বেড়ায়।

Verily, those who believe not in the Hereafter, We have made their deeds fair-seeming to them, so they wander about blindly.



शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

O •

Hud (11:15)



مَن كانَ يُرِيدُ ٱلْحَيَواٰةَ ٱلدُنْيَا وَزِينَتَهَا ثُوَفِّ إِلَيْهِمْ أَعْمَلُهُمْ فِيهَا وَهُمْ فِيهَا لَا يُبْخَسُونَ

જે કોઇ દુનિયાની ઝિંદગી અને તેની ઝીનત (ખૂબસુરતી)નો ચાહક હશે તેને અમે આ દુનિયામાં જ તેઓના આમાલનો પૂરેપૂરો બદલો આપીશું, અને તેમને તેમાં કાંઇપણ ઓછુ આપવામાં નહી આવે.

जो व्यक्ति सांसारिक जीवन और उसकी शोभा का इच्छुक हो तो ऐसे लोगों को उनके कर्मों का पूरा-पूरा बदला हम यहीं दे देते है और इसमें उनका कोई हक़ नहीं मारा जाता

যে ব্যক্তি পার্থিবজীবন ও তার চাকচিক্যই কামনা করে, হয় আমি তাদের
দুনিয়াতেই তাদের আমলের প্রতিফল ভোগ করিয়ে দেব এবং তাতে
তাদের প্রতি কিছুমাত্র কমতি করা হয় না।

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

Whosoever desires the life of the world and its glitter; to them We shall pay in full (the wages of) their deeds therein, and they will have no diminution therein.

Al-Qasas (28:60)



وَمَآ أُوتِيتُم مِّن شَىْءٍ فَمَتَٰعُ ٱلْحَيَوٰةِ ٱلدُّنْيَا وَزِينَتُهَا وَمَا عِندَ ٱللهِ خَيْرٌ وَأَبْقَى ٓ أَفُلَا تَعْقِلُونَ

અને તેમને જે કાંઇ પણ આપવામાં આવ્યું છે તે દુન્યવી જીવનની સામગ્રી અને શોભા છે અને જે કાંઇ પણ અલ્લાહ પાસે છે એ જ બહેતર અને બાકી રહેવાવાળું છે, શું તમે વિચારતા નથી ?

जो चीज़ भी तुम्हें प्रदान की गई है वह तो सांसारिक जीवन की सामग्री और उसकी शोभा है। और जो कुछ अल्लाह के पास है वह उत्तम और शेष

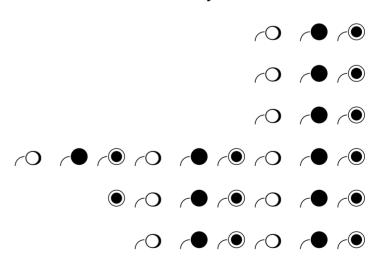
शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures needs, All-Knower.

रहनेवाला है, तो क्या तुम बुद्धि से काम नहीं लेते?

তোমাদেরকে যা কিছু দেয়া হয়েছে, তা পার্থিব জীবনের ভোগ ও শোভা বৈ নয়। আর আল্লাহঞ্জর কাছে যা আছে, তা উত্তম ও স্থায়ী। তোমরা কি বোঝ না ?

And whatever you have been given is an enjoyment of the life of (this) world and its adornment, and that (Hereafter) which is with Allah is better and will remain forever. Have you then no sense?



## Satan\_Shytan Enticingly Mesmerizes

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह अल्लाह वड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

Al-Hijr (15:39)



قَالَ رَبِّ بِمَآ أُعْوَيْتَنِى لَأُزَيِّنَنَ لَهُمْ فِى ٱلأَرْضِ وَلَأُعْوِيَنَهُمْ أُجْمَعِينَ

તેણે કહ્યું : અય મારા વાષ્ટ્રિક મસ્વરિક મારા કારણ કે તે મને (મારા તકબ્બૂરને કારણે) ગુમરાહ કર્યો છે તેમ હું પણ દુનિયામાં (બૂરી વસ્તુઓ) તેમની (ઇન્સાનની) નજરમાં જરૂર સુશોભિત બનાવીશ અને જરૂર તેઓ સર્વોને ગુમરાહ કરીશ:

उसने कहा, "मेरे रब!الله इसलिए कि तूने मुझे सीधे मार्ग से विचलित कर दिया है, अतः मैं भी धरती में उनके लिए मनमोहकता पैदा करूँगा और उन सबको बहकाकर रहूँगा,

সে বললঃ হে আমার আ ক্রি, আপনি যেমন আমাকে পথ ভ্রষ্ট করেছেন,
আমিও তাদের সবাইকে পৃথিবীতে নানা সৌন্দর্যে আকৃষ্ট করব এবং
তাদের সবাইকে পথ ভ্রষ্ঠ করে দেব।

<u> Al-Bagara (2:268)</u>

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

[Iblis (Satan)] said: "O my Lord! When Because you misled me, I shall indeed adorn the path of error for them (mankind) on the earth, and I shall mislead them all.

Al-A'raaf (7:179)



وَلَقَدْ دَرَأْتَا لِجَهَنَّمَ كَثِيرًا مِّنَ ٱلْجِنِّ وَٱلْإِنسِ لَهُمْ قُلُوبٌ لَا يُبْصِرُونَ بِهَا قُلُوبٌ لَا يُبْصِرُونَ بِهَا وَلَهُمْ أَعْيُنٌ لَا يُبْصِرُونَ بِهَا وَلَهُمْ أَعْيُنٌ لَا يُبْصِرُونَ بِهَا وَلَهُمْ أَعْيُنٌ لَا يَبْصِرُونَ بِهَا وَلَهُمْ أَوْلَئِكَ كَٱلْأَنْعُم بَلْ هُمْ وَلَهُمْ ءَاذَانٌ لَا يَسْمَعُونَ بِهَآ أُولَٰئِكَ كَٱلْأَنْعُم بَلْ هُمْ وَلَهِنَ أَوْلَئِكَ كَٱلْأَنْعُم بَلْ هُمْ الْغَ

અને બેશક અમોએ જિન્નાતો તથા ઇન્સાનોમાંથી ઘણાઓને જહન્નમ માટે જ પેદા કર્યાં છે; તેઓ દિલ (મન) ધરાવે છે તેનાથી સમજતા (વિચારતા) નથી, અને તેમની આંખો છે તેનાથી જોતા નથી, અને તેમના કાન છે તેનાથી સાંભળતા નથી; તેઓ જાનવરો જેવા છે બલ્કે તે કરતાંય વધુ ગુમરાહ છે; આ લોકો જ બેદરકાર

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बडी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures needs, All-Knower.

(ગાફીલ) છે.

निश्चय ही हमवा कि बहुत-से जिन्नों और मनुष्यों को जहन्नम ही के लिए फैला रखा है। उनके पास दिल है जिनसे वे समझते नहीं, उनके पास आँखें है जिनसे वे देखते नहीं; उनके पास कान है जिनसे वे सुनते नहीं। वे पशुओं की तरह है, बल्कि वे उनसे भी अधिक पथभ्रष्ट है। वही लोग है जो ग़फ़लत में पड़े हुए है

আর আমিবা সৃষ্টি করেছি দোযখের জন্য বহু জ্বিন ও মানুষ। তাদের অন্তর রয়েছে, তার দ্বারা বিবেচনা করে না, তাদের চোখ রয়েছে, তার দ্বারা দেখে না, আর তাদের কান রয়েছে, তার দ্বারা শোনে না। তারা চতুষ্পদ জন্তুর মত; বরং তাদের চেয়েও নিকৃষ্টতর। তারাই হল গাফেল, শৈথিল্যপরায়ণ।

And surely, We have created many of the jinns and mankind for Hell. They have hearts wherewith they understand not, they have eyes wherewith they see not, and they have ears wherewith they hear not (the truth). They are like cattle, nay even more astray;

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures needs, All-Knower.

those! They are the heedless ones.

An-Nahl (16:63)



تَاللهِ لقدْ أَرْسَلْنَا إِلَىٰ أَمَمٍ مِن قَبْلِكَ فَرَيّنَ لَهُمُ اللّهِ لَقَدْ أَرْسَلْنَا إِلَىٰ أَمَمٍ مِن قَبْلِكَ فَرَيّنَ لَهُمُ السّيْطُنُ أَعْمُلُهُمْ فَهُوَ وَلِيّهُمُ ٱلْيَوْمَ وَلَهُمْ عَدَابٌ أَلِيمٌ ٱلْيَوْمَ وَلَهُمْ عَدَابٌ أَلِيمٌ

અલ્લાહ મી કસમ! ખરેજ અમોએ તારી અગાઊની ઉમ્મતો તરફ રસૂલો મોકલ્યા હતા, પરંતુ શૈતાને તેઓના (નાસ્તિકોના) કરતુતોને તેમની નઝરમાં સુશોભિત બનાવી દીધા, માટે આજે એ તેમનો વલી છે, અને તેમના માટે દર્દનાક અઝાબ છે.

अल्लाह ॐ की सौगंध! हम तुमसे पहले भी कितने समुदायों की ओर रसूल भेज चुके है, किन्तु शैतान ने उनकी करतूतों को उनके लिए सुहावना बना दिया। तो वही आज भी उनका संरक्षक है। उनके लिए तो एक दुखद यातना है

আল্লাহঞ্জর কসম, আমি আপনার পূর্বে বিভিন্ন সম্প্রদায়ে রাসূল প্রেরণ

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures needs, All-Knower.

করেছি, অতঃপর শয়তান তাদেরকে কর্ম সমূহ শোভনীয় করে দেখিয়েছে। আজ সেই তাদের অভিভাবক এবং তাদের জন্যে রয়েছে যন্ত্রণাদায়ক শাস্তি।

By Allah, We indeed sent (Messengers) to the nations before you (O Muhammad SAW), but Shaitan (Satan) made their deeds fair-seeming to them. So he (Satan) is their Wali (helper) today (i.e. in this world), and theirs will be a painful torment.

Al-An'aam (6:43)



فَلُوْلَآ إِذْ جَآءَهُم بَأْسُنَا تَضَرَّعُواْ وَلَكِن قُسَتْ قُلُوبُهُمْ وَزَيِّنَ لَهُمُ ٱلشَّيْطُنُ مَا كَاثُواْ يَعْمَلُون

જયારે અમારો અઝાબ તેમના ઉપર આવી પહોંચ્યો ત્યારે તેઓ શા માટે વિનમ્ર (બની તસ્લીમ) ન થયા? પણ તેમના દિલ સખત થઇ ગયા અને જે

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार क्पा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures needs, All-Knower.

આમાલ તેઓ અંજામ આપતા હતા તેને શેતાને (તેમના માટે) સુશોભિત બનાવી દીધા હતા.

जब हमारी ओर से उनपर सख्ती आई तो फिर क्यों न विनम्र हुए? परन्तु उनके हृदय तो कठोर हो गए थे और जो कुछ वे करते थे शैतान ने उसे उनके लिए मोहक बना दिया

অতঃপর তাদের কাছে যখন আমার ্প আযাব আসল, তখন কেন কাকুতি-মিনতি করল না ? বস্তুতঃ তাদের অন্তর কঠোর হয়ে গেল এবং শয়তান তাদের কাছে সুশোভিত করে দেখাল, যে কাজ তারা করছিল।

When Our Forment reached them, why then did they not believe with humility? But their hearts became hardened, and Shaitan (Satan) made fair-seeming to them that which they used to do.

Fussilat (41:25)

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह अल्लाह वड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs,

بس<u>راللهم</u> اللحمان اللحيمان

وَقَيّضْنَا لَهُمْ قُرَنَآءَ قُرَيّنُوا لَهُم مّا بَيْنَ أَيْدِيهِمْ وَمَا خَلْفَهُمْ وَحَقّ عَلَيْهِمُ ٱلْقُولُ فِى ٓ أُمَمٍ قَدْ خَلَتْ مِن قُبْلِهِم مِّنَ ٱلْجِنِ وَٱلْإِنسِ إِنَّهُمْ كَانُوا خُسِرِينَ قُبْلِهِم مِّنَ ٱلْجِنِ وَٱلْإِنسِ إِنَّهُمْ كَانُوا خُسِرِينَ

અને અમોએવા માર્જ પણ તેમના માટે એવા સાથીઓ રાખ્યા હતા કે જેમણે તેમના આગલા પાછલા બધા કાર્યોને તેમની નજરમાં સારા બનાવી દીધા હતા, અને અગાઉની ઊમ્મતોમાંથી જિન્નાત અને ઇન્સાનો માટે પૂરવાર થયેલ અઝાબનો વાયદો તેઓ માટે પણ પૂરવાર થયો કે બેશક તેઓ નુકસાન ભોગવનારા હતા.

हम्याश्यम्ने उनके लिए कुछ साथी नियुक्त कर दिए थे। फिर उन्होंने उनके आगे और उनके पीछे जो कुछ था उसे सुहाना बनाकर उन्हें दिखाया। अन्ततः उनपर भी जिन्नों और मनुष्यों के उन गिरोहों के साथ फ़ैसला सत्यापित होकर रहा, जो उनसे पहले गुज़र चुके थे। निश्चय ही वे घाटा उठानेवाले थे

আমি<sup>®</sup> তাদের পেছনে সঙ্গী লাগিয়ে দিয়েছিলাম, অতঃপর সঙ্গীরা তাদের অগ্র-পশ্চাতের আমল তাদের দৃষ্টিতে শোভনীয় করে দিয়েছিল।

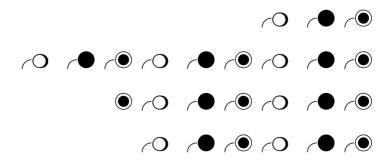
शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है।

अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

তাদের ব্যাপারেও শাস্তির আদেশ বাস্তবায়িত হল, যা বাস্তবায়িত হয়েছিল তাদের পূর্ববতী জিন ও মানুষের ব্যাপারে। নিশ্চয় তারা ক্ষতিগ্রস্ত।

And We have assigned them (devils) intimate companions (in this world), who have made fair-seeming to them, what was before them (evil deeds which they were doing in the present worldly life and disbelief in the Reckoning and the Resurrection, etc.) and what was behind them (denial of the matters in the coming life of the Hereafter as regards punishment or reward, etc.). And the Word (i.e. the torment) is justified against them as it was justified against those who were among the previous generations of jinns and men that had passed away before them. Indeed they (all) were the losers.



शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह अल्लाह वड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures needs, All-Knower.

### Paran, Fir Auon, Qaroon, Karan,

Al-Ghaafir (40:37)



أُسْبَّبَ ٱلسَّمُّوَٰتِ فَأَطَلِعَ إِلَى ۚ إِلَّهِ مُوسَى ٰ وَإِنِّى لَأَظُنُهُۥ كَذِبًا وَكَذَٰلِكَ رُبِّنَ لِفِرْعَوْنَ سُوٓءُ عَمَلِهِۦ وَصُدَّ عَنِ ٱلسَّبِيلِ وَمَا كَيْدُ فِرْعَوْنَ إِلَّا فِي تَبَابٍ

જે આસમાનના અસ્બાબ છે. આ રીતે હું મૂસાના ખુદાને જાણી લઊ, અને મારા ગુમાન મુજબ મૂસા જૂઠ્ઠો છે; (અને કોઇ ખુદા નથી) અને આ રીતે ફિરઔનના માટે તેના બૂરા આમાલ સુશોભિત કરી દેવામાં આવ્યા અને તેને (હક) રસ્તાથી અટકાવી દેવામાં આવ્યો; અને ફિરઔનની ચાલાકીનો અંજામ હલાકત સિવાય કંઇ જ ન હતો.

आकाशों को साधनों (और क्षत्रों) तक। फिर मूसा के पूज्य को झाँककर देखूँ। मैं तो उसे झूठा ही समझता हूँ।" इस प्रकार फ़िरऔन को लिए उसका दुष्कर्म

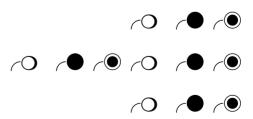
शैतान तम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है. जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह 🗱 बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures needs,

All-Knower.

सुहाना बना दिया गया और उसे मार्ग से रोक दिया गया। फ़िरऔन की चाल तो बस तबाही के सिलसिले में रही

আকাশের পথে, অতঃপর উঁকি মেরে দেখব মৃসার আল্লাহকে। বস্তুতঃ আমি তো তাকে মিথ্যাবাদীই মনে করি। এভাবেই ফেরাউনের কাছে সশোভিত করা হয়েছিল তার মন্দ কর্মকে এবং সোজা পথ থেকে তাকে বিরত রাখা হয়েছিল। ফেরাউনের চক্রান্ত ব্যর্থ হওয়ারই ছিল।

"The ways of the heavens, and I may look upon the Ilah (God) of Musa (Moses) but verily, I think him to be a liar." Thus it was made fair-seeming, in Fir'aun's (Pharaoh) eyes, the evil of his deeds, and he was hindered from the (Right) Path, and the plot of Fir'aun (Pharaoh) led to nothing but loss and destruction (for him).



<u> Al-Bagara (2:268)</u>

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है।
अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

Al-Qasas (28:79)



فُخَرَجَ عَلَىٰ قُوْمِهِۦ فِى زِينَتِهِۦ قَالَ ٱلَّذِينَ يُرِيدُونَ ٱلحَيَوٰةَ ٱلدُّنْيَا يُلَيْتَ لَنَا مِثْلَ مَآ أُوتِىَ قَرُونُ إِنَّهُۥ لَدُو حَظِّ عَظِيمٍ

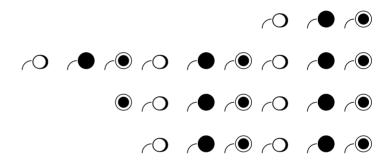
પછી કારૂન પોતાની કોમ સામે બની ઠનીને નીકળ્યો, જેમના દિલમાં દુન્યાવી હયાતની ચાહના હતી તેઓએ કહ્યુ કદાચ અમારી પાસે પણ આ બધુ હોત જે કારૂનને આપવામાં આવ્યુ છે! હકીકતમાં આ બહુ મોટો નસીબદાર છે.

फिर वह अपनी क़ौम के सामने अपने ठाठ-बाट में निकला। जो लोग सांसारिक जीवन के चाहनेवाले थे, उन्होंने कहा, "क्या ही अच्छा होता जैसा कुछ क़ारून को मिला है, हमें भी मिला होता! वह तो बड़ा ही भाग्यशाली है।"

অতঃপর কারুন জাঁকজমক সহকারে তার সম্প্রদায়ের সামনে বের হল।
যারা পার্থিব জীবন কামনা করত, তারা বলল, হায়, কারুন যা প্রাপ্ত
হয়েছে, আমাদেরকে যদি তা দেয়া হত! নিশ্চয় সে বড ভাগ্যবান।

Al-Baqara (2:268) शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

So he went forth before his people in his pomp. Those who were desirous of the life of the world, said: "Ah, would that we had the like of what Qarun (Korah) has been given? Verily! He is the owner of a great fortune."



///.WatabaarakAllaahu,Ahsanul Khaliqeena.///.The Sole Creator Par Excellene

///

O •

Fussilat (41:12)

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह अल्लाह वड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs,

بس<u>رالله</u>م الاحمال

فَقَضَىٰهُنَّ سَبْعَ سَمُّوَاتٍ فِى يَوْمَيْنِ وَأُوْحَىٰ فِى كُلِّ سَمَآءِ أَمْرَهَا وَزَيَّنَا ٱلسَّمَآءَ ٱلدُّنْيَا بِمَصَّبِيحَ وَحِقْظًا دَّلِكَ تَقْدِيرُ ٱلْعَزِيزِ ٱلْعَلِيمِ

**جَلا**الله

પછી બે દિવસમાં સાત આસમાનો બનાવી દીધા, અને દરેક આસમાનને તેનો હુકમ વહી કરી દીધો અને અમોએ ફિનિયાના આસમાનને ચિરાગોથી ઝીનત આપી છે અને મહેકુઝ કરી દીધુ છે; કે આ જબરદસ્ત જાણકાર અલ્લાહની તકદીર છે.

**جَاله** الله

फिर दो दिनों में उनको अर्थात सात आकाशों को बनाकर पूरा किया और प्रत्येक आकाश में उससे सम्बन्धित आदेश की प्रकाशना कर दी औऱ दुनिया के (निकटवर्ती) आकाश को हमवा कि दीपों से सजाया (रात के यात्रियों के दिशानिर्देश आदि के लिए) और सुरक्षित करने के उद्देश्य से। यह अत्.न्त प्रभुत्वशाली, सर्वज्ञ का ठहराया हुआ है।"

অতঃপর তিনিঝা ্ঞ আকাশমন্ডলীকে দু'দিনে সপ্ত আকাশ করে দিলেন

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार क्पा का तुम्हें वचन देता है।
अल्लाह अल्लाह वड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures needs, All-Knower.

এবং প্রত্যেক আকাশে তার আদেশ প্রেরণ করলেন। আমিআ দিকটবর্তী আকাশকে প্রদীপমালা দ্বারা সুশোভিত ও সংরক্ষিত করেছি।
এটা পরাক্রমশালী সর্বজ্ঞ আল্লাহর ব্যবস্থাপনা।

Then He completed and finished from their creation (as) seven heavens in two Days and He made in each heaven its affair.

And We adorned the nearest (lowest) heaven with lamps (stars) to be an adornment as well as to guard (from the devils by using them as missiles against the devils). Such is the Decree of Him the All-Mighty, the All-Knower.

O • •

Qaaf (50:6)



أَفَلَمْ يَنظُرُوٓا ۚ إِلَى ٱلسَّمَآءِ فَوْقُهُمْ كَيْفَ بَنَيْنَهَا وَزَيَّنَهَا وَمَا لَهَا مِن قُرُوجٍ

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह अल्लाह बडी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

શું તેઓ પોતાના ઉપર આસમાન તરફ જોતા નથી કે અમોએ અ કે તેને કેવી રીતે બનાવ્યું છે અને પછી તેને શણગારી પણ દીધું, અને તેમાં કોઇ ખામી નથી?!

अच्छा तो क्या उन्होंने अपने ऊपर आकाश को नहीं देखा, हमब्या औन उसे कैसा बनाया और उसे सजाया। और उसमें कोई दरार नहीं

তারা কি তাদের উপরস্থিত আকাশের পানে দৃষ্টিপাত করে না আমিআ জিকভাবে তা নির্মাণ করেছি এবং সুশোভিত করেছি? তাতে কোন ছিদ্রও নেই।

Have they not looked at the heaven above them, how We have made it and adorned it, and there are no rifts in it?

Al-Mulk (67:5)



وَلْقَدْ زَيِّنَّا ٱلسَّمَآءَ ٱلدُّنْيَا بِمَصِّبِيحَ وَجَعَلَتْهَا رُجُومًا

<u> Al-Bagara (2:268)</u>

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

# لِلشَّيْطِينِ وَأَعْتَدْنَا لَهُمْ عَدَابَ ٱلسَّعِيرِ

અને અમોએવા કુનિયાના આસમાનને દીવાઓથી (તારાઓથી) ઝીનત આપી છે, અને સિતારાઓને શયતાનને મારવાના સાધન બનાવ્યા છે, અને તેમના માટે (જહન્નમની) આગનો અઝાબ તૈયાર રાખ્યો છે.

हमब्या और उन्हें शैतानों के मार भगाने का साधन बनाया और उनके लिए हमने भड़कती आग की यातना तैयार कर रखी है

আমিব্যা র্ক্স সর্বনিম্ন আকাশকে প্রদীপমালা দ্বারা সুসজ্জত করেছি; সেগুলোকে শয়তানদের জন্যে ক্ষেপণাস্ত্রবৎ করেছি এবং প্রস্তুত করে রেখেছি তাদের জন্যে জলন্ত অগ্নির শাস্তি।

And indeed We have adorned the nearest heaven with lamps, and We have made such lamps (as) missiles to drive away the Shayatin (devils), and have prepared for them the torment of the

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह अल्लाह वड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

blazing Fire.

Faatir (35:39)



هُوَ ٱلذِى جَعَلَكُمْ خَلَئِفَ فِى ٱلأَرْضِ فَمَن كَفَرَ فَعَلَيْهِ كُفْرُهُۥ وَلَا يَزِيدُ ٱلكَفِرِينَ كُفْرُهُمْ عِندَ رَبِّهِمْ إِلَا مَقْتًا وَلَا يَزِيدُ ٱلكَفِرِينَ كُفْرُهُمْ إِلَا خَسَارًا

જેણે તમને ઝમીનમાં આગલાઓના વારસદાર બનાવ્યા, જે કોઇ નાસ્તિકપણ્ડં કરશે તેનુ નાસ્તિકપણ્ડં તેના જ નુકસાનમાં છે અને નાસ્તિકોનુ નાસ્તિકપણ્ડં તેના હ્યા <del>ક્યારેલરદિગાર</del> પાસે ગઝબ સિવાય કાંઇપણ નહી વધારે અને નાસ્તિકોનુ નાસ્તિકપણ્ડં નુકસાન સિવાય કાંઇપણ નહી વધારે.

वहीं तो है जिसने तुम्हे धरती में ख़लीफ़ा बनाया। अब तो कोई इनकार करेगा, उसके इनकार का वबाल उसी पर है। इनकार करनेवालों का इनकार उनके रब्या के यहाँ केवल प्रकोप ही को बढ़ाता है, और इनकार करनेवालों

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबकि अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures needs, All-Knower.

का इनकार केवल घाटे में ही अभिवृद्धि करता है

তিনিআ ই তোমাদেরকে পৃথিবীতে স্বীয় প্রতিনিধি করেছেন। অতএব যে কুফরী করবে তার কুফরী তার উপরই বর্তাবে। কাফেরদের কুফর কেবল তাদের পালনকর্তান্আ ইর ক্রোধই বৃদ্ধি করে এবং কাফেরদের কুফর কেবল তাদের ক্ষতিই বৃদ্ধি করে।

Heall it is Who has made you successors generations after generations in the earth, so whosoever disbelieves (in Islamic Monotheism) on him will be his disbelief. And the disbelief of the disbelievers adds nothing but hatred with their Lord. And the disbelief of the disbelievers adds nothing but loss.

O •

Taa-Haa (20:127)



وَكَدَّلِكَ نَجْزَى مَنْ أَسْرَفَ وَلَمْ يُؤْمِن ۚ بِـِّايِّتِ رَبِّهِۦ

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

## وَلَعَدَابُ ٱلْءَاخِرَةِ أَشَدُ وَأَبْقَىَ

અને જે કોઇ ઇસરાફ કરે છે અને તેના પરવરદિગારના નિશાનીઓ પર ઇમાન નથી લાવતો અમે તેને આમ જ બદલો આપીએ છીએ, અને ખરેખર આખેરતનો અઝાબ વધારે સખ્ત અને બાકી રહેનારો છે.

इसी प्रकार हम उसे बदला देते है जो मर्यादा का उल्लंघन करे और अपने रब की आयतों पर ईमान न लाए। और आख़िरत की यातना तो अत्यन्त कठोर और अधिक स्थायी है

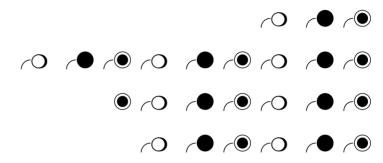
এমনিভাবে আমি তাকে প্রতিফল দেব, যে সীমালঙ্ঘন করে এবং পালনকর্তার কথায় বিশ্বাস স্থাপন না করে। তার পরকালের শাস্তি কঠোরতর এবং অনেক স্থায়ী।

And thus do We requite him who transgresses beyond bounds [i.e. commits the great sins and disobeys his Lord (Allah) and believes not in His Messengers, and His revealed Books, like this Quran,

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह अल्लाह वड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

etc.], and believes not in the Ayat (proofs, evidences, verses, lessons, signs, revelations, etc.) of his Lord, and the torment of the Hereafter is far more severe and more lasting.



# <u>Concluding Inferances+</u> +Lessons forthe Living

Ar-Ra'd (13:33)



أَفُمَنْ هُوَ قَائِمٌ عَلَىٰ كُلِّ نَفْسٍ بِمَا كَسَبَتْ وَجَعَلُواْ لِلهِ شُرَكَآءَ قُلْ سَمُوهُمْ أَمْ تُنَبِّزُونَهُۥ بِمَا لَا يَعْلَمُ فِي اللَّهِ شُرَكَآءَ قُلْ سَمُوهُمْ أَمْ تُنَبِّزُونَهُۥ بِمَا لَا يَعْلَمُ فِي اللَّهُ أَمْ بِظَهِرٍ مِّنَ الْقَوْلِ بَلْ رُبِّنَ لِلذِينَ لِلذِينَ بِيلِ وَمَن يُضْلِلُ اللَّهُ كَفَرُوا مَكْرُهُمْ وَصُدُوا عَنِ السَّ فَمَا لَهُ، مِنْ هَادٍ

**جَلا** الله

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

શું જે દરેક ઊપર કાબૂ રાખે અને દરેકના આમાલ ઊપર દેખરેખ રાખે છે તેના જેવો બીજો કોઇ હોઇ શકે? છતાંપણ તેઓ અલ્લાહ મા શરીકો બનાવે છે! કહે કે તેના નામ લ્યો છો! શુ તમે એવી ચીઝની ખબર આપો છો જેનાથી તેઓ બેખબર છે? અથવા ફકત વાતો જ કરો છો. બલ્કે જે લોકો ઇમાન નથી લાવ્યા તેમની ચાલો તેમની નજરમાં સુશોભિત બનાવી દેવામાં આવી છે, અને તેમને રસ્તાથી રોકી દેવામાં આવ્યા છે; અને જેને અલ્લાહ ગુમરાહ કરે તો પછી તેનો કોઇ હિદાયત કરનાર નથી.

भला वह (अल्लाह ) जो प्रत्येक व्यक्ति के सिर पर, उसकी कमाई पर निगाह रखते हुए खड़ा है (उसके समान कोई दूसरा हो सकता है)? फिर भी लोगों ने अल्लाह के सहभागी-ठहरा रखे है। कहो, "तिनक उनके नाम तो लो! (क्या तुम्हारे पास उनके पक्ष में कोई प्रमाण है?) या ऐसा है कि तुम उसे अधि ऐसी बात की ख़बर दे रहे हो, जिसके अस्तित्व की उसे धरती भर में ख़बर नहीं? या यूँ ही यह एक ऊपरी बात ही बात है?" नहीं, बल्कि इनकार करनेवालों को उनकी मक्कारी ही सुहावनी लगती है और वे मार्ग से रुक गए है। जिसे अल्लाह ही गुमराही में छोड़ दे, उसे कोई मार्ग पर लानेवाला नहीं

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

ওরা প্রত্যেকেই কি মাথার উপর স্ব স্ব কৃতকর্ম নিয়ে দন্ডায়মান নয়? এবং তারা আল্লাহঞ্জর জন্য অংশীদার সাব্যস্ত করে। বলুন; নাম বল অথবা খবর দাও পৃথিবীর এমন কিছু জিনিস সম্পর্কে যা তিনি জানেন না? অথবা অসার কথাবার্তা বলছ? বরং সুশোভিত করা হয়েছে কাফেরদের জন্যে তাদের প্রতারণাকে এবং তাদেরকে সৎপথ থেকে বাধা দান করা হয়েছে। আল্লাহ শ্রু যাকে পথভ্রষ্ট করেন, তার কোন পথ প্রদর্শক নেই।

Is then He (Allah) Who takes charge (guards, maintains, provides, etc.) of every person and knows all that he has earned (like any other deities who know nothing)? Yet they ascribe partners to Allah. Say: "Name them! Is it that you will inform Him of something He knows not in the earth or is it (just) a show of false words." Nay! To those who disbelieve, their plotting is made fairseeming, and they have been hindered from the Right Path, and whom Allah sends astray, for him, there is no guide.

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

Al-Kahf (18:46)



ٱلمَالُ وَٱلبَنُونَ زِينَةُ ٱلحَيَوٰةِ ٱلدُنْيَا وَٱلبَّقِيَٰتُ ٱلصَّلِحَٰتُ خَيْرٌ عِندَ رَبِّكَ ثُوَابًا وَخَيْرٌ أَمَلًا

માલ અને અવલાદ દુનિયાવી જીવનની ઝીનત છે; અને હંમેશા બાકી રહેનાર સારા કાર્યો તારા પરવરદિગાર પાસે સવાબ રૂપે બહેતર છે, અને બહેતરીન ઉમ્મીદ આપનાર છે.

माल और बेटे तो केवल सांसारिक जीवन की शोभा है, जबिक बाक़ी रहनेवाली नेकियाँ ही तुम्हारे रब के यहाँ परिणाम की दृष्टि से भी उत्तम है और आशा की दृष्टि से भी वही उत्तम है

ধনৈশ্বর্য ও সন্তান-সন্ততি পার্থিব জীবনের সৌন্দর্য এবং স্থায়ী সৎকর্মসমূহ আপনার পালনকর্তার কাছে প্রতিদান প্রাপ্তি ও আশা লাভের জন্যে উত্তম।

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है।

अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures needs, All-Knower.

Wealth and children are the adornment of the life of this world. But the good righteous deeds (five compulsory prayers, deeds of Allah 's obedience, good and nice talk, remembrance of Allah with glorification, praises and thanks, etc.), that last, are better with your Lord for rewards and better in respect of hope.

 $\bigcirc$   $\bigcirc$ 

Yunus (10:24)



إِتمَا مَثَلُ ٱلحَيَوٰةِ ٱلدُّنْيَا كَمَاءِ أَنْرَلْنَهُ مِنَ ٱلسَّمَاءِ فَاَخْتَلُطَ بِهِ تَبَاتُ ٱلأَرْضِ مِمَّا يَأْكُلُ ٱلنَّاسُ وَٱلأَنْعُمُ فَاَخْتَلُطَ بِهِ تَبَاتُ ٱلأَرْضُ رُخْرُفُهَا وَٱرْيَّنَتْ وَظَنَ أَهْلُهَا حَتَّى إِدَا أَخَدَتِ ٱلأَرْضُ رُخْرُفُهَا وَٱرْيَّنَتْ وَظَنَ أَهْلُهَا لَيْهَا أَوْ نَهَارًا فَجَعَلْنَهَا أَتْهُمْ قَدِرُونَ عَلَيْهَا أَتْهُمْ قَدِرُونَ عَلَيْهَا أَتْهُمْ قَدِرُونَ عَ حَصِيدًا كَأَن لَمْ تَعْنَ بِٱلْأَمْسِ كَذَلِكَ تُقَصِّلُ ٱلْءَايِّتِ لِقَوْمٍ يَتَفَكَّرُونَ لَمْ تَعْنَ بِٱلْأَمْسِ كَذَلِكَ تُقَصِّلُ ٱلْءَايِّتِ لِقَوْمٍ يَتَفَكَّرُونَ

દુન્યવી જીવનની મિસાલ આસમાનથી નાઝિલ થયેલ પાણી જેવી છે જે ઇન્સાન

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह अल्लाह वड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

અને જાનવરના ખોરાકની વનસ્પતિઓમાં ભળી જઇ (તેને પોષણ આપે છે) એટલે સુધી કે સુશોભિત થઇ ઝમીનને શણગારે છે અને તેના અહલ (માલિક) ગુમાન કરે છે કે પાક ઊપર તેઓનો જ કબજો છે (ત્યાં અચાનક) રાતે અથવા દિવસના અમારો હુકમ (અઝાબ) આવી પહોંચે છે પછી તે (પાક)ને એવી રીતે કાપી નાખ્યો કે જાણે ગઇકાલે પાક હતો જ નહી. વિચાર કરનારા લોકો માટે અમારી આયતો આવી જ રીતે વિગતવાર બયાન કરીએ છીએ.

सांसारिक जीवन की उपमा तो बस ऐसी है जैसे हमने आकाश से पानी बरसाया, तो उसके कारण धरती से उगनेवाली चीज़े, जिनको मनुष्य और चौपाये सभी खाते है, घनी हो गई, यहाँ तक कि धरती ने अपना शृंगार कर लिया और सँवर गई और उसके मालिक समझने लगे कि उन्हें उसपर पूरा अधिकार प्राप्त है कि रात या दिन में हमारा आदेश आ पहुँचा। फिर हमने उसे कटी फ़सल की तरह कर दिया, मानो कल वहाँ कोई आबादी ही न थी। इसी तरह हम उन लोगों के लिए खोल-खोलकर निशानियाँ बयान करते है, जो सोच-विचार से काम लेना चाहें

পার্থিব জীবনের উদাহরণ তেমনি, যেমনি আমি আসমান থেকে পানি

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and

Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs,
All-Knower.

বর্ষন করলাম, পরে তা মিলিত সংমিশ্রিত হয়ে তা থেকে যমীনের শ্যামল উদ্ভিদ বেরিয়ে এল যা মানুষ ও জীব-জন্তুরা খেয়ে থাকে। এমনকি যমীন যখন সৌন্দর্য সুষমায় ভরে উঠলো আর যমীনের অধিকর্তারা ভাবতে লাগল, এগুলো আমাদের হাতে আসবে, হঠাৎ করে তার উপর আমার নির্দেশ এল রাত্রে কিংবা দিনে, তখন সেগুলোকে কেটে স্তুপাকার করে দিল যেন কাল ও এখানে কোন আবাদ ছিল না। এমনিভাবে আমি খোলাখুলি বর্ণনা করে থাকি নিদর্শণসমূহ সে সমস্ত লোকদের জন্য যারা লক্ষ্য করে।

Verily the likeness of (this) worldly life is as the water (rain) which

We send down from the sky, so by it arises the intermingled

produce of the earth of which men and cattle eat until when the

earth is clad with its adornments and is beautified, and its people

think that they have all the powers of disposal over it, Our

Command reaches it by night or by day and We make it like a

clean-mown harvest, as if it had not flourished yesterday! Thus do

We explain the Ayat (proofs, evidences, verses, lessons, signs,

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बडी समाईवाला. सर्वज है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

revelations, laws, etc.) in detail for the people who reflect.

### Islamophobic deluded

BookBurners, Joker Crackers, Veil-Vultures,
Malhma Mahatmamen, Multicellular, Carnivore
Canines, Bipedes, Tridents, Quadrupedes,
Monocyte Epidemical

Bacterias, Vectors, Viruses, Viroids, etc

Al-Bagara (2:10)



فِى قُلُوبِهِم مَرَضٌ قُرَادَهُمُ ٱللهُ مَرَضًا وَلَهُمْ عَدَابٌ أَلِيمٌ بِمَا كَاثُواْ يَكُذِبُونَ

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures needs, All-Knower.

તેમના દિલોમાં બીમારી છે પછી અલ્લાહે તેમની બીમારીમાં વધારો કર્યો, અને તેમના માટે દર્દનાક અઝાબ છે, કારણકે તેઓ જૂઠું બોલતા હતા.

उनके दिलों में रोग था तो अल्लाह के ने उनके रोग को और बढ़ा दिया और उनके लिए झूठ बोलते रहने के कारण उनके लिए एक दुखद यातना है

তাদের অন্তঃকরণ ব্যধিগ্রস্ত আর আল্লাহ তাদের ব্যধি আরো বাড়িয়ে দিয়েছেন। বস্তুতঃ তাদের জন্য নির্ধারিত রয়েছে ভয়াবহ আযাব, তাদের মিথ্যাচারের দরুন।

In their hearts is a disease (of doubt and hypocrisy) and Allaahu. has increased their disease. A painful torment is theirs because

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures needs, All-Knower.

## they used to tell lies.

- O •

Al-Fath (48:12)



بَلْ ظَنَنتُمْ أَن لَن يَنقلِبَ ٱلرّسُولُ وَٱلْمُؤْمِنُونَ إِلَىٰ أَهْلِيهِمْ أَبَدًا وَرُبِّنَ دَٰلِكَ فِى قُلُوبِكُمْ وَظَنَنتُمْ ظَنّ أَهْلِيهِمْ أَبَدًا وَرُبِّنَ دَٰلِكَ فِى قُلُوبِكُمْ وَظَنَنتُمْ ظَنّ أَلسّوْء وَكُنتُمْ قُوْمًا بُورًا

પરંતુ તમોએ એમ ધારી લીધું કે રસૂલ તથા મોઅમીનો તેમના ઘરવાળાઓ તરફ પાછા નહી આવે, અને તમારા દિલોમાં આ વાત સુશોભિત કરી દેવામાં આવી, અને તમોએ બદગુમાનીથી કામ લીધું, પરિણામે તમે હલાક થનારી કોમ બની ગયા.

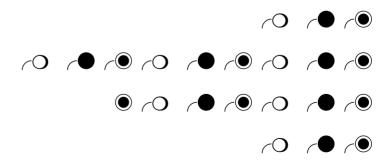
"नहीं, बल्कि तुमने यह समझा कि रसूल और ईमानवाले अपने घरवालों की ओर लौटकर कभी न आएँगे और यह तुम्हारे दिलों को अच्छा लगा। तुमने तो बहुत बुरे गुमान किए और तुम्हीं लोग हुए

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

तबाही में पड़नेवाले।"

বরং তোমরা ধারণ করেছিলে যে, রসূল ও মুমিনগণ তাদের বাড়ী-ঘরে কিছুতেই ফিরে আসতে পারবে না এবং এই ধারণা তোমাদের জন্যে খুবই সুখকর ছিল। তোমরা মন্দ ধারণার বশবর্তী হয়েছিলে। তোমরা ছিলে ধ্বংসমুখী এক সম্প্রদায়।

"Nay, but you thought that the Messenger (SAW) and the believers would never return to their families; and that was made fair-seeming in their hearts, and you did think an evil thought and you became a useless people going for destruction."



शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

Allaahu has dereed that islaam must be the Final victor. however Vigourously You strive To extinguish islaamic Aurora... సైతానుభక్త,విభోక్తలు యెంత ప్రయత్నించినా అల్లాహు. తఆలా వారి దేదీప్య దివ్వెను ఆర్పలేరుగానీ, వాళ్ళేమటాష్- ఆరిఆవిరై, నామరూప,స్థానభ్రంశ, పరివర్తనలతో సర్వదామండే నరకాగ్నికిసమిధలుకాగలరు-ఈసత్యాన్ని మజాయిసీ, రిజాయిసీ, మునాఫిక, ముష్రికమూకలూ, బొందలగడ్డల బ్రిగేండు గాళ్ళూ, ముథ్రీపండు, జకాతుహడపుగాళ్ళూ, జర మష్కి ప్రదమాగులతో ఆకళించి- యాదుజేస్కాంటే జబరదస్తుగ పుంటాది,

مدعى لاكه برا چاهے تو ميا وهي هوتا هے جو منظور ا لهي . هوتا ....

Al-A'raaf (7:179)



शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures needs, All-Knower.

وَلَقَدْ ذَرَأْتَا لِجَهَنَّمَ كَثِيرًا مِّنَ ٱلْجِنِّ وَٱلْإِنسِ لَهُمْ قُلُوبٌ لَا يُبْصِرُونَ بِهَا قُلُوبٌ لَا يُبْصِرُونَ بِهَا وَلَهُمْ أَعْيُنٌ لَا يُبْصِرُونَ بِهَا وَلَهُمْ أَعْيُنٌ لَا يُبْصِرُونَ بِهَا وَلَهُمْ ءَاذَانٌ لَا يَسْمَعُونَ بِهَآ أُولَٰئِكَ كَٱلأَنْعُم بَلْ هُمْ فِلُونَ أَضَلُ أُولِٰئِكَ كَٱلأَنْعُم بَلْ هُمْ فَلُونَ أَضَلُ أُولِٰئِكَ هُمُ ٱلغَ

અને બેશક અમોએ જિન્નાતો તથા ઇન્સાનોમાંથી ઘણાઓને જહન્નમ માટે જ પેદા કર્યાં છે; તેઓ દિલ (મન) ધરાવે છે તેનાથી સમજતા (વિચારતા) નથી, અને તેમની આંખો છે તેનાથી જોતા નથી, અને તેમના કાન છે તેનાથી સાંભળતા નથી; તેઓ જાનવરો જેવા છે બલ્કે તે કરતાંય વધુ ગુમરાહ છે; આ લોકો જ બેદરકાર (ગાફીલ) છે.

निश्चय ही हमब्बिंग बहुत-से जिन्नों और मनुष्यों को जहन्नम ही के लिए फैला रखा है। उनके पास दिल है जिनसे वे समझते नहीं, उनके पास आँखें है जिनसे वे देखते नहीं; उनके पास कान है जिनसे वे सुनते नहीं। वे पशुओं की तरह है, बल्कि वे उनसे भी अधिक पथभ्रष्ट है। वहीं लोग है जो ग़फ़लत में पड़े हुए है

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह अल्लाह वडी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures needs, All-Knower.

আর আমিআ্রি সৃষ্টি করেছি দোযখের জন্য বহু জ্বিন ও মানুষ। তাদের অন্তর রয়েছে, তার দ্বারা বিবেচনা করে না, তাদের চোখ রয়েছে, তার দ্বারা দেখে না, আর তাদের কান রয়েছে, তার দ্বারা শোনে না। তারা চতুষ্পদ জন্তুর মত; বরং তাদের চেয়েও নিকৃষ্টতর। তারাই হল গাফেল, শৈথিল্যপরায়ণ।

And surely, We have created many of the jinns and mankind for Hell. They have hearts wherewith they understand not, they have eyes wherewith they see not, and they have ears wherewith they hear not (the truth). They are like cattle, nay even more astray; those! They are the heedless ones.

At-Tawba (9:33)



शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह अल्लाह वड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

هُوَ ٱلذِىٓ أَرْسَلَ رَسُولُهُ، بِٱلهُدَىٰ وَدِينِ ٱلْحَقِّ لِيُظْهِرَهُۥ عَلَى ٱلدِّينِ كُلِهِۦ وَلُوْ كَرِهَ ٱلمُشْرِكُونَ

જેણે ઋ પોતાના રસૂલને હિદાયત તથા દીને હક\*\* સાથે મોકલ્યા, જેથી તેને (દીને હકને) બધા દીન પર ગાલિબ કરી દે, પછી ભલેને મુશરિકોને નાપસંદ હોય.

वही है जिसने अपने रसूल को मार्गदर्शन और सत्यधर्म के साथ भेजा ताकि उसे तमाम दीन (धर्म) पर प्रभावी कर दे, चाहे मुशरिकों को बुरा लगे

তিনি াই প্রেরণ করেছেন আপন রসূলকে হেদায়েত ও সত্য দ্বীন সহকারে, যেন এ দ্বীনকে অপরাপর দ্বীনের উপর জয়যুক্ত করেন, যদিও মুশরিকরা তা অপ্রীতিকর মনে করে।

It is Heall Who has sent His Messenger (Muhammad SAW) with guidance and the religion of truth (Islam), to

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

make it superior over all religions even though the Mushrikun (polytheists, pagans, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah) hate (it).





Al-Fath (48:28)



هُوَ ٱلذِیٓ أَرْسَلَ رَسُولهُۥ بِٱلهُدَی' وَدِینِ ٱلحَقِّ لِیُظهِرَهُۥ عَلَی ٱلدِّینِ کُلِهِ۔ وَکَفَی' بِٱللهِ شَهِیدًا

<u>₹</u>الله

તે એ જ છે જેણે પોતાના રસૂલને હિદાયત અને દીને હકની સાથે મોકલ્યો કે જેથી તેને બધા દીન ઉપર ગાલીબ કરી દે, અને ગવાહી માટે અલ્લાહ કાફી છે.

वहीव्या है जिसने अपने रसूल को मार्गदर्शन और सत्यधर्म के साथ भेजा, ताकि उसे पूरे के पूरे धर्म पर प्रभुत्व प्रदान करे और गवाह की

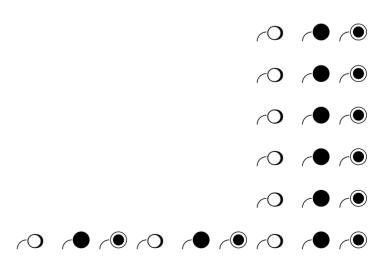
शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and

Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs,
All-Knower.

हैसियत से अल्लाह काफ़ी है

তিনিআ ই তাঁর রসূলকে হেদায়েত ও সত্য ধর্মসহ প্রেরণ করেছেন, যাতে একে অন্য সমস্ত ধর্মের উপর জয়যুক্ত করেন।
সত্য প্রতিষ্ঠাতারূপে আল্লাহ যথেষ্ট।

Heall it is Who has sent His Messenger (Muhammad SAW) with guidance and the religion of truth (Islam), that He may make it (Islam) superior over all religions. And All-Sufficient is Allah as a Witness.



शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह अल्लाह वड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures needs, All-Knower.

# Maa Enda Allaahi Baaqin\_యెన్నటికీ మిగిలి"బాకీ" <u>గానిలిచేవి సిర్ఫుఔర్ సిర్ఫు</u> <u>అల్లాహు,సుబహాన వారివద్దనున్నవేనని ముస్లిములు</u> <u>గ్రహించాలి.</u>

O ( •

Al-Ankaboot (29:57)



## كُلُّ تَفْسُ دَآئِقَةُ ٱلْمَوْتِ ثُمَّ إِلَيْنَا تُرْجَعُونَ

દરેક જીવ મૌતની મજા ચાખનાર છે; પછી તમો સર્વેને અમારી ધારો પાછા લાવવામાં આવશે.

प्रत्येक जीव को मृत्यु का स्वाद चखना है। फिर तुम हमारी 🥮 ओर वापस

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह अल्लाह वड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

लौटोगे

জীবমাত্রই মৃত্যুর স্বাদ গ্রহণ করবে। অতঃপর তোমরা আমারঝা া ক্রিছিই কাছে প্রত্যাবর্তিত হবে।

Everyone shall taste the death. Then unto Uswill be returned.

O •

Al-Mulk (67:2)



ٱلذِى خَلَقَ ٱلْمَوْتَ وَٱلْحَيَواٰةَ لِيَبْلُوَكُمْ أَيُكُمْ أَحْسَنُ عَمَلًا وَهُوَ ٱلْعَزِيرُ ٱلْغَقُورُ

તેણે મોત અને હયાતને એ માટે પેદા કર્યા જેથી તમને અજમાવે કે તમારામાંથી બહેતરીન અમલ કરનાર કોણ છે; અને તેવા જ જબરદસ્ત અને માફ કરનાર છે:

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह अल्लाह वड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

जिसने पैदा किया मृत्यु और जीवन को, तािक तुम्हारी परीक्षा करे कि तुममें कर्म की दृष्टि से कौन सबसे अच्छा है। वहवाविक प्रभुत्वशाली, बड़ा क्षमाशील है। -

যিনি সৃষ্টি করেছেন মরণ ও জীবন, যাতে তোমাদেরকে পরীক্ষা করেন-কে তোমাদের মধ্যে কর্মে শ্রেষ্ঠ? তিনিবা পরাক্রমশালী, ক্ষমাময়।

Who has created death and life, that He may test you which of you is best in deed. And He is the All-Mighty, the

Oft-Forgiving;

O • •

Al-Jumu'a (62:8)

بس<u>االلهم</u> الاحتمال

قَلْ إِنَّ ٱلْمَوْتَ ٱلذِى تَفِرُونَ مِنْهُ فَإِنَّهُۥ مُلْقِيكُمْ ثُمَّ تُرَدُونَ إِلَىٰ عَلِمِ ٱلْغَيْبِ وَٱلشَّهَٰدَةِ فَيُنَبِّئُكُم بِمَا كُنتُمْ تَعْمَلُونَ

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures needs, All-Knower.

**جَ**لاهُ الله

તું કહે કે તે મોત કે જેનાથી તમે નાસતા ફરો છો પછી જરૂર તે તમારી મુલાકાત કરશે, ત્યારબાદ તમને તેના હજૂરમાં પાછા ફેરવવામાં આવશે જે ગૈબ અને જાહેરનો જાણકાર છે, અને તમે દુનિયામાં જે કાંઇ કરતા હતા તે જણાવશે.

कह दो, "मृत्यु जिससे तुम भागते हो, वह तो तुम्हें मिलकर रहेगी, फिर तुम उसकी ओर लौटाए जाओगे जो छिपे और खुले का जाननेवाला है। और वहया असके तुम्हें उससे अवगत करा देगा जो कुछ तुम करते रहे होगे।" -

বলুন, তোমরা যে মৃত্যু থেকে পলায়নপর, সেই মৃত্যু অবশ্যই তোমাদের মুখামুখি হবে, অতঃপর তোমরা অদৃশ্য, দৃশ্যের জ্ঞানী আল্লাহ ্রুর কাছে উপস্থিত হবে। তিনি তোমাদেরকে জানিয়ে দিবেন সেসব কর্ম, যা তোমরা করতে।

Say (to them): "Verily, the death from which you flee will surely meet you, then you will be sent back to (Allah ), the All-Knower of the unseen and the seen, and He will tell you what you used to do."

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह अल्लाह वड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

Ar-Rahmaan (55:26)



كُلُّ مَنْ عَلَيْهَا فَانِ

જે કોઇ ઝમીન પર છે તે ફના (નાશ) થનાર છે:

प्रत्येक जो भी इस (धरती) पर है, नाशवान है

ভূপৃষ্টের সবকিছুই ধ্বংসশীল।

Whatsoever is on it (the earth) will perish.

Ar-Rahmaan (55:27)



शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures needs, All-Knower.

وَيَبْقَى ٰ وَجْهُ رَبِّكَ دُو ٱلجَلْلِ وَٱلْإِكْرَامِ

અને ફકત તારા પરવરદિગારની ઝાત જે સાહેબે જલાલો ઇકરામ છે તેજ બાકી રહેનાર છે.\*

किन्तु तुम्हारे रब का प्रतापवान और उदार स्वरूप शेष रहनेवाला है

একমাত্র আপনার মহিমায় ও মহানুভব পালনকর্তার সত্তা ছাড়া।

And the Face of your Lord full of Majesty and Honour will abide forever.

Al-A'laa (87:17)

بس<u>ارالله</u>م الرحيمان

وَٱلْءَاخِرَةُ خَيْرٌ وَأَبْقَىَ

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

જોકે આખેરત બહેતર અને વધુ બાકી રહેનારી છે.

हालाँकि आख़िरत अधिक उत्तम और शेष रहनेवाली है

অথচ পরকালের জীবন উৎকৃষ্ট ও স্থায়ী।

Certainly, the "Aakhirah" is the best and Ever lasting.(than this world)

- O •

An-Nahl (16:96)



مَا عِندَكُمْ يَنفَدُ وَمَا عِندَ ٱللهِ بَاقٍ وَلَنَجْزِيَنَ اللهِ اللهِ مَا كَاثُوا يَعْمَلُونَ النَّذِينَ صَبَرُوٓا أَجْرَهُم بِأَحْسَنِ مَا كَاثُوا يَعْمَلُونَ

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures needs, All-Knower.

જે કાંઇ તમારી પાસે છે તે નાશ પામશે અને જે કાંઇ અલ્લાહ #ની પાસે છે તે બાકી રહેશે; અને જે લોકોએ સબ્ર કરી તેનો બદલો તેઓ જે અમલ કરતા હતા તે કરતાંય બેહતર આપીશું.

तुम्हारे पास जो कुछ है वह तो समाप्त हो जाएगा, किन्तु अल्लाह के पास जो कुछ है वही बाक़ी रहनेवाला है। जिन लोगों ने धैर्य से काम लिया उन्हें तो, जो उत्तम कर्म वे करते रहे उसके बदले में, हम अवश्य उनका प्रतिदान प्रदान करेंगे

তোমাদের কাছে যা আছে নিঃশেষ হয়ে যাবে এবং আল্লাহঞ্জর কাছে যা আছে, কখনও তা শেষ হবে না। যারা সবর করে, আমি তাদেরকে প্রাপ্য প্রতিদান দেব তাদের উত্তম কর্মের প্রতিদান স্বরূপ যা তারা করত।

Whatever is with you, will be exhausted, and whatever with Allah (of good deeds) will remain. And those who are

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह अल्लाह वड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

patient, We will certainly pay them a reward in proportion to the best of what they used to do.

O •

Maryam (19:76)

بس<u>راللهم</u> الرحيم

وَيَزِيدُ ٱللهُ ٱلذِينَ ٱهْتَدَوْا هُدًى وَٱلبَّقِيَّتُ السَّلِحَٰتُ خَيْرٌ مَرَدًا اللهُ عَندَ رَبِّكَ ثَوَابًا وَخَيْرٌ مَرَدًا

અને જેઓ હિદાયત પામેલા છે અલ્લાહ તેની હિદાયતમાં વધારો કરે છે, અને સારા કાર્યો બાકી રહેનારા તારાવા મ<del>ચવરદિગાર</del>ની પાસે સવાબને રૂએ બહેતર છે અને પરિણામની રૂએ બેહતર છે.

और जिन लोगों ने मार्ग पा लिया है, अल्लाह उनके मार्गदर्शन में अभिवृद्धि प्रदान करता है और शेष रहनेवाली नेकियाँ ही तुम्हारे रबियाँ के यहाँ बदले और अन्तिम परिणाम की स्पष्ट से उत्तम है

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है।

अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures needs, All-Knower.

যারা সৎপথে চলে আল্লাহ তাদের পথপ্রাপ্তি বৃদ্ধি করেন এবং স্থায়ী সৎকর্মসমূহ তোমার পালনকর্তা আজির কাছে সওয়াবের দিক দিয়ে শ্রেষ্ঠ এবং প্রতিদান হিসেবেও শ্রেষ্ট।

And Allah increases in guidance those who walk aright

[true believers in the Oneness of Allah who fear Allah
much (abstain from all kinds of sins and evil deeds which
He has forbidden), and love Allah much (perform all
kinds of good deeds which He has ordained)]. And the
righteous good deeds that last, are better with your

Lord. for reward and better for resort.

O •

Al-Qasas (28:60)

بسراللهم اللحمان اللحيمان

وَمَآ ۚ أُوتِيتُم مِّن شَىْءٍ فَمَتَٰعُ ٱلْحَيَوٰةِ ٱلدُّنْيَا

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह अल्लाह वडी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures needs, All-Knower.

وَزِينَتُهَا وَمَا عِندَ ٱللهِ خَيْرٌ وَأَبْقَى ۖ أَفَلَا تَعْقِلُونَ

અને તેમને જે કાંઇ પણ આપવામાં આવ્યું છે તે દુન્યવી જીવનની સામગ્રી અને શોભા છે અને જે કાંઇ પણ અલ્લાહ પાસે છે એ જ બહેતર અને બાકી રહેવાવાળું છે, શું તમે વિચારતા નથી ?

जो चीज़ भी तुम्हें प्रदान की गई है वह तो सांसारिक जीवन की सामग्री और उसकी शोभा है। और जो कुछ अल्लाह के पास है वह उत्तम और शेष रहनेवाला है, तो क्या तुम बुद्धि से काम नहीं लेते?

তোমাদেরকে যা কিছু দেয়া হয়েছে, তা পার্থিব জীবনের ভোগ ও
শোভা বৈ নয়। আর আল্লাহ্ৠর কাছে যা আছে, তা উত্তম ও
স্থায়ী। তোমরা কি বোঝ না ?

And whatever you have been given is an enjoyment of the life of (this) world and its adornment, and that (Hereafter)

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह अल्लाह वड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures needs, All-Knower.

which is with Allah is better and will remain forever.

Have you then no sense?

 $\bigcirc$   $\bigcirc$ 

Taa-Haa (20:131)

بس<u>االلهم</u> الرحيم

وَلَا تَمُدَنَ عَيْنَيْكَ إِلَىٰ مَا مَتَعْنَا بِهِۦٓ أَرُواجًا مِنْهُمْ رَهْرَةَ ٱلحَيَواةِ ٱلدُنْيَا لِنَقْتِنَهُمْ فِيهِ وَرِرْقُ رَبِّكَ خَيْرٌ وَأَبْقَىٰ

અને અમો એ તેમનામાંથી અમુક લોકોને જે દુનિયાના જીવનની રોનકથી માલામાલ કર્યો છે તું તેની તરફ આંખ ઊંચકીને જોતો નહિં, આ બધું તેમની અજમાઇશનો ઝરીયો છે, અને તારાRab <del>પરવરદિગારની</del> રોઝી તેના કરતાં વધારે બહેતર અને બાકી રહેનાર છે.

और उसकी ओर आँख उठाकर न देखो, जो कुछ हमब्या की उनमें से विभिन्न लोगों को उपभोग के लिए दे रखा है, ताकि ह अम उसके

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार क्पा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

द्वारा उन्हें आज़माएँ। वह तो बस सांसारिक जीवन की शोभा है। तुम्हारे रब की रोज़ी उत्तम भी है और स्थायी भी

আমি এদের বিভিন্ন প্রকার লোককে পরীক্ষা করার জন্যে পার্থিবজীবনের সৌন্দর্য স্বরূপ ভোগ-বিলাসের যে উপকরণ দিয়েছি, আপনি সেই সব বস্তুর প্রতি দৃষ্টি নিক্ষেপ করবেন না। আপনার পালনকর্তা এডি কিন্তুর দেয়া রিযিক উৎকৃষ্ট ও অধিক স্থায়ী।

And strain not your eyes in longing for the things We have given for enjoyment to various groups of them (polytheists and disbelievers in the Oneness of Allah), the splendour of the life of this world that We may test them thereby. But the provision (good reward in the Hereafter) of your Lord

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

Hud (11:86)

بس<u>اراللهم</u> الرجيمان

بَقِيّتُ ٱللهِ خَيْرٌ لَكُمْ إِن كُنتُم مُؤْمِنِينَ وَمَآ أَنَا ُ عَلَيْكُم بِحَفِيظٍ

જો તમે મોઅમીન હોવ, તો અલ્લાહે બ્રિક બાકી રાખેલ તમારા માટે બેહતર છે\* અને હું કાંઇ તમારી ઉપર નિગેહબાન (ચોકીદાર) નથી.

यदि तुम मोमिन हो तो जो अल्लाह के पास शेष रहता है वही तुम्हारे लिए उत्तम है। मैं तुम्हारे ऊपर कोई नियुक्त रखवाला नहीं हूँ।"

আল্লাহ প্রদত্ত উদ্ধৃত্ত তোমাদের জন্য উত্তম, যদি তোমরা স্থানদার হও, আর আমি তো তোমাদের উপর সদা পর্যবেক্ষণকারী নই।

"That which is left by Allah for you (after giving the rights of the people) is better for you, if you are believers.

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह अल्लाह वड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures needs, All-Knower.

And I am not set over you as a guardian.

O •

Taa-Haa (20:73)

بس<u>راللهم</u> الرحيمان

إِتَّا ءَامَنَا بِرَبِّنَا لِيَعْفِرَ لَنَا خَطَيْنَا وَمَاۤ أَكْرَهْتَنَا عَلَيْهِ مِنَ ٱلسِّحْرِ وَٱللهُ خَيْرٌ وَأَبْقَى

ખરેખર અમે અમારા Rab <del>પરવરદિગાર</del> પર ઇમાન લાવ્યા કે જેથી તે અમારા ગુનાહોને તથા જે જાદુ કરવાની તેં અમને ફરજ પાડી હતી તેને માફ કરી દે, અને અલ્લાહ બેહતર અને બાકી રહેનારો છે.

हम तो अपने रब पर ईमान ले आए, ताकि वह हमारी खताओं को माफ़ कर दे और इस जादू को भी जिसपर तूने हमें बाध्य किया। अल्लाह की उत्तम और शेष रहनेवाला है।"-

আমরা আমাদের পালনকর্তার ্ৠ প্রতি বিশ্বাস স্থাপন করেছি

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

যাতে তিনি আমাদের পাপ এবং তুমি আমাদেরকে যে যাদু
করতে বাধ্য করেছ, তা মার্জনা করেন। আল্লাহॐ শ্রেষ্ঠ ও
চিরস্থায়ী।

"Verily! We have believed in our Lord, that He may forgive us our faults, and the magic to which you did compel us. And Allah is better as regards reward in comparison to your [Fir'aun's (Pharaoh)] reward, and more lasting (as regards punishment in comparison to your punishment)."

O •

Taa-Haa (20:127)

بس<u>راللهم</u> الرحيمان

وَكَدَّلِكَ نَجْزَى مَنْ أُسْرَفَ وَلَمْ يُؤْمِنُ بِــُايِّتِ رَبِّهِۦ وَلَعَدَابُ ٱلْءَاخِرَةِ أَشَدُ وَأَبْقَى

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार क्पा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures needs, All-Knower.

અને જે કોઇ ઇસરાફ કરે છે અને તેના Rab <del>પરવરદિગાર</del>ના નિશાનીઓ પર ઇમાન નથી લાવતો અમે તેને આમ જ બદલો આપીએ છીએ, અને ખરેખર આખેરતનો અઝાબ વધારે સખ્ત અને બાકી રહેનારો છે.

इसी प्रकार हमब्या असे बदला देते है जो मर्यादा का उल्लंघन करे और अपने रब की आयतों पर ईमान न लाए। और आख़िरत की यातना तो अत्यन्त कठोर और अधिक स्थायी है

এমনিভাবে আমিআ্রি তাকে প্রতিফল দেব, যে সীমালঙ্ঘন করে এবং পালনকর্তাআ্রির কথায় বিশ্বাস স্থাপন না করে। তার পরকালের শাস্তি কঠোরতর এবং অনেক স্থায়ী।

And thus do We requite him who transgresses beyond bounds [i.e. commits the great sins and disobeys his Lord (Allah ) and believes not in His Messengers, and His revealed Books, like this Quran, etc.], and believes

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

not in the Ayat (proofs, evidences, verses, lessons, signs, revelations, etc.) of his Lord, and the torment of the Hereafter is far more severe and more lasting.

# 

25 యేండ్లు యేదోవెలగబెడతారనే ఆశతో సమూహ-ఫిర్కా-గ్రూపులతో సంసారంజేసి -బగారఖానా,దాల్చాలు తిని-ఆడీవాడీగ తిరిగి- పరిగి-మరిగి బేకారుగ వేస్టుజేసుకొంటి-అప్పరం!అంటే తార్పోరే-AFTERWARDS -ఫస్ట్ హేండ్ నాలేడ్జి-సిర్ఫు "కుర్ఆను"లోనే వుందని లేటుగా ట్యూబ్ లైట్- వెలిగే-

ఇగ గస్తీబస్తీగసాబుసా కుప్పిగంతులకు స్వస్తిజెప్పి -బేకారు సొహబతులూ -పనికిమాలిన దోస్తీలకూ గుడ్ బై - జెప్పి -నడుంగట్టుకొని "అరబీ"రంగంలోకి దూకితి-

" తివిరి యిసుమున తైలంబు దీయవచ్చు"-అనే యేమనపద్యం గుర్తుజేసుకొంటి-

డిస్ట్రాక్టర్సును దగ్గరిరానీయకుండ గోషా-పర్దనషీనీ యెంచుకొంటి-సూటిపొటిమాటలూ -యెకసెక్కాలూ యెత్తిపొడుపులను సహిస్తి- ఓ పేద్దసంస్తలో పనిజేసే ఓ బీహారీజాలిమ్ " తాలీమీ బాలిగాన్ ఆలిమ్ కోర్సు" లో "ముఅల్లిముTEACHER"-నువ్వు అరబీ నేర్చుకోవడం బేఫైజుUSELESS -అని PUBLICగా నాకో సర్టిఫికట్ ఇచ్చె --పోనాళ్ పోగెట్టుంపోడా-(పోతేపోనీపోరా):--అని కట్టినఫీజు వదిలేసి వెనకడుగేస్తి-

-మరో మొద్దుబాబు దొడ్డుగుంటాడు--నువ్వు మల్లయ్యకొడుకువి-నీకేంవస్తుందిరా అరబీ--గోప్ప పుట్టుక పుట్టిన మాకే సరిగరాలే--నీకు-<sub>IMPOSSIBLE</sub> - నువ్వు నేర్సుకోలేవు-నీకు బొక్క సరిగ తిరగదే -అని యెద్దేవా జేసె-

మరోఉల్లముడు"కుర్ఆను"-సదివితే దారితప్పుతావ్ -మావెంటరా సొరగానికి నిచ్చెనలు నీముందు నిలబెడతాం-అనె-

ఇంకోడు మాతో రాసుకపూసుక దిరిగితే ,మాతోబాటు ఛట్టీ ఛిల్లా,కుండే ,మన్కబే-మర్సియా-సందల్-చిరాగాన్-లాంటి సామూహిక యాత్రల్లో పాల్గొటేనే నీకు నజాతు

QuakeUp,≫WakeUp Call Series From

\*\*\* Khadija Kerimah, Kristina MariaJemila \*\*\*

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs,

All-Knower. లబిస్తుఁది-అనె-

మరోకఆలిముజాలిముడు నీకు అరబీ నేరిపిఁచలేను-నీలో అంత తెలివిలేదే అనె-ఇంకో కరీంనగర్ గాడు నాకాడ అంత టైం లేదే-నీకుట్యూసను చెప్పేందుకు--ఇలాంటి తానా బానాలు చేసే జాహిలు జనాలు యెక్కువే-తాజెడ్డకోతి వనమెల్లజెరచు-అన్నట్లు తామూ అరబీ నేర్చుకోరూ:-ఇతరులనూ డిస్కరేజ్ జేస్తారు-మరికొఁదరి అరబీ యెందుకయ్యా ఉరుదూ సాలదా?-అనిరి

\*+\*+\*+\*+\*+\*

అధికతరకసేరుకములు- కూపస్థ మండూక-బావిలోకప్పల-వలెనే:--అంధాదుంధా "బుజ్' రోగు"ల వెఁటనే పోవటమే జీవనపరమావధిగ ఎంచుకొనిరి-ఈ పరాన్నజీవ-తుఫేలీలకు SPOON FEEDING కావాలె-అరిటిపండును వొలిచి నోట్లోబెట్టవలెనట-యెన్నడూ కలాముల్లాహి-((కు'ర్ఆను))ను చదివి అర్థంచేసుకోవాలినే తపన వీళ్ళలో నాకు అవుపడలేద్- -పైగా వీళ్ళే "మిసిలిమి" సమాజంలో మోతుబరి పేద్దమనుసులు-గా చెలామణీ-ఔతుంటారు-నేను ఆరిఫ్ బిల్లాను -నేను అల్లాఃవాలాను-నావెంటరా- లేకపోతే బూడిదగూడ నీకు దొరకద్-అన్న-గాఫిలుజాహిలనూ జూస్తి-

తెలివి యెవడబ్బసొమ్మూగాదు-అల్లాహుతఆలా తాము అనుకొన్నవాళ్ళకు WISEDOM హికమతు-జ్నానాన్ని పంచుతారు -అంతేగాని కులగోత్రవంశ పరంపరగా కానేకాదు-జనమ్ కుండలీ -FAMILY TREE -షజరాషరీఫులను గొప్పగా ఢంకా బజాయించి PUBLICITY జేస్తూ మురీదుల చందాలతో నిక్రృష్టబతుకు గడిపే ఫిరౌనులనూజ*ూ*స్తి-వీళ్ళకఁటే రోడ్డుమీద అడుక్కొనే పిచ్చకుంటలోడే మెరుగనిపించె-నాకు-

+\*+\*+\*+\*+\*

ఇగ దిటవుగ నీమ్-హకీమ్-జాలిమ్-గాళ్ళకు దూరం ఐపోతి-"సాయిబన్నా సలామన్నా నీకునాకు దూరమన్నా"-అని 1957-1960లో మా తెలుగుబండితుడు "చౌడబ్బ"సారు పాటపాడేవాడు తెలుగు క్లాసులో- ఆ కవితగుర్తుజేసుకొంటి-

\*+\*+\*+\*+\*

ఇగ ఇంట్లో కుదురుగా కూర్చోని distant mode లో Learn Arabic by Radio Cairo -తో షురూ జేస్తి-నాకు1998లో ఈ అడ్రెసు చెప్పిన వ్యక్తి నెల్లూరు:--మూలపేట నివాసి-Mr,Sami Ahmad Saeed-

> (ఆయనే 1978-1980 లో కొత్తబిచ్చగాడినైన నాకు Markapur లో Friend, PHILOSOPHER అండ్ GUIDE---)

ఇగ యెన్నో ఈతిబాధలనోర్చుకొని పట్టువదలకుండా-నిరాశనిస్ప్రృహలు చెందకుండా-అరబీ నేర్చుకుంటూనే వున్నా-

పుచ్చిన సమాజాలకు దూరంగా వున్నా:-

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures needs, All-Knower.

వాళ్ళ దౌరజ్యన్నాలను యెదుర్కొన్నా-తన్నులూ తిన్నా-సొంతఇల్లు వదలి హిజరతులూ జేసా-

యెటుతిరిగీ వాళ్ళతోనే వుండాలట--వాళ్ళుపట్టుకొన్నదే సరైనదట-ఆలిమాన పహల్వాన్ లనూ జూస్తి-వాళ్ళ దౌర్జన్యాలనూ చవిజూస్తి-

లేకపోతే వాళ్ళ వీది-మొహల్లలలో వుండకూడదట-

వాళ్ళజెప్పేదే వేదంఅట-వాళ్ళే జన్నతుకు బోతారట---

"కుర్ఆను"కు యే విలువలేదే!

అంతా "బుజ్-రోగు"ల మయం-మసీదులలోనూ "బుజ్-రోగు"ల హోరే! ---నేననుకొన్నా అలాఐతే వాళ్ళజన్నతు నాకొద్దు బాబోయ్!

\*+\*+\*+\*+\*

అటు తరవాత Eఇన్గిలిష్Fరిన్Lన్గవేజస్Uనివర్సిటీ-EFLU.(CIEFL)లో 4యేళ్ళపాటు అరబీలో (నాలుగు)డిప్లోమా కోర్సులన్నీ పూర్తి గావించి కొంత అరబీని ఆకళించుకొన్నా-Akm ORIENTAL COLLEGE లో M,A,(ARABIC)లోచేరి-ఆ-కుబూరీ-సిలబసు అంతుబట్టక వదిలేస్తి-చెన్నై(మద్రాసు)కి పోయి" అరబీ "లో "అఫ్జలుల్ ఉలేమా" కోర్సు సదివినా,

ప్రస్తుతం ముఖ్యంగా పదిహేను రోజులలో ఓ సారి-

అల్'కు'ర్ఆను- చదివి పూర్తిజేస్తున్నా-"

ఇంకా అరబీలో సహీహ్ఇస్లామీయ లిటరేచరు సదువూతూనే వున్నా-

25సంవత్సరాల తదుపరి- ఆలస్యంగా బద్దకంతో స్టార్టుజేసినా---అరబీ గ్రామర్ నేర్చుకొని -అల్-కుర్ఆను-దాదాపు 300సార్లు సదివాకా ఇంతలేటు వయసులో తెలిసిన నిజం----నాకు

<u>మౌలానా/వలీ/వాక్/వాల్/మసీర్/మహీస్/మల్-జఅ/ మన్-జఅ/సర్వస్వం ఆ ఖాలికు</u> <u>మాలికు రాజి'కు-ఆఅల్లాహు సుబహానహు మాత్రమే</u>నని

నా-50-సంవత్సరాల Quest for The Ultimate Truth..-సత్యశోథనతో తేలింది-

( బుజ్-రోగుల తలనెఱుపులు విద్యావివేకాలకు గురుతులుకావని నా 25 యేండ్ల సమూహాల సాంగత్యం తో తేటతెల్లమాయె- మెహజ్ వక్త్ కీ బర్బాదీ త్సాబిత్ హుయి-వాల్యుబుల్ టైమ్-బుద్బుద ప్రాయం ఆయే--- ఆష్టరాల్ యెదవసన్నాసులిద్దరు రాసుకుంటే గూడ బూడిద రాలుతుందని సామేత-నాకైతే బూడిద గుడక రాలలే! దాల్చా బగారఖానాలతో-కోఆపరేటివ్ ఎకానమీ టూరిజంలతో-సత్రంకూడు-మఠంనిద్రలతో -ఇల్లుకంటే గుడిపదిలం పాలిసీతో-చాలకాలం వేస్టాయే---టైం + మనీ ...సిగరెట్-పీకలా కాలి-మాడి రిగ్రెట్- గా యెక్కిరించె- నన్ను...-తౌబాః మెరీ తౌబాః -అనుకొని -తౌబఃజేసికొని---జోచలాగయా ఉసే భూల్ జా- గుజరాహువా 'జమానా ఆతా నహీ దుబారా-అనే కనువిప్పుతో అరబీవేపు దృష్టి సారిస్తి-

Al-Bagara (2:268
शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारत
है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है
अल्लाह 🗯 बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ
Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to
commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.)
whereas Allah promises you Forgiveness from Himself an
Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs
All-Knower
నా అడ్వైజ
ఓ 9/0 మిసిలిములారా day one నుంచే అరబీనేర్చుకోండిభట్కేహువే రాహీలక
బహుదూరంలో వుండాలె
——⊱ <b>⋄⋄</b> ⊰—
—

అల్లాహుతఆలా "దారుస్పలాము"-శాంతినివాసంవైపు రమ్మంటున్నారు-సిరాతుల్ ముస్తకీ'మ్ - సరియైన మార్గాన్ని చూపిస్తున్నారు-

\_\_\_\_⊱**®**®⊰\_\_\_\_

---<u>మరోవేపు షైతాను + షైతానులాంటి మానవదానవ జీవాలు మనల్ని దారితప్పించే</u>

ప్రయత్నాలు జేస్తున్నాయి---

<del>-----</del>⊱��⊰----.

72పైతానులను తప్పించుకొని ఉమ్మతు ముహమ్మదియా లో చేరాలి-kaanee ---ఫిర్కా-గ్రూపులలో చేరరాదు-

<del>─</del>⊱��⊰─.

(4-రేకాదు)మొత్తం ఇమాములఁదరూ అల్-కుర్ఆను+ సహీహ్ హదీసులనే ఫాలో అవాలని నుడివిరి-గాని -వాళ్ళవెనకాలరావద్దని తాకీదు warning జేసిరి-

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बडी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures needs,

All-Knower.

#### \*+\*+\*+\*+\*+\*+

"ఇల్లం"దెలిసినట్లు నాట్యంజేసే ఉల్లాముల్లామూలీసాంబులు ప్రజలలో చైతన్యం రేకెత్తించే బదులు-శవాలపై పేలాలేరటంవైపేమొగ్గు సూపిస్తుండ్రే! సెందాల సెందురులుగ మారి ఆఘమేఘాలపై వోల్ మొత్తం దునియా తిరిగేసిరి-

ఆ24/7యెక్కవగా యెడతెరిపిగాకుండ-దైవానికి మొరబెట్టుకోవాల్సిన "పస్తులనెల" లో సిగ్గుశరంలాంటిని దులిపి గాలికివదిలేసి గుంతకాడనక్కలా గుటకలుగుడక మింగుతూ " డేగబందురోబందులలా గగనసీమలలోన మేఘమాలలై దేశదేశాలన్ని" తిరిగి జూసి-

చక్కనిచిక్కనిజకాతుకోడిపిల్లలను లాఘవంగ సాముగరిడీబురిడీలతో తన్నుకువస్తున్నార్---ఇక !ఈ ఏక్ మహీనేకా మెహనతుతో గ్యారహ్ మహీనకా బందోబస్టు ఐపోయ్---పాటశాలలలో పిల్లలు -దాల్ రోటీఖావ్ -ముల్లాకేగున్ గావ్!,....ఆ రోచ్చు తిండిని పిల్లులుకూడమూగిసూడవు-

ఇగ అయ్యామియ్యాలకు మాత్రం ఠంచనుగ చియ్యలబిరియానీ రోజ్జావే-కండతునకలు లేకబోతే ముద్ద మింగుడు పడదే- రోజ్జూవే-రోజ్జూవే-రోజ్జూవే-

మిషన్ పేటకబీరథ:---ఖాతే జావే -కర్తే జావే-

యెడ్డెబుడితే దున్ని దున్ని సావాలట---ముల్హెబుడితే తినితినితినలేక సావాలట--సాంబారు-రసాలు చింతపండూ పనికిరావట-ఉల్లుల్లమాలకు-

ఆద్మీముసాఫిర్హై-ఆతాహై-జాతాహై-ఆతేజాతే రస్తేమే ఛోడ్ జాతాహై నిషానియా ఫోఢ్ జాతాప్లా కతే-

> ఆగేభీ జానేనతూ పీఛేభీ జానేన తూ! జోభీ హై వక్త్ యహీహై-కర్లే ఆరుజూ పూరీ!

యెప్పటికెయ్యది ప్రస్తుత మప్పటికా మాటలాడి నొప్పించక! తానొవ్వక !తప్పించుకతిరుగు వాడే థన్యుడుఉల్లా సుమతీ! మూడుపూళు ఆరువంకాయలూ జేసుకోకుమతీ!

+\*+\*+\*+\*+\*

నోట్:-(1)-"రిజ్'కు" అంటే తిండేకాదు -అన్ని మానసిక ,శారీరిక నిత్యావశ్యకాలతో బాటు -మనసులకు నెమ్మదికలిగించే -"కుర్ఆను"ఇల్ముకూడ included- కానీ మిడిమిడి అరబీ

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

knowledge తో కొందరు చేసిన తర్జుమాలు నాసిరకాలే-వాళ్ళద్రృష్టిలో - "రిజ్'కు"- అంటే తిండిమాత్రమే-నట-బీమన్నకు పాకంమీదేలోకం అన్నటుల-

(2)-" జోజు-అజ్వాజు అంటే పెళ్ళాలుమాత్రమే నని రాసారు-తర్జుమకారులు. అసలు అర్థం:Life partners -a wife for a hubby and a husband for wife, ఒక తర్జుమాల " గ్రీష్మపితామహః"-యెన్నో రకాల తర్జుమాచేసారట-అంటే అన్నీ corrcet యేనా/ లేక-రాజుగారి మొదటి బార్య పతివ్రత లాగా అనుకోవలయునా? దీని భావమేమి తర్జుమలయిసా?

--యిదేం తెగులు బండితవర్యా?



47

..ముష్రిక మూకలూ , మునా'ఫి'కు'బిడారాలూ, బిద్అతీ--ఖురాఫా'తీలూ - కా'ఫిరుల లాగే " అని సాలిహీనుల ఉవాచ (అమలుకంటే ముందు సరైన అవగాహన-. I.e.కన్-ఫి'గరేషన్-ముఖ్యం.-వర్న అమలు బాతిల్ హోజావే!!! శ్రవణశక్తితో గ్రహించి గడించిన "ఇల్ము"-లోపభూయిష్టం అని దిగ్గజబండితుల అభిప్రాయం అట.

> Hearsy is half knowledge/ నీమ్ హకీమ్ ఖతర-యే-జాన్-First Hand Knowledge Is available only in our book of Constitution (alqaanoon-Al-Quraanu) చెప్పుడుమాటల్లో పలికేవాడి సాఫ్ట్వేర్ కూడ యేరులై కలిసి పారుతుంది.అంటే

100%foolproof కానేరదు .

Quran Translations in tegulu. "\*రిజ్కు"\*అంటే జీవాలకు కావలసిన

```
Al-Bagara (2:268)
```

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह अल्लाह वड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs,

#### All-Knower.

గాలీ,నీళ్ళూ,తిండీ,నిద్రా,లగ్గం,పిల్లా-జల్లా-పీచూ-మేకా-బిడ్డలూ,ఇల్లూ,వాకిలీ-యెండా-నీడా-సూర్యరస్మి-చంద్రకాంతీ-చీకటీ-వెలుగూ-సావూ-బతుకూ-శారీరిక-మానసిక స్వాస్థత-సర్వస్వం-సమస్తం-అని అర్థం-అన్నీకల్పించగల "క'దరు"-power మాత్రం : అల్లాహు-సుబహానహు వారికే చెల్లు----మఱ్ఱిపాడు"రెడ్డమ్మ"కొండకుబోతే-/"కసుమూరు" రొట్టలపండగజేస్కుంటే/ రోజురోజుకూ పెరిగే "వేనాడు"కు బోతే-/దిగంబర"బరానేషా" / ఉజాలేషా/కుతుబ్దా/.....బాషా/పా...షా/ "కరాలేషా"ల కాడికిబోతే బిడ్డలు పుడతారనేది ఓ సూపర్శ్మీషన్-"వహము"-వెర్రి ఆలోచనే!,షైతాను మెలికపెట్టిన ఊహమాత్రమే,. "అల్ హక్కు"-అల్లాహు-సుబహానహు వారు తప్ప -తతిమ్మావన్నీ బాతిలులే----"హక్కు"

{{{.....జా.....అల్- హ'క్కు' వ 'జహ'క'ల్ బాతిలు-ఇన్నల్-బాతిల కాన 'జ'హూ'కా..... }}} బోయకొండకూ-తలకోనకూ,వలిగెట్లకూ పెనుగొండలకూ-కానిపాకాలకూ/కీళపాకాలకూ/ మేళపాకాలకూ బోతే-యేం ఫరకు :-యేం వత్యాసం-ఔతాదో? ,అన్నీ అవే -కొన్ని అడ్డంగాపడేసినవే-మరికొన్ని నిటారుగూటాలు-

-ఓ కామన్ ఫాక్టర్---యేవీ కదలలేవు- మెదలలేవు -వినలేవూ-పెదవివిప్పి పలకలేవు-చేయెత్తి కొట్టలేవు!-ఈగనుకూడ తోలలేవు!-

"కీ-ఫరక్-పేందా" అని మాకు తెలిసిన సర్దార్జీ అంటాడే!

ఊహ-భ్రమ-Myth-మాయ-కల్పితం-మానసికరోగం-యేపకాయంతయెఱ్ఱి--పిచ్చి-జునూన్-

madness-యెండమావి--

వీటన్నిటికీ మందుఇయ్యగల "కాదిరు"-సామర్థ్యులు- ఆ ఏకైక దేవుడే!

#### \*+\*+\*+\*+\*+\*

షూష్! యెవరికీ చెప్పక!మనలో మాట-కొన్ని గరమాగరమ్ మచ్చుతునకలు-నెల్లూరు-రెహమతాబాదుకు పోయిన ఓ టోలీచౌకీ అమ్మాయికి యేదో చేయరాని " ట్రీట్మెంటు"జేసిన ఓ ముల్లాఘనుడిని హైదరాబాదులోఅరెస్టు జేసినట్లు పేపరులో న్యూస్ ---Tv9 Telugu reported. "A girl named Tabasum Fatima complained in our PS. In her complaint, she said that Hafiz Pasha of Rehmatabad Dargah in Nellore has tricked her into marrying him. Fatima from Tolichowki has been receiving treatment at the Nellore Dargah for three years. Relatives of the girl say that Baba had 7 similar marriages in the past...... మూలీసోంబ్-కు.......Posco సంకెళ్ళు .....

> .....కత కంచికీ-మనం ఇంటికీ..... \*+\*+\*+\*+\*

QuakeUp,≫WakeUp Call Series From

\*\*\* Khadija Kerimah, Kristina MariaJemila \*\*\*

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs,

All-Knower.

Shaharanpur Files-ఇదో గోబ్బర పట్టణమట-గది, యెంతో మంది పేద్ద సేద్ద గోప్ప్-గొప్ప బండితుండులకు ఆలవాలమట---

-(((ఇక్కడి finished goods వోల్ మొత్తం దేశదేశాలకు export ఔతారట-యెందుకంటే factories లో ःdemand కు మించిన output -production -ఎక్కువగా south కే ఎగస్పోర్థవుతారట-

Palamaneru ,madanapalle +యెన్నోచోట్ల +++ "మువష్హిదు"ల మసీదులను కూల్చివేతలో వీళ్ళ కీలకపాత్ర- వుందని ఎక్సుపర్టు కామెంటేటర్ల ఉవాచ-కహీ "బుఖారీ కా బుఖార్"((అంటే తౌహీదు-)) చఢేతో ఇలాజ్ కర్తే హై కతీ యే దాష్టిక మూకలు-

సర్ఫిరా-సర్గరమ్ బడ్చుడ్కర్ హిస్సా లేతే హై కతే- ఐసే ఆహ్బారీ-రోబానీ కామోంమే-)))

బెజబ్లేజ్-వాడలో ఓ శాదీసుదా ,పిల్లాజెల్లావాలా Shaharanpur షహరన్బూర్ముల్ల mullaWasef-వీడికి దీనీఇల్ము నేర్చుకొన్నాడట-చందాలకై విజయవాడకు విచ్చేసిఓ మోజన్గారి పంచనజేరి తిన్నఇంటివాసాలుయెంచి -లగ్గంపేరుతో ఓ మోజన్ -బిడ్డ-అన్బియాహ్-కన్యను లేపుకపోయి ,అన్నీ చేసి ఆమె నగలన్నీదోచుకొని Saharanpur Hatnikund reservoir లోకి తోసి సంపేడట -Wasif promised her marriage and started a physical relationship. His wife got to know about it, so he tried to send the victim back to Vijayawada but she refused," the police said.

Following this, Wasif decided to get rid of her with the help of his friend, Tayyab. They took her to Hatnikund reservoir on the pretext of site seeing and pushed her in. They then stole the gold ornaments of the victim," Vijayawada police said.11-08-2921-Siasat urdu daily-వీడుపిల్లలకు యేసదువులుచెప్తాడబ్బో-అని అబ్బురపడిరిజనాలు-

Tayyab అంటే బెస్టు bestఅని అర్ధం---వీడేమిటో ఇంత worstవర్స్టు? ......tip of the iceberg......తీగెకదిలిస్తే డొంక అంతా అదిరిపడతాదట-మూలీ సాంపుల ముల్లంగిలీలల విపులీకరించుటకు పేజీలుసాలవు-యెన్నో పాటసాలలలో Sodom-కౌములూత్ జేసిన పనికినిదర్శనాలు పోలీసురికార్డులలో వుండనేవుండే-మచ్చుతునకలు-

The Darkest side of the Teaching Houses And the Teacher preachers/or groper-poachers in dark alleys of Sodom valley- ....

Moolisaanp files from india,

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs,

### <u> All-Knower.</u>

(.Long ago Some man of Brains Prophesised --that ". If any One believes in ABSURDITIES , He Will commit ATROCITIES on the Earth."-Like King Canute wishing away the sea tide...Nefarious MiisaalaBully and Quarrelsome Do Doagule are busy spreading mischief on this ertez zamin-

(۔۔۔۔کسی کا گھر ج کے مین ملحار گا رھا ھون

Emperor Nero is fiddling while Rome is burning \_\_\_\_\_\_

+\*+\*+...Baabaas,Paapaas,...Godmen,Goodsemen,Evangelists,Rahbars,
Rahnumas,Salaars,Naqeeb e millets,, Super Supari Leadres,misSlame
Frontrunners ,Selfappointed guardians of Shariahs , Crowdfund
MoneyLaunderers,Chande ka Chands,Cowdungists,Safiirs,Kefeers,Peers,Moh
rysheds,Sofaas,....

+\*\*+ Flourishing even now are :- such types of professional लूटेरा Conmen , अत फाली Peodophiles , Exploiters of all sorts preying on the Gullible , masquarading as सोफासोफी Monks and रूमानी रोहानी Godmen, रोहानी Spiritual Healers , आमिलExorcists ाaqsh सुलेमानी भविष्यवाणी नुजुमी Foretellers , फलीते गंडे गंदे ठगी बज रोगी bandits ,Crowd Fund Launderer एमिरड, मजलिस मुशवरात मुनाफिकीन Hypocrites, Conmen जकात हड़पीमुरदार चिल, बाज,शाहीन, डिगा बोंधू Ketugaallu, चंदे का चा\*द साफीर, मोटे Moddu baabus, मूली फाहिश

Guddubaabulu\_MullangiMooliUllama पेटल्स ्रोपRapists गुदा Sodomizers, and what not , around us, only to exploit genderwise and materialwise----,innocents ,ignorants and their ilk. Victimizing,children', जवान, बूढ़े,addad, औरत, मरद,...alike ,in all possible ways and make fastbucks.....but jahannam is in Wait....

## గాజగడ్డకో కన్నీటిచుక్క<u>/</u>

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह अल्लाह वड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures needs, All-Knower.

త్సుమ్మ అమీన్!\\

\_\_\_\_\_\\\ఫలస్తిన\గాజా\లో నరమేధా, జినోసైడ్, మలహమ\////// ఇంతైనా దైవాజ్ఞలను కాలరాచి,తౌబఃచేసుకోని,గెడ్డాలుగీసి,కోసి, నసారలలా బతికే సిగ్గుయెగ్గులేని చెడ్డి,జెర్కిన్,సఫారీసూటు,బూటు, హేటు,వైన్,విస్కీ,సిగార్, డాగీ,కేట్,రేట్,కాటరాక్టు,మైఓపిక్,అస్టిగ్మేటిక్, ఫిర్ఔనీ,అన క్రానిక్,నామమాత్రప్పురేసిస్టువుద్దూప్రేమీ50:50, ముసిలిమానులపై పిడుగు పడుగాక\\\\\ తండ్రిపేరుతెలియని తనయుల్కురండముండకోమర నసారా,కిబ్బుట్జీkibbutz,మోసగాళ్ళమొస్సాదీకేటు,యెహూదీ,బుల్షిట్ట్ రాల్లరప్పలబుల్లయ్యలను దేవుడు ఈనేలపైనే రాచిరంపానబెట్టి, అతలాకుతలం జేసి, భస్మంచేయుగాక,\ ్గయా వాసిఅల్ మగ్పిరతి!యా హయ్యు యా కయ్యూము! యా అర్హమర్రాహిమీన !\ ఇర్హమ్! ముస్లిమీన వఅల్ ముస్లిమాత్ అల్లదీన కుతిలూ ఫీ కుల్లి అహ్యాయిన్ బిగైరి హక్కిన్,వగ్సిర్ లహుమ్,వర్హమ్ హుమ్,వద్టిల్

QuakeUp, > WakeUp Call Series From

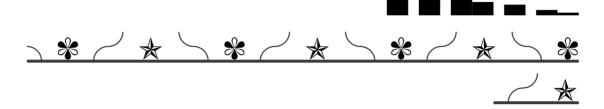
\*\*\* Khadija Kerimah, Kristina MariaJemila \*\*\*

Dtp..by ShahPagaLunatic, Keratitic DominiqueDancho... Folio. 143

హుముల్ జన్న్క...\\ఆమీన్\\యా రఆబ్బల్ ఆలమీన\\

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बडी समाईवाला. सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures needs, All-Knower.



NEARLY SIX MONTHS OF WAR HAS DESTROYED CRITICAL INFRASTRUCTURE IN GAZA, INCLUDING HOSPITALS, SCHOOLS AND HOMES AS WELL AS ROADS, SEWAGE SYSTEMS AND THE ELECTRICAL GRID. AIRSTRIKES AND ISRAEL'S GROUND OFFENSIVE HAVE LEFT MORE THAN 70,000 PALESTINIANS DEAD, BURIED UNDER DEBRIS, ACCORDING TO LOCAL HEALTH AUTHORITIES. THE FIGHTING HAS DISPLACED OVER 80 PER CENT OF GAZA'S POPULATION AND PUSHED HUNDREDS OF THOUSANDS TO THE BRINK OF FAMINE, THE UN AND INTERNATIONAL AID AGENCIES SAY.

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

FIRST UPLOADED ON: 30-03-2024 AT 22:07

IST\*○ \*○ \*○ \*○ \*○ \*○ \*○ \*○ \*○

## SCORE BOARD OF ONE SIDED NEVER ENDING

**MISMATCH SINCE 1914....** 

MAQTOOLEENA...70000+++

MAJROOHEENA....200000++++

ATFAAL,WA NISAAA....55000+++

**BUYOOTU ALLAATEE DUMMIRAT** 

BILTAAERAAT, QUMBULAAT,, DABBAABAAT., WA

GHAIRIHAAA.....98%

JANNAAT WA HUQOOL HURRIQAT BIL QUMBULAAT
MIN BHOSBHORUS....90%

SAAFINAATU LISYDIL ASMAAK ALBAHRIYYATI ALLAATEE DUMMIRAT...WA HURRIQAT....100%

(THIRSTY\_)ATSHAANOONA WAL

```
Al-Bagara (2:268)
```

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह अल्लाह वड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

(Hungry\_Famished.)Jawwaanoona bi ghyril (withoutH2o)Maaa, watTaami (without Food+Eats)walLibaasi(without dresses),...wakulliAshyaayin (necessities)Tahtaaju Kullu Insaanin wa Hayawaanin...30,00,000.+++

\*\*\*ANNISSAAAU ALLAATEE RUMMILAT WA
QUTILANA.....WA WUKKILNA BI KILAABIL
ASKIRIYYATIL YEHOODIYYATI...

\*\*\*\*\*ALSHAABBU ALLDEENA DUMMIROO BIL

\*\*\*\*\*AL MARDAA ALLADEENA QUTTILOO FI
MUSTAOSHAFAAT...

\*\*\*\*\* AT ATFAAL ALLAATY QUTILAT BI ADAM
WAJOODI ADVIYYAT WA MUAALIZAAT,WA
AAKSIJEN...02\_WA BIQILLATIL ASHIYAAIL
DARORIYYATI....

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कार्मों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह अल्लाह वड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

Still westren Educated drug addicted deluded dajjaaly Fahaashy Princes are supporting the malUooniyyeen....waillullahum ajmaeeen...aameen ya rabbal aalameena...

\*\*\*\*WALLAAHU AALAMU BIL HAQEEQTI.

GOD KNOWS THE TRUTH AND WATER KNOWS THE DEPTHS.

\\\\\110 యేండ్లగా బలిపశువులు ఈ ఫిలీస్తీనీ ముస్లింలు .
.మానవ\దానవ\రాక్షస\గొబ్బల\గూబరల\..కొంగొత్త ఆయుధాలకు
సమిధలు ఈ ఈ ఫిలీస్తీనీ ముస్లింల పిల్లలు \\\\\
నీతిలేని లోకమా\\\\
వలపే మహా అపరాధమా
నసారాల మాటలునీటిమూటలే
నీతిలేని లోకమా
\\\\\\నసారలలా బతికే సిగ్గుయెగ్గులేని ముసిలిమానులపై పిడుగు

పడుగాక\\\\\ఆమీన్\\\\\

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार क्पा का तुम्हें वचन देता है।
अल्लाह अल्लाह वडी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.



Quantum Physics.....The Devastating ... Shytaany Satanic Effect.....in the ever expanding universal Mass Nuetrons Protons and all Fringe particles are in constant motion collision course ?/demotion affected effectively by selectvely elected conglomerate of fissionable-emotions of various Greko-Rumaany-ZwendAwesthe hues and colours entwined intricately in Goongaa Jhoomnaa Tehzeeby Tamaddan and of course a grand sense of belonging to a particular Schismatic Marzy Roghany Rougey Buzrogy iconic denomination of Dalleen Sosey wollencoatsoofeee softwared Technolgized fabricated in the great Majoosy lands of Daariooos jerkyXerxes Mageaanmagillan magicalmaggi fire of PadreNamkeen-MaadreTalkh

```
Al-Bagara (2:268)
```

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

\_DukhtereTwofey\_watan...AryaMohraZohraKohra,Dakaara
a,Pukaaraa,Baakaaraa,Bargandy Kontiki\_men\_hellbent on
 spreading PURE FASAAD in every nook and corner of
 the Ertz,Ardh,Earth,......with a lot of Nostalgic Analgesic
 Past ....but certainly a bleak future......They the
 Fireworshippers Love Aatish\_so they are going to land
 in their favvy AAATISHY Abode \_NAARU
 JAHANNAM...once for all..That is the crux of their
 Allamma\_Ullemma\_Matter\_,

No matter what i blabber, ....Physical Matter can neither be created nor destroyed\_of course it nay change from one to the other

state\_Solid,Liquid,Gaseous ...Tridentic Triad TeenTrishul

Trayam Three...

Eg.Water\_ H<sup>2</sup>o

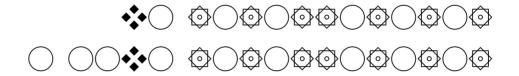
1 Normally Liquid...

2\_Frost,Ice,at Low Temparature....

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बडी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures needs, All-Knower.

3\_Gas,Vapour at High Temerature +++Atmospheric
Pressure...Who created all these Qudraty Forces.....
Ans: Say Allaahu...The AlMighty...Khaliqu Kulli Shyin....



Look at the Vomity Comity of Notions,Uno,
Demonocratic Venom Spewing west...Created an Enormous
human tragegdy in Palestine....even after 108 years Palestinian
Muslims are suffering, More than 10,00,000 homes
,Mosques,Villages,Town,Cities of peaceful citizens have been
BullDozed,,Lakhs of Muslims have been killed,Millions transformed
into Refugees...killing and destruction of homes is the State
sponsored Tyrranical Policy of the Culturally Vulturized blood
thirsty,Sadists since 110+ years.....watching the inhuman
Tragedies Gleefully on their Media .....are the GoodForNothing
gftl BananaLands....

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह अल्लाह स्वा समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures needs, All-Knower.

.....Baitul Maqdis....Aqsa may go the Babar way.....The demon of God disLoyal\_Qaabid\_Disrael is working overtime in destruction,killings,murders and GENOCIDAL mayhem...spreading Fasaad...through Mossaaad....of late .this State sponsored Terror Technology is being exported to barre kabaaer....of course for a hefty Fee.

The latest score o2/04/2024///ALjazeera channel..the ACTUAL FIGURES ARE CERTAINLY MORE....MANY buried UNDER THE DEBRIS ....of 400,000 Houses/.Appartments../स्कूल्स/कॉलेजेस/ होस्पिटल्स/हॉस्पिशियस/यूनिवर्सिटीज ,पब्लिक बिल्डिंग्स,WAGHYRA..... గాజాగాజుగడ్డ తాజాగా రక్తసిక్తమైపోయే,ఇళ్ళు అన్నీ నేలమట్టం.....10,000, బుల్లుడోజర్లు రేయింబవళ్ళు పరుగెడుతున్నాయి....ఆక్రమితం,! అన్యాక్రాంతం!, అమానుషం! వైద్యం అమేధ్యం!ఆఘోరం!! అపార అన్యాయం,అఖుంఠిత అమానుషం! వైద్యం అమేధ్యం!ఆఘోరం!! అపార అన్యాయం,అఖుంఠిత

నసారాయెదవయెహూదీలరాక్టసనరభక్షకరక్తపిపాస తీరలే \\\\

At least 71,000 Palestinians have been killed and 200,000 wounded + 300000 missing -in Israeli attacks on

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह अल्लाह वड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

Gaza since October 7, Gaza's Health Ministry said on Saturday. It added that at least 92 of those were killed in the last 24 hours.

11111111

కలలు పండే కాలమంతా కనుల ముందే కదిలిపోయే..

లేతమనసుల చిగురుటాశలు.. పూతలోనే రాలిపోయే..

*\\\\\\* 

జాలితలచి కన్నీరు తుడిచే దాతలే కనరారే..

చితికి పోయిన జీవితమంతా చింతలో చితి ఆయే..

**\\\\\\** 

నీడ చూపే నెలవు మనకూ నిదుర(చావు)యేరా తమ్ముడా..

హాయ్ రే దున్యా! క్యా హమ్ ప్యార్ కే భీ హక్ దార్ నహీ!

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures needs, All-Knower.

CONTINUED MILITARY FUNDING FOR ISRAEL AMID

GAZA INVASION......

THE UNITED STATES IS BY FAR THE BIGGEST FUNDER OF THE ISRAELI MILITARY, PROVIDING MORE THAN \$3BN IN AID ANNUALLY.,BESIDES FINANCIAL GRANTS ,AND MANY OTHER HIDDEN CONCESSIONS, PRESENTLY, US IS SENDING AN ADDITIONAL \$14BN TO SUPPORT TEL AVIV'S GENOCIDAL,నరసంహార\నరరూపరాక్షస్స\నరే\operations ons in Gaza.

WASHINGTON SENT GUIDED-MISSILE CARRIERS
AND F-35 FIGHTER JETS, AS WELL AS OTHER
MILITARY EQUIPMENT TO TEL AVIV IN THE
IMMEDIATE AFTERMATH OF HAMAS'S OCTOBER 7
ATTACKS ON ISRAEL, AND TEL AVIV'S
SUBSEQUENT DECLARATION OF WAR ON THE GAZA
STRIP. SOME 68 PERCENT OF ISRAEL'S WEAPONS

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार क्पा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures needs, All-Knower.

IMPORTS BETWEEN 2013 AND 2022 CAME FROM THE US.

TEL AVIV ALSO RELIES ON GERMAN WEAPON IMPORTS, PRIMARILY AIR DEFENCE SYSTEMS AND COMMUNICATIONS EQUIPMENT. IN TOTAL, GERMANY PROVIDES 28 PERCENT OF ISRAEL'S MILITARY IMPORTS, ALTHOUGH THAT ROSE NEARLY TENFOLD BETWEEN 2022 AND 2023 AFTER BERLIN RAMPED UP SALES TO ISRAEL IN NOVEMBER.

THE UNITED KINGDOM, CANADA, FRANCE AND AUSTRALIA AMONG OTHERS ALSO PROVIDE MILITARY SUPPORT TO ISRAEL.

Many AMERICAN MULTINATIONAL SYNDICATES ALSO
DONATE BILLIONS OF DOLLARS CONSTANTLY..every
cigarette ,dresse,cosmetic,booze ,drug,medicine, is
controlled by the yehudys.their profits propel the d-isrely

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures needs, All-Knower.

war machine to make mincemeat of Palestinians ,besides
the organs of Palestinians are harvested and exported to
the NASAArAS of all continents, (there is great demand

LIVER,KIDNEY,EYES,ENDOCRINES,LYMPHATICS,BLOOD,P LASMA,FOETUSES,AND A HOST OF ORGANICS PRESENT IN THE BODY ,VACCINES ARE MADE FROM HUMAN CELL CULTURES BY THE DRUG CARTELS,,,,

\\\\110 యేండ్లగా బలిపశువులు ఈ ఫిలీస్తీనీ ముస్లింలు .
.మానవ\దానవ\రాక్షస\గొబ్బల\గూబరల\..కొంగొత్త ఆయుధాలకు
సమిధలు ఈ ఈ ఫిలీస్తీనీ ముస్లింల స్త్రీలూ,పిల్లలూ \\\\\
నీతిలేని లోకమా\\\జీ.కడగని కంపుఆనకొండలారా!\
పీతిలోపడ్డపైసాను నాలికతోగైకొనే మరవడ్డయెరవడ్డ బఖ్ఖాల లారా!
రేపిస్టు,రేసిస్టు నసారాయెదవయెహూదులారా.!

వలపే మహా అపరాధమా నసారాల మాటలునీటిమూటలే నీతిలేని లోకమా.

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures needs, All-Knower.

| | | | | | | | | |

Al-Maaida (5:51)

بس<u>راللهم</u> الرحمان

يَّأْيُهَا الَّذِينَ عَامَنُوا لَا تَتَخِدُوا الْيَهُودَ وَالنَّصَرَى الْعَالَمُ مَنْكُمْ الْوَلِيَاءُ بَعْضُهُمْ أُولِيَاءُ بَعْضُ وَمَن يَتَوَلَّهُم مِنْكُمْ وَالْيَاءُ بَعْضُهُمْ أُولِيَاءُ بَعْضُ وَمَن يَتَوَلَّهُم مِنْكُمْ وَالْيَاءُ بَعْضُ وَمَن يَتَوَلَّهُم مِنْكُمْ وَالْيَاءُ بَعْضُ وَمَن يَتَوَلَّهُم مِنْكُمْ وَالْيَاءُ بَعْضُهُمْ أُولِيَاءُ بَعْضُ وَمَن يَتَوَلّهُم مِنْكُمْ وَالْيَاءُ بَعْضُهُمْ أُولِيَاءُ بَعْضُ وَمَن يَتَوَلّهُم مِنْكُمْ وَالْيَاءُ بَعْضُ مَنْكُمْ وَالْيَاءُ بَعْضُهُمْ أُولِيَاءُ بَعْضُ وَمَن يَتَوَلّهُم مِنْكُمْ وَالْيَاءُ بَعْضُهُمْ أُولِيَاءً بَعْضُ وَمَن يَتَوَلّهُم مِنْكُمْ وَالْيَاءُ بَعْضُهُمْ أُولِيَاءً بَعْضُ وَمَن يَتَوَلّهُم مِنْكُمْ وَالْيَاقِينَ وَالْتَصَالُ وَالْيَاءُ بَعْضُهُمْ أُولِيَاءً بَعْضُ وَالْتَعْمِينَ اللّهُ لَا يَهْدِى الْقَوْمَ الْطَامِينَ وَالْمُعْمِينَ اللّهُ لَا يَهْدِى الْقَوْمَ الْطَامِينَ وَالْمُعْمِينَ وَاللّهُ اللّهُ اللّه

ऐ ईमान लानेवालो! तुम यहूदियों और ईसाइयों को अपना मित्र (राज़दार) न बनाओ। वे (तुम्हारे विरुद्ध) परस्पर एक-दूसरे के मित्र है। तुममें से जो कोई उनको अपना मित्र बनाएगा, वह उन्हीं लोगों में से होगा। निस्संदेह अल्लाह अत्याचारियों को मार्ग नहीं दिखाता //the-quran./5/51

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबकि अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह अल्लाह वडी समाईवाला. सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

**-**

Al-Mumtahana (60:1)

بس<u>االلهم</u> الرحمان

يَّأَيُّهَا ٱلذِينَ ءَامَنُوا لَا تَتَخِدُوا عَدُوى وَعَدُوكُمْ أُولِيَاءَ تُلْقُونَ إلَيْهِم بِٱلْمَوَدَةِ وَقَدْ كَفَرُوا بِمَا جَاءَكُم مِّنَ ٱلْحَقِّ يُخْرِجُونَ ٱلرَّسُولَ وَإِيَّاكُمْ أَن تُؤْمِنُوا بِٱللَّهِ رَبِّكُمْ إِن كُنتُمْ خَرَجْتُمْ جَهِّدًا فِي سَبِيلِي وَٱبْتِعَاءَ مَرْضَاتِي تُسْرُونَ إليْهِم بِٱلْمَوَدَةِ مَرْضَاتِي تُسْرُونَ إليْهِم بِٱلْمَوَدَةِ وَأَتَا أَعْلَمُ بِمَا أَخْفَيْتُمْ وَمَا أَعْلَنتُمْ وَمَن يَقْعَلهُ مِنكُمْ فَقَدْ ضَلَ سَوَاءَ ٱلسَّبِيلِ

O you who believe! Take not My enemies and your enemies (i.e. Yehoood,Nasaaraaa,disbelievers and polytheists, etc.) as friends, showing affection towards them, while they have disbelieved in what has come to you of the truth (i.e. Islamic Monotheism, this Quran, and Muhammad SAW), and have driven out the Messenger

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures needs, All-Knower.

(Muhammad SAW) and yourselves (from your homeland) because you believe in Allah your Lord! If you have come forth to strive in My Cause and to seek My Good Pleasure, (then take not these disbelievers and polytheists, etc., as your friends). You show friendship to them in secret, while I am All-Aware of what you conceal and what you reveal. And whosoever of you (Muslims) does that, then indeed he has gone (far) astray, (away) from the Straight Path. ऐ ईमान लानेवालो! यदि तुम मेरे मार्ग में जिहाद के लिए और मेरी प्रसन्नता की तलाश में निकले हो तो मेरे शत्रुओं और अपने शत्रुओं को मित्र न बनाओ कि उनके प्रति प्रेम दिखाओं, जबकि तुम्हारे पास जो सत्य आया है उसका वे इनकार कर चुके है। वे रसूल को और तुम्हें इसलिए निर्वासित करते है कि तुम अपने रब - अल्लाह पर ईमान लाए हो। तुम गुप्त रूप से उनसे मित्रता की बातें करते हो। हालाँकि मैं भली-भाँति जानता हूँ जो कुछ तुम छिपाते हो और व्यक्त करते हो। और जो कोई भी तुममें से भटक गया ://the-quran./60/1

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबकि अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह अल्लाह वडी समाईवाला. सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

Al-Baqara (2:120)

بس<u>اراللهم</u> الرحمان مارجيم

وَلَن تَرْضَى عَنكَ ٱليَهُودُ وَلَا ٱلنَّصَرَى حَتَى تَتَبِعَ مِلْتَهُمْ قُلْ إِنَّ هُدَى ٱللهِ هُوَ ٱلهُدَى وَلَئِنَ ٱتَبَعْتَ أَهْوَآءَهُم بَعْدَ ٱلذِي جَآءَكَ مِنَ ٱلْعِلْمِ مَا لَكَ مِنَ ٱللهِ مِن وَلِيٍّ وَلَا نَصِيرٍ

Never will the Jews nor the Christians be pleased with you

(O Muhammad Peace be upon him) till you follow their
religion. Say: "Verily, the Guidance of Allah (i.e. Islamic
Monotheism) that is the (only) Guidance. And if you (O

Muhammad Peace be upon him) were to follow their
(Jews and Christians) desires after what you have
received of Knowledge (i.e. the Quran), then you would
have against Allah neither any Wali (protector or guardian)
nor any helper.

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कार्मों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह अल्लाह वड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures needs, All-Knower.

न यहूदी तुमसे कभी राज़ी होनेवाले है और न ईसाई जब तक कि तुम अनके पंथ पर न चलने लग जाओ। कह दो, "अल्लाह का मार्गदर्शन ही वास्तविक मार्गदर्शन है।" और यदि उस ज्ञान के पश्चात जो तुम्हारे पास आ चुका है, तुमने उनकी इच्छाओं का अनुसरण किया, तो अल्लाह से बचानेवाला न तो तुम्हारा कोई मित्र होगा और न सहायक

//the-quran.r/2/120

**3 3 3 3 3 3 3** 

\\\\\ఇంతైనా దైవాజ్ఞలను కాలరాచి,తౌబఃచేసుకోని,గెడ్డాలుగీసి,కోసి, నసారలలా బతికే సిగ్గుయెగ్గులేని జెర్కిన్,సఫారీసూటు,బూటు,హేటు, వైన్,విస్కీ,సిగార్, డాగీ,కేట్,రేట్,కాటరాక్టు,మైఓపిక్,అస్టిగ్మేటిక్,ఫిర్ఔనీ, అన క్రానిక్,నామమాత్రపు,,రేసిస్టువుద్దూప్రేమీ50:50,ముసిలిమానులపై పిడుగు పడుగాక\\\\\

తండ్రిపేరుతెలియని తనయులు,రండముండకోమర నసారా,కిబ్బుట్జీkibbutz,మోసగాళ్ళమొస్సాదీకేటు,యెహూదీ,బుల్షిట్ట్ రాల్లరప్పలబుల్లయ్యలను దేవుడు ఈనేలపైనే రాచిరంపానబెట్టి, అతలాకుతలం జేసి, భస్మంచేయుగాక,\

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह अल्लाह वड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

,\యా వాసిఅల్ మగ్ఫిరతి!యా హయ్యు యా కయ్యూము! యా అర్హమర్రాహిమీన !\

ఇర్హమ్! ముస్లిమీన వఅల్ ముస్లిమాత్ అల్లదీన కుతిలూ ఫీ కుల్లి అహ్యాయిన్ బిగైరి హక్కిన్,వగ్ఫిర్ లహుమ్,వర్హమ్ హుమ్,వర్జిల్ హుముల్ జన్నతః....\\ఆమీన్\\యా రఆబ్బల్ ఆలమీన\\ త్సమ్మ అమీన్!\\

Al-Burooj (85:10)

بس<u>االله</u>م الرجيمن

إِنَّ ٱلذِينَ فَتَنُوا ٱلْمُؤْمِنِينَ وَٱلْمُؤْمِنَٰتِ ثُمَّ لَمْ يَتُوبُوا فُلُهُمْ عَدَابُ ٱلْحَرِيقِ

Verily, those who put into trial the believing men and believing women (by torturing them and burning them), and then do not turn in repentance, (to Allah ), will have the torment of Hell, and they will have the punishment of the burning Fire.

शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.

जिन लोगों ने ईमानवाले पुरुषों और ईमानवाली स्त्रियों को सताया और आज़माईश में डाला, फिर तौबा न की, निश्चय ही उनके लिए जहन्नम की यातना है और उनके लिए जलने की यातना है /the-quran.85/10



.....AlQuraan is The One and OnlyTruth.....



QuakeUp,WakeUp Call Series For Homo Sapiens from Kristina Kerimah and Khadija Marium Jamelah



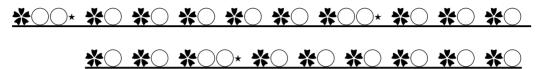
dtp by qabehJiddujahelu urupu bullebbaayi , technically supported by

AeiouppallaRajuSciondia.CCIE



शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबिक अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह अल्लाह वड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you to commit Fahsha (evil deeds, illegal sexual intercourse, sins etc.); whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounty, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower.



Doxc. verified by ShahTogademuttipenda @dhanbad

,+ Snake Mullamoolyzakatdecote@Sitamarrhi,

+Murshad Gangeshter Aqrab@pttana..



dtp by jiddujaHoolan Zalooman with Technical help from

ESciondiaAeioupPlleRajae,CCIE,

